शर्मा हार्डअवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 44 | गुवाहाटी | सोमवार, 14 सितंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विपरीत धाराओं के मिलन का मौका बनी भारत की अध्यक्षता में हुई ब्रिक्स... पेज 2
नागालैंड के तुएनसांग में नकली शराब के सेवन से नौ लोगों की मौत हो गई पेज 3
भाजपा प्रदेशभर में विविध सेवा प्रकल्पों के माध्यम से आमजन तक पहुंचाएंगी... पेज 5
यूएस ओपन 2026 : शेल्टन इतिहास रचने से एक कदम दूर, फाइनल में ज्वेरेव... पेज 7

ब्रिक्स समिट 2026 का सफल समापन, पीएम मोदी बोले-

नई दिल्ली डिक्लेरेशन साझा विजन को देगा नई दिशा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को यहां 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन (ब्रिक्स समिट 2026) के दूसरे व अंतिम दिन रविवार को समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि *ब्रिक्स* सिर्फ देशों का समूह नहीं बल्कि समाधान का इकोसिस्टम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि *नई दिल्ली डिक्लेरेशन* साझा विजन को नई दिशा देगा। पीएम ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सदस्य देशों का आभार जताया। पीएम मोदी ने स्मेलन में शामिल सभी सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि आपके महत्वपूर्ण विचारों और सुझावों ने हमारे सहयोग को व्यापकता भी दी है और गहराई भी दी है। आप सबकी मौजूदगी ब्रिक्स की बढ़ती उपयुक्तता, उदारता और समावेशिता का प्रमाण है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पिछले दो दिनों की हमारी चर्चाओं ने हमारा विश्वास और मजबूत किया है कि ब्रिक्स केवल देशों का समूह नहीं, समाधान का एक इकोसिस्टम है। हम आशा करते हैं इस समिट से उसमें जोड़े गए नई दिल्ली डिक्लेरेशन हमारे साझा विजन और भविष्य के सहयोग को स्पष्ट दिशा देगा। हमें सभी परिणामों को समयबद्ध एक्शन और अंतिम पायदान पर प्रभाव -शेष पृष्ठ दो पर

यूक्रेन पर ट्रंप फेल! ब्रिक्स में मोदी-जिनपिंग की शांति पहल पर पुतिन की मुहर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स समिट के दौरान यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए शांति बातचीत में मदद की पेशकश की। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने रविवार को इसे स्वीकार करते हुए कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने *उनकी तैयारी का स्वागत किया।* यह बात ऐसे समय में सामने आई है, जब रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौता कराने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लगातार कोशिशें अब तक नाकाम रही हैं। ब्रिक्स समिट के दौरान मोदी, शी और पुतिन के बीच की दोस्ती साफ दिखी। सबसे खास तस्वीर समिट के पहले दिन तीनों नेताओं के मुस्कुराते और हाथ पकड़े हुए होने की थी। इसने न सिर्फ नेताओं के बीच तालमेल को दिखाया बल्कि टूटी हुई ग्लोबल व्यवस्था के बीच एकता का संदेश भी दिया। खबरों के अनुसार रूस ने शांति बातचीत में मदद के लिए पीएम मोदी की मदद का स्वागत किया है। इससे पहले अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच रुकी हुई बातचीत को फिर से शुरू करने का रास्ता ढूंढने की कोशिश कर रहा है। यह समय बहुत अहम है, क्योंकि रूस यूक्रेन लड़ाई शुरू होने के बाद अपने पहले संसदीय चुनाव (18-20 सितंबर) की तैयारी कर रहा है। पुतिन के सपोर्ट वाली यूनाइटेड रशिया पार्टी के पार्लियामेंट में अपना दबदबा बनाए रखने की सबसे ज्यादा संभावना है। दूसरी ओर, भारत दोनों देशों के बीच बातचीत में एक बड़ा संभावित पुल बनकर उभरा है। असल में, भारत उन कुछ देशों में से है जिनके रूस और यूक्रेन दोनों के साथ कामकाजी रिश्ते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के पास मॉस्को, तेहरान और वेस्ट से एक साथ बात करने की अनोखी -शेष पृष्ठ दो पर

यूएन महासचिव ने बहुध्रुवीय विश्व के अनुरूप वैश्विक संस्थाओं में सुधार को बताया जरुरी

BRICS INDIA 2026

नई दिल्ली (हि.स.)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने रविवार को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कहा कि आज की आर्थिक, जनसांख्यिकीय और भू-राजनीतिक वास्तविकताएं 1945 जैसी नहीं हैं। वैश्विक संस्थाओं के ढांचे में समयानुसार बदलाव होना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और ब्रेटन वुड्स व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई। गुटेरेस ने कहा कि दुनिया तेजी से बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। बहुध्रुवीयता वैश्विक व्यवस्था और -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिक्स : असहज दिखे थे जिनपिंग मोदी ने तुरंत रोका भाषण

नई दिल्ली। ब्रिक्स समिट में अपने शुरुआती भाषण के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को कुछ असहज महसूस करते हुए देखकर थोड़ी देर के लिए अपनी बात रोक दी। कुछ हलचल से ध्यान बंटने पर प्रधानमंत्री रुके और शी की ओर मुड़े, जो सात साल बाद भारत के दौरे पर आए थे। पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति के साथ आए अनुवादक से पूछा, क्या वह ठीक हैं? कुछ पल बाद उन्होंने फिर से यही सवाल पूछा। हालांकि, तुरंत यह पता नहीं चल पाया कि शी को किस वजह से असहजता महसूस हो रही थी। कुछ सेकंड बाद, शी ने जवाब में सिर हिलाया, जिसके बाद पीएम मोदी ने अपना भाषण फिर से शुरू किया। यह पल दूरदर्शन द्वारा शेयर किए गए फुटेज में कैद हुआ। यह छोटी सी घटना पीएम मोदी के शुरुआती भाषण के 4.40 और 5.11 मिनट के बीच हुई। भले ही यह एक छोटी सी घटना रही हो, लेकिन यह दोनों नेताओं के बीच आपसी गर्मजोशी और दोस्ताना माहौल का एक -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

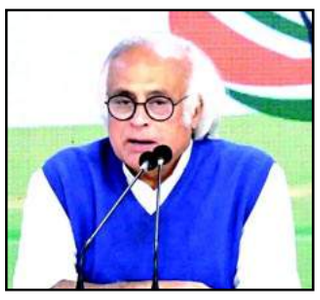

अप्राप्त लाभ आदि राज्यतंत्र के चार आधार हैं।
- **आचार्य चाणक्य**

चीनी राष्ट्रपति के साथ पीएम मोदी की द्विपक्षीय वार्ता के तौर-तरीकों की कांग्रेस ने की निंदा

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की द्विपक्षीय वार्ता के तौर-तरीकों की निंदा करते हुए देश की क्षेत्रीय अखंडता से समझौता करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने सीमा सुरक्षा, गलवान के बाद दिए गए बयानों, लद्दाख-अरुणाचल में रणनीतिक नुकसान और 112 अरब डॉलर के रिकॉर्ड व्यापार घाटे को लेकर प्रधानमंत्री से चार सवाल पूछते हुए स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव (संचार) एवं सांसद जयराम रमेश ने रविवार को जारी आधिकारिक वक्तव्य में कहा कि चीन के साथ भारत के संबंधों का सामान्य होना अलग बात है लेकिन सरकार की ओर से जो देखने को मिला है वह सोच-समझकर किया गया -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिक्स समिट में पीएम मोदी का सख्त संदेश

दुनिया बदली तो नियम भी बदलने होंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स 2026 के मंच से दुनिया को एक स्पष्ट संदेश दिया है कि ग्लोबल साउथ अब केवल बनाए गए वैश्विक नियमों का पालन करने वाला *रुल ट्रैकर* नहीं रहेगा, बल्कि विश्व व्यवस्था के नियम और प्राथमिकताएं तय करने में *रुल मेकर* की भूमिका निभाएगा। दिल्ली में आयोजित बहुपक्षीय कार्यक्रम के दूसरे दिन पीएम मोदी ने ब्रिक्स की बढ़ती ताकत, आकर्षण और अभूतपूर्व वैश्विक भरोसे को रेखांकित करते हुए समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करने पर जोर दिया। ब्रिक्स सत्र की अध्यक्षता करते हुए पीएम मोदी ने नए सदस्यों और भागीदारों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग महाद्वीपों, संस्कृतियों और विकास की अलग-अलग यात्राओं वाले देश एक मंच पर आ रहे हैं। यह ब्रिक्स की बढ़ती ताकत, उसके आकर्षण और उस पर लोगों के बढ़ते भरोसे का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान चार प्रमुख स्तंभों लचीलापन, इनोवेशन, सहयोग और सस्टेनेबीलिटि पर विशेष ध्यान दिया गया है। सदस्य देशों के सहयोग और समर्थन से साझा सोच को ऐसे सहयोग में बदला गया है, जिसमें सभी पक्षों का लाभ हो। पीएम मोदी ने दुनिया में लगातार बढ़ रहे तनाव और उससे आम लोगों पर पड़ रहे व्यापक प्रभाव को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि महामारी, जलवायु आपदाओं और सप्लाइ चेन में रुकावटों ने साबित किया है कि -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में बांग्लादेश सीमा पर स्मार्ट बॉर्डर परियोजना का अध्ययन शुरू

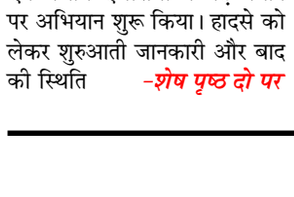

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा को अभेद्य बनाने के उद्देश्य से बांग्लादेश से लगी सीमा को *स्मार्ट बॉर्डर* में तब्दील करने पर प्रारंभिक अध्ययन सेपाहीजाला जिले में शुरू हो गया। यह कदम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जून में त्रिपुरा दौरे के बाद उठाया गया है। शाह ने उस दौरान कहा था कि स्थानीय प्रशासन, प्रौद्योगिकी और सुरक्षाकर्मियों की प्रतिबद्धता के समन्वय से स्मार्ट बॉर्डर विकसित किए जाएंगे। साहा ने पश्चिमी त्रिपुरा स्थित बीएसएफ के त्रिपुरा फ्रंटियर मुख्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान पत्रकारों से कहा कि सेपाहीजाला जिले में सीमा को स्मार्ट बॉर्डर में तब्दील करने पर प्रारंभिक अध्ययन शुरू हो गया है। इस जिले की बांग्लादेश के साथ 100 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा लगती है। -शेष पृष्ठ दो पर

इंडोनेशिया के समंदर में 243 यात्रियों से भरा जहाज पलटा, छह की मौत व 130 अब भी लापता

जाकार्ता। इंडोनेशिया के जावा सागर में रविवार तड़के एक यात्री जहाज से संपर्क टूटने के बाद बड़ा समुद्री हादसा सामने आया है। व्रिगो ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यात्री पोत खराब मौसम के बीच हादसे का शिकार हो गया। देश की राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी के मुताबिक, हादसे में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई, 130 लोग अब भी लापता हैं, जबकि 107 यात्रियों को बचा लिया गया है। जानकारी के मुताबिक, जहाज में कुल 243 लोग सवार थे। रविवार सुबह करीब 2 बजे स्थानीय समय पर खराब मौसम का सामना करने के बाद जहाज से संपर्क टूट गया। यह पोत शनिवार को पूर्वी जावा प्रांत के सुराबाया से रवाना हुआ था और दक्षिण कालीमंतन प्रांत के बंजरमासिन की ओर जा रहा था। संपर्क टूटने के बाद इंडोनेशियाई खोज एवं बचाव एजेंसियों ने बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया। हादसे को लेकर शुरुआती जानकारी और बाद की स्थिति -शेष पृष्ठ दो पर

चिनामारा रेलवे फ्लाईओवर से जोरहाट में यातायात होगा सुगम : सीएम शर्मा

जोरहाट (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को जोरहाट के चिनामारा में नवनिर्मित रेलवे फ्लाईओवर को क्षेत्र की यातायात व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इस फ्लाईओवर के शुरू होने से लंबे समय से चली आ रही यातायात जाम की समस्या काफी हद तक कम होगी और रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर वाहनों को लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। आज इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री ने एक भव्य समारोह में किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई सुविधा से जोरहाट और मरियानी तथा तिताबर जैसे उपमंडल मुख्यालयों के बीच आवागमन तेज और सुविधाजनक होगा। इसके अलावा जोरहाट शहर के प्रमुख शिक्षण संस्थानों, स्वास्थ्य केंद्रों, बाजारों और अन्य आवश्यक सेवाओं तक लोगों की पहुंच भी आसान होगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पड़ोसी राज्य नगालैंड के साथ जोरहाट के व्यापारिक संबंधों और यातायात -शेष पृष्ठ दो पर

असम के पूर्व मंत्री सिद्दीक अहमद का निधन

सिलचर। असम के पूर्व मंत्री सिद्दीक अहमद का लंबे समय तक कैंसर से जूझने के बाद रविवार को निधन हो गया। वह 63 वर्ष के थे। उनके निजी सचिव एस. अहमद ने बताया कि सिद्दीक अहमद ने श्रीभूमि जिले के बारोइग्राम स्थित अपने आवास पर सुबह करीब आठ बजे अंतिम सांस ली। उनके परिवार में पत्नी अनीमा बेगम, तीन बेटे और एक बेटी हैं। दक्षिण करीमगंज से चार बार कांग्रेस विधायक रहे अहमद लंबे समय से उपचार करा -शेष पृष्ठ दो पर

असम में 45 फीट ऊंची गणपति की मूर्ति मशहूर गायक जुबीन गर्ग को समर्पित

गुवाहाटी। पूरे देश में गणेश चतुर्थी की तैयारियां जोरों पर हैं, और गुवाहाटी भी इस त्योहार को बड़े उत्साह के साथ मनाने की तैयारी कर रहा है। असम की राजधानी गुवाहाटी के फाटासिल आमबारी इलाके में भगवान गणेश की 45 फीट ऊंची इको-फ्रेंडली मूर्ति लगाई गई है। इसे पूर्वोत्तर भारत में भगवान गणेश की सबसे ऊंची मूर्ति माना जा रहा है और इस साल यह भक्तों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बन सकती है। फाटासिल आमबारी इलाके के डॉ. बीआर अंबेडकर यूथ क्लब और तेलुगु एसोसिएशन ने मिलकर इस साल गणेश चतुर्थी का -शेष पृष्ठ दो पर

2029 से पहले भाजपा शासित राज्यों में लागू होगा यूसीसी : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्र की भाजपा सरकार के बाद अब भाजपा शासित राज्यों में भी समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी को लेकर बड़ा कदम उठाने की तैयारी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संकेत दिया है कि 2029 से पहले भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी लागू किया जाएगा। इसके साथ ही भाजपा ने पीएम मोदी के जन्मदिन को बड़े सेवा अभियान से जोड़ने की योजना बनाई है। यानी एक तरफ यूसीसी को लेकर राज्यों में आगे बढ़ने की तैयारी है तो दूसरी तरफ मोदी के जन्मदिन से देशभर में एक महीने तक सेवा गतिविधियां चलाने की तैयारी है। 17 सितंबर को पीएम मोदी का जन्मदिन है। इस मौके पर भाजपा, उसके सहयोगी दल, पूरा एनडीए कुनबा, कई स्वयंसेवी संगठन और देश की जनता मिलकर 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक देशभर में *सेवा संकल्प अभियान* चलाएंगे। अमित शाह ने बताया कि इस अभियान को केवल भाजपा के कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखा जाएगा। इसमें सहयोगी दलों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम लोगों की भी भागीदारी होगी। अभियान के जरिए सेवा को केंद्र में रखकर देशभर में लोगों तक पहुंचने की योजना है। पहले गुजरात में -शेष पृष्ठ दो पर

शुभेंदु सरकार की बड़ी कार्रवाई

पश्चिम बंगाल में 252 मदरसों को बंद करने का आदेश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्यभर में किए गए सर्वेक्षण के बाद 252 मदरसों को बंद करने का आदेश दिया है। वहीं, करीब 100 अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, इन संस्थानों में जरूरी मंजूरी और बुनियादी ढांचे की कमी पाई गई है। अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग के मंत्री क्षुदिराम टुडू ने कहा कि जिन मदरसों के पास जरूरी मंजूरियां हैं, वे चलते रहेंगे। उन्होंने बताया कि विभाग ने जून की शुरुआत से राज्य के सभी जिलों में सरकारी और निजी मदरसों का क्षेत्रीय स्तर पर सर्वेक्षण कराया था। सर्वेक्षण में मदरसों के बुनियादी ढांचे, मंजूरी की स्थिति और प्रबंधन व्यवस्था का आकलन किया गया। अधिकारियों ने बताया कि करीब 100 मदरसों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। उनके जवाबों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। टुडू ने बताया कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निर्देश पर यह प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य अलग-अलग जिलों में अधिकृत -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

विपरीत धाराओं के मिलन का मौका बनी भारत की अध्यक्षता में हुई ब्रिक्स शिखर बैठक

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत की अगुवाई में 18 वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन दुनिया में चल रहे तमाम टकरावों के परस्पर विरोधी पक्षों के बीच संवाद और कूटनीति की राह चुनने का मौका ले कर आया। भारत की राजधानी नई दिल्ली में 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पश्चिम एशिया में संघर्षरत ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अलावा चीन और फिलीपींस तथा मिस्र और इथियोपिया के शीर्ष नेतृत्व मौजूद थे। पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच ब्रिक्स सम्मेलन के इतर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अबूधाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच कल रात हुई मुलाकात को वैश्विक स्तर पर बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर इस द्विपक्षीय मुलाकात की पुष्टि की। पश्चिम एशिया संघर्ष भड़कने के बाद दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच यह पहली बैठक थी। इसके अलावा चीन, फिलीपींस, मिस्र और इथियोपिया के नेताओं के बीच अनौपचारिक बातचीत हुई। उल्लेखनीय है कि ईरान के राष्ट्रपति और आबू धाबी के क्राउन प्रिंस के बीच यह बैठक उन खबरों के बीच हुई है जब ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से पारगमन के मुद्दे पर खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के सदस्य देशों और इराक के साथ चर्चा की योजना बना रहा है। दोनों देशों के बीच तनाव का मुख्य कारण फारस की खाड़ी में स्थित तीन रणनीतिक द्वीपों- अबू मूसा, ग्रेटर तुंब और लेसर तुंब पर संप्रभुता का दशकों पुराना विवाद रहा है। इसके अलावा, इजराइल के साथ यूएई के रिश्तों के सामान्यीकरण (अब्राहम समझौता) और यमन के गृहयुद्ध में परस्पर विरोधी गुटों का समर्थन करने को लेकर भी दोनों के बीच क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। इस मुलाकात से आशा बंधी है कि होरमुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी में शांति और मालवाहक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही का रास्ता खुलेगा। कूटनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भारत की कूटनीतिक शैली की सबसे बड़ी ताकत उसकी *बहु-संलग्नता* (मल्टि एलाइनमेंट) की नीति बनकर उभरी है। रणनीतिक रूप से विरोधी देशों को एक ही मंच पर लाना और उनके बीच संवाद का अनुकूल वातावरण तैयार करना भारतीय विदेश नीति की प्रमुख पहचान बन चुका है। नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भी यही स्थिति देखने को मिली, जहां परस्पर विरोधी हित और तीव्र क्षेत्रीय तनाव वाले कई देशों के शीर्ष नेता एक ही मेज पर आमने-सामने आए। यह पहली बार नहीं है जब भारत ने वैश्विक तनाव के बीच ऐसा कूटनीतिक मंच तैयार किया हो। इससे पूर्व मार्च 2023 में त्न20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान भी भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध के तीखे वैश्विक तनाव के बावजूद अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव को एक ही छत के नीचे लाकर अपनी कूटनीतिक तटस्थता और रणनीतिक संतुलन का लोहा मनवाया था। दक्षिण चीन सागर में जारी क्षेत्रीय तनाव के बीच चीन और फिलीपींस के शीर्ष नेतृत्व की ब्रिक्स मंच पर सह-उपस्थिति ने भी अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्यान खींचा। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में फिलीपींस का प्रतिनिधित्व राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने किया, जिनके साथ विदेश सचिव मारिया थेरेसा पी. लाजारो सहित एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत पहुंचा। फिलीपींस ब्रिक्स का स्थाई सदस्य नहीं है, बल्कि उसने *आउटरीच देश* के रूप में और आसियान के अध्यक्ष के तौर पर सम्मेलन में शिरकत की। चीन और फिलीपींस के बीच मुख्य विवाद *सेकंड थॉमस शोल* और *स्कारबोरो शोल* जैसे जल क्षेत्रों पर संप्रभुता को लेकर है। चीन अपने *नाइन-डैश लाइन* मानचित्र के आधार पर लगभग संपूर्ण दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है, जबकि फिलीपींस 2016 के अंतर्राष्ट्रीय पंचाट के फैसले का हवाला देकर चीन के इस दावे को खारिज करता आया है। इसी तरह अफ्रीका के दो प्रमुख राष्ट्रों-मिस्र और इथियोपिया के बीच नील नदी के जल बंटवारे पर चल रहे विवाद के बावजूद दोनों देशों के शीर्ष प्रमुखों ने दिल्ली सम्मेलन में हिस्सा लिया।

टीएमसी के नाम और सिंबल पर जंग तेज...

चुनाव आयोग ने ममता गुट से फिर मांगे दस्तावेज

कोलकाता। चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को फिर समन भेजा है। शनिवार, 12 सितंबर को तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों का नई दिल्ली में नेशनल इलेक्शन कमीशन के सामने आमना-सामना हुआ। उन्होंने जरूरी डॉक्यूमेंट्स भी जमा किए थे। फिर इलेक्शन कमीशन ने ममता बनर्जी की तृणमूल को समन भेजा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को 16 सितंबर को दोपहर 3 बजे समन भेजा गया है। अगर जरूरी हुआ तो 17 सितंबर को एक और हियरिंग हो सकती है। तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी को इलेक्शन कमीशन से पहले ही एक ईमेल मिल चुका है। ममता बनर्जी को एक लेटर भेजा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ममता बनर्जी के कैंप को कई डॉक्यूमेंट्स जमा करने होंगे। इसीलिए समन जारी किया गया। सूत्रों के मुताबिक, कल सुनवाई में ममता समर्थक तृणमूल ने जो डॉक्यूमेंट्स कमीशन को जमा किए थे, वे ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को डिटेल में दिए गए हैं। इसे देखते हुए, उन्हें अपना लिखित जवाब 16 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक जमा करना होगा। यह बात इलेक्शन कमीशन ने कही। ध्यान देने वाली बात यह है कि उस दिन, यानी 16 सितंबर को रेजिनगर और नंदीग्राम उपचुनाव के लिए नॉमिनेशन फाइल करने की आखिरी तारीख है। यह सुनवाई 17 तारीख को शाम 4 बजे नेशनल इलेक्शन कमीशन के अशोक रोड ऑफिस में हो सकती है। वहां ममता बनर्जी की तृणमूल को बुलाया जा सकता है। वैसे, विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद तृणमूल कांग्रेस दो हिस्सों में बंट गई है। ऋतब्रत बनर्जी की लीडरशिप में 65 एमएलए अलग-अलग खेमे बना चुके हैं। जैसे शिवसेना के टूटने पर असली शिवसेना कौन है, इस पर लड़ाई हुई थी, वैसे ही तृणमूल कांग्रेस का भी यही हश्र हुआ है।

प्रेमी ने की प्रेमिका की हत्या, गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया इलाके में एक युवक द्वारा अपनी प्रेमी की बड़ी ही बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। प्रेमी अभिजीत किंदू ने अपनी प्रेमीका माला नी की बड़ी बेडरहमी से हत्या कर खुद भी आत्महत्या करने की कोशिश की। मृत युवती शोणितपुर जिले की रहने वाली बताई गई है। घटना रंगिया स्टेशन के अतिथि होटल में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने अभिजीत को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर हत्या की गुत्थी को सुलझाने में जुटी हुई है।

नदी में डूबा वृद्ध व्यक्ति, तलाश जारी

लखीमपुर (हिंस)। नदी के तेज बहाव में एक वृद्ध व्यक्ति के बह जाने के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। घटना लखीमपुर जिले के ढकुआखाना की है। जापान दास नामक वृद्ध व्यक्ति चारीकड़िया नदी तैर कर दूसरे किनारे पर पशुओं को बांधने गया था। इसी दौरान वह नदी के तेज में बह गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस, एसडीआरएफ की टीम स्थानीय लोगों की मदद से नदी में बह गए वृद्ध व्यक्ति की तलाश कर रही है। अंतिम सूचना मिलने तक वृद्ध व्यक्ति का पता नहीं चल पाया था।

मणिपुर में फिर हिंसा : गोलीबारी में महिला की मौत, पति-बेटा घायल

इंफाल। मणिपुर के तामेंगलोंग जिले के टोलेन गांव में रविवार सुबह करीब चार बजे हथियारबंद लोगों ने एक घर पर गोलीबारी कर दी। हमले में कुकी महिला ल्हिंगजांगई सिंगसिट की मौत हो गई, जबकि उसके पति और बेटे घायल हो गए। पति का इलाज चल रहा है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, परिवार के तीन बच्चे घटना के बाद कुछ समय तक लापता थे, जिन्हें बाद में खोज लिया गया। स्थानीय लोगों ने हमले में एनएससीएन-आईएम से जुड़े कैडर और नगा विलेज गार्ड्स के शामिल होने का आरोप लगाया है। हालांकि किसी सशस्त्र संगठन की ओर से तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली गई है। दूसरी ओर सेना ने संयुक्त ऑपरेशन में नौ उग्रवादियों को गिरस्तार किया है। जबकि नाकेबंदी के चलते हजारों ट्रक फंस गए हैं। घटना ऐसे दिन हुई, जब कुकी समुदाय 13 सितंबर को *सहनित नी* या *कुकी ब्लैक डे* के रूप में मनाता है। यह दिन 13 सितंबर 1993 के जौपी नरसंहार के पीड़ितों की याद में मनाया जाता है। उस समय तामेंगलोंग और तत्कालीन सेनापति जिले के कुछ हिस्सों में बड़ी संख्या में कुकी नागरिक मारे गए थे। इस घटना में कुकी संगठनों ने एनएससीएन-आईएम के कैडरों की भूमिका का आरोप लगाया था। टोलेन तामेंगलोंग पश्चिम के तौसेम इलाके में स्थित दूरदराज का गांव है। क्षेत्र में सड़क संपर्क कमजोर होने के कारण गोलीबारी के बाद घायलों को इलाज के लिए ले जाना भी चुनौतीपूर्ण रहा। ताजा वारदात के बाद इलाके में फिर तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। तामेंगलोंग और इंफाल-तामेंगलोंग मार्ग के आसपास पहले भी छिटपुट गोलीबारी और झड़पें होती रही हैं। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग अभियानों में नौ संदिग्ध उग्रवादी कैडरों को गिरफ्तार किया है। संयुक्त अभियान के दौरान हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए गए। सुरक्षा एजेंसियां गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क और हाल की हिंसक घटनाओं से संभावित संबंधों की जांच कर रही हैं।

महेश्वर नेउग की पुण्यतिथि पर सीएम ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को प्रख्यात शिक्षाविद, साहित्यकार और शोधकर्ता डॉ. महेश्वर नेउग की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से डॉ. नेउग के असमिया भाषा, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन एवं शोध के क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि डॉ. नेउग के असाधारण शोध कार्य, दूरदर्शी चिंतन और अमूल्य साहित्यिक योगदान ने असमिया समाज की बौद्धिक एवं सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्रीने कहा कि डॉ. महेश्वर नेउग के आदर्श और उनके कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे।

टूटने की कगार पर है यूके! स्कॉटलैंड से नॉर्दर्न आयरलैंड तक आजादी की मांग तेज

नई दिल्ली। क्या यूनाइटेड किंगडम (यूके) के सामने एक बार फिर बिखरने का खतरा मंडरा रहा है? स्कॉटलैंड, वेल्स और नॉर्दर्न आयरलैंड के नेता अधिक स्वायत्तता और स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह कराने के अधिकार के लिए साथ आने की तैयारी कर रहे हैं। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, तीनों देशों के नेता वेल्स की राजधानी कार्डिफ में एक ऐतिहासिक बैठक करने वाले हैं। माना जा रहा है कि बैठक में तीनों नेता एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इसमें अपने संवैधानिक भविष्य का फैसला करने और स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह कराने के अधिकार का समर्थन किया जाएगा। यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब लंदन में सत्ता के विकेंद्रीकरण और यूके के भविष्य को लेकर राजनीतिक बहस तेज है। यूके के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने हाल ही में संसद में कहा था कि अगर इसके पक्ष में स्पष्ट जनसमर्थन होता है तो वह स्कॉटलैंड में एक और स्वतंत्रता जनमत संग्रह को मंजूरी देने के लिए तैयार हैं। उनके इस बयान के बाद स्कॉटलैंड की आजादी का मुद्दा फिर चर्चा के केंद्र में आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आयरलैंड के एकीकरण को लेकर दिए गए बयान ने भी इस बहस को और हवा दी है। शनिवार को डबलिन दौरे के दौरान ट्रंप ने कहा कि वह एक एकीकृत आयरलैंड देखना पसंद करेंगे। उन्होंने उत्तरी आयरलैंड के आयरलैंड गणराज्य में शामिल होने को बड़ी बात बताते हुए सवाल किया कि इसमें बुराई क्या है? ट्रंप के बयान से यूके सरकार पर दबाव और बढ़ गया है। वहीं, राष्ट्रवादी पार्टियां अपने-अपने क्षेत्रों के संवैधानिक भविष्य को लेकर ज्यादा अधिकार की मांग तेज कर रही हैं। प्रधानमंत्री बर्नहैम ने इंग्लैंड में सत्ता के विकेंद्रीकरण को अपने राजनीतिक एजेंडे का अहम हिस्सा बनाया है। वहीं, स्कॉटलैंड के फर्स्ट मिनिस्टर और एसएनपी नेता जॉन स्विनी ने मौजूदा हालात को यूके के लिए गंभीर राजनीतिक बदलाव बताया है। उनका दावा है कि बर्नहैम को इस संभावना का सामना करना पड़ रहा है कि इतिहास उन्हें यूके के आखिरी प्रधानमंत्री के रूप में याद करे।

पृष्ठ एक का शेष

नई दिल्ली डिक्लेरेशन साझा ...

से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे फ्रेमवर्क फाइल्स से आगे बढ़कर वास्तविक जीवन में प्रभाव पैदा करें, इसके लिए हम सब मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स अपने तीसरे दशक में प्रवेश करने जा रहा है। अब दुनिया हमसे केवल विचार और प्रतिबद्धता नहीं, कंक्रीट परिणाम की अपेक्षा करती है। मुझे विश्वास है कि हम साझा प्रयासों से इन अपेक्षाओं पर जरूर खरे उतरेंगे। इस मौके पर पीएम मोदी ने ब्रिक्स के अगले होस्ट के तौर पर चीन को एक बार फिर बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली समिट को सफल बनाने के लिए मैं आप सभी का और आप सबकी टीम्स का विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। आप सभी की सुखद और सुरक्षित यात्रा की कामना करता हूं। आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद।

यूक्रेन पर ट्रंप फेल...

काबिलियत है। पिछले कुछ सालों में, भारत, जो अपनी एनर्जी जरूरतों के लिए रूस से मिलने वाले डिस्काउंटेड तेल पर बहुत ज्यादा निर्भर है, ने 2022 में मॉस्को के यूक्रेन पर हमला करने के बाद से पुतिन से ऐसी ही कई गुजारिशें की हैं। पिछले महीने, बिश्केक में एससीओ समिट के दौरान अपनी बाइलेटरल मीटिंग के दौरान, मोदी ने पुतिन से *एंडलेस वॉर* से *एंड ऑफ वॉर* की ओर बढ़ने की अपील की थी। प्रधानमंत्री ने रूसी राष्ट्रपति से कहा कि युद्ध में बिताया गया हर दिन इंसानियत को पीछे धकेलता है। 2022 में, पीएम मोदी ने एससीओ समिट के दौरान पुतिन से सबके सामने कहा था कि आज का जमाना जंग का जमाना नहीं है। शुक्रवार को, द्विपक्षीय बातचीत के एक और राउंड के दौरान, मोदी ने पुतिन से कहा कि *बातचीत और डिप्लोमेसी* ही *झगड़ों को सुलझाने का आगे का रास्ता* है और भारत शांति की कोशिशों में मदद के लिए तैयार है। पहले, क्रेमलिन ने कहा था कि यूक्रेन पर भारत का नजरिया मोटे तौर पर रूस के नजरिए से मिलता-जुलता है। क्रेमलिन ने पहले कहा था कि हम भारत का नजरिया जानते हैं, और काफी हद तक... यह हमारे अपने नजरिए से मिलता-जुलता है, क्योंकि हम यूक्रेनी झगड़े का हल शांतिपूर्ण तरीकों से चाहते हैं और रूस इस प्रोसेस के लिए तैयार है। इस बीच, युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन और यूक्रेन के जेलेंस्की के बीच पहली आमने-सामने की मीटिंग इस साल दिसंबर की शुरुआत में त्न20 समिट के दौरान हो सकती है। जेलेंस्की ने कहा है कि अगर पुतिन समिट में शामिल होते हैं तो वह मियामी जाने के लिए तैयार हैं। कुछ ही दिन पहले, ट्रंप ने पुतिन से फोन पर बात की थी, और यूक्रेन में लड़ाई को जल्द खत्म करने की अपील की थी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा था कि इससे अमेरिका-रूस रिश्ते पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे। यह बातचीत अमेरिका के राजदूतों स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर (जो ट्रंप के दामाद भी हैं) के मॉस्को और कीव के वीकेंड दौरे के बाद हुई थी, ताकि लड़ाई को खत्म करने का कोई रास्ता निकाला जा सके, जो अब लगभग पांच साल से चल रही है। हालांकि, इस डिप्लोमेसी से कोई खास नतीजा नहीं निकला।

यूएन महासचिव ने बहुध्रुवीय ...

संस्थाओं में संतुलन और समानता लाने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स सम्मेलन की थीम के अनुरूप दुनिया को लचीलापन, नवाचार, सहयोग और टिकाऊ विकास पर आगे बढ़ना होगा। यह समावेशी वैश्विक विकास के लिए जरूरी है। गुटेरेस ने समावेशी वैश्विक विकास के लिए चार प्रमुख बिंदुओं पर जोर दिया। इनमें पहला वित्तीय सुधार है। इसके तहत विकासशील देशों के लिए अधिक वित्तीय संसाधन, ऋण राहत और वैश्विक वित्तीय संस्थाओं में उनकी अधिक भागीदारी की जरूरत है। दूसरा प्रौद्योगिकी है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की खाई कम करने और विकासशील देशों को कंप्यूटिंग क्षमता, डेटा तथा कौशल उपलब्ध कराने पर जोर दिया। तीसरा जलवायु न्याय है। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना, उत्सर्जन कम करना और विकासशील देशों को जलवायु वित्त उपलब्ध कराना शामिल है। चौथा शांति है। इसके तहत गाजा, यूक्रेन, सूडान और अन्य संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून का सम्मान जरूरी है।

ब्रिक्स : असहज दिखे ...

अहम पल था। इससे चीनी राष्ट्रपति के प्रति पीएम मोदी की व्यक्तिगत चिंता झलकती दिखी, खासकर ऐसे समय में जब दोनों देश अपने रिश्तों को नए सिरे से शुरू करने और सीमा विवादों से आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। शी की साफ दिख रही बेचैनी के पीछे क्या वजह हो सकती है, इस पर चीन की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। बाद में, चीनी राष्ट्रपति ने ब्रिक्स देशों के नेताओं के लिए पीएम मोदी द्वारा आयोजित गाला डिनर में हिस्सा नहीं लिया। हालांकि शी ने पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत में हिस्सा लिया, लेकिन डिनर में उनकी गैर-मौजूदगी ने लोगों में उत्सुकता और चर्चा पैदा कर दी। चीन या भारत की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया, लेकिन एक सूत्र ने बताया कि शी थक गए थे और आराम करने के लिए अपने होटल लौट गए थे। चीनी राष्ट्रपति के लिए यह दिन बहुत व्यस्त रहा; वे शनिवार सुबह जल्दी चीन से निकले और दोपहर के आसपास दिल्ली पहुंचे। शिखर सम्मेलन दोपहर 2 बजे के आसपास शुरू हुआ, जिसके बाद उन्होंने पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। व्यस्त कार्यक्रम के कारण उन्हें यात्रा की थकान मिटाने के लिए बहुत कम समय मिला। हालांकि शी का दौरा छोटा था, फिर भी इसने उनके और प्रधानमंत्री मोदी के बीच आपसी मेल-जोल के कई पल दिए। समिट शुरू होने से पहले, पीएम मोदी ने भारत मंडपम में शी का गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं ने तमिलनाडु के रामनाथस्वामी मंदिर के मशहूर 1,212 खंभों वाले कॉरिडोर की तस्वीर के सामने हाथ मिलाया। इसके बाद पीएम मोदी को शी को उस कॉरिडोर की अहमियत और बनावट के बारे में बताते हुए देखा गया। हालांकि यह साफ नहीं है कि बैकग्राउंड के लिए रामनाथस्वामी मंदिर को ही क्यों चुना गया, लेकिन यह ध्यान देने वाली बात है कि तमिलनाडु वही राज्य है जहां पीएम मोदी और शी की पिछली बार भारत में अक्तूबर 2019 में मुलाकात हुई थी। शायद पीएम मोदी ने सोचा होगा कि पुरानी यादें ताजा करने से उनके बीच पहले जैसी दोस्ती और मल्लापुरम समिट के दौरान दिखी गर्मजोशी को फिर से महसूस करने में मदद मिलेगी।

चीनी राष्ट्रपति के साथ पीएम...

आत्मसमर्पण है। उन्होंने सवाल किया कि क्या 19 जून 2020 को चीन को दी गई *क्लीन चिट* ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत की स्थिति को कमजोर नहीं किया। उन्होंने कहा कि लद्दाख और अब अरुणाचल प्रदेश में चीन को क्षेत्रीय बढ़त हासिल करने की अनुमति क्यों दी गई। पूर्वी लद्दाख के बड़े हिस्सों में भारत के पारंपरिक पेट्रोलिंग और मवेशी चराने के अधिकारों को छोड़ दिया गया है। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में चीनी अतिक्रमण, पेट्रोलिंग प्वाइंट्स तक पहुंच खत्म होने और नए गतिरोध की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। इसके अलावा चीन शहरों के नाम बदल रहा है और ब्रह्मपुत्र नदी के ग्रेट बेंड पर 60,000 मेगावाट के मेडोग मेगा-डैम का निर्माण कर पूरे पूर्वोत्तर की जल सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। रमेश ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा रिकॉर्ड 112.6 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जिसने देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को भारी नुकसान पहुंचाया है। देश में महत्वपूर्ण कच्चे माल, मैन्युफैक्चरिंग उपकरणों और इंटरमीडिएट गुड्स के लिए चीन पर निर्भरता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में *मेक इन इंडिया* और *इंपोर्ट फ्रॉम चाइना* एक ही सिक्के के दो पहलू बन चुके हैं और इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार के पास कोई ठोस रोडमैप नहीं है।

दुनिया बदली तो ...

आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में किसी एक क्षेत्र में पैदा हुआ संकट दूसरे हिस्सों को भी प्रभावित करता है। यही वजह है कि ब्रिक्स में संकटों से निपटने की क्षमता और मजबूती बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चुनौतियों की समय रहते पहचान करना, उनके लिए तैयारी करना और जरूरत पड़ने पर तत्काल कदम उठाना बेहद जरूरी है। पीएम मोदी ने ब्रिक्स के भीतर तैयार की जा रही कई पहलों का भी उल्लेख किया। संक्रामक बीमारियों की रोकथाम और उनसे निपटने के लिए ब्रिक्स इंटिग्रेटेड अर्ली वार्निंग सिस्टम पर सहमति बनी है। इसके अलावा आपदा प्रबंधन के लिए अर्ली वार्निंग डेटा इंटिग्रेशन गाइडलाइंस तैयार की गई हैं। ब्रिक्स लॉजीस्टिक्स सप्लाइ चेन कोऑपरेशन फ्रेमवर्क का उद्देश्य सदस्य देशों की सप्लाइ चेन को अधिक भरोसेमंद और मजबूत बनाना है। ब्रिक्स 2026 की भारतीय अध्यक्षता का फोकस चार प्रमुख स्तंभों पर रखा गया है रेजीलेंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन और सस्टेनेबीलिटि। पीएम मोदी के संदेश में इन चारों के पीछे एक बड़ा विजन दिखाई दिया ऐसी वैश्विक व्यवस्था जिसमें विकासशील देशों की आवाज केवल सुनी ही न जाए, बल्कि वैश्विक फैसलों और नियमों के निर्माण में उनकी निर्णायक भूमिका हो। यानी ब्रिक्स को भारत केवल आर्थिक सहयोग के मंच के तौर पर नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में ग्लोबल साउथ की सामूहिक ताकत और आवाज के रूप में भी आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले भारत मंडपम में ब्रिक्स देशों के नेताओं ने फैमिली फोटो के लिए पोज दिया। तस्वीर में पीएम मोदी बीच में खड़े नजर आए, जबकि उनके दोनों ओर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग मौजूद थे।

चिनामारा रेलवे फ्लाईओवर...

संपर्क को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। फ्लाईओवर के चालू होने से स्थानीय लोगों के साथ-साथ क्षेत्र से होकर गुजरने वाले यात्रियों और वाहनों को भी राहत मिलने की उम्मीद है।

असम के पूर्व ...

रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के मंत्रिमंडल में मंत्री रहे अहमद ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के पहले कार्यकाल के दौरान *सरकार को समर्थन* दिया था, लेकिन वह कांग्रेस में बने रहे। इसके बाद विपक्षी दल कांग्रेस ने उन्हें निलंबित कर दिया था और यह निलंबन अब तक जारी है। अहमद के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि उन्होंने हमेशा लोगों के कल्याण को प्राथमिकता दी। शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि हम अलग-अलग राजनीतिक दलों से जुड़े थे, लेकिन हमारा रिश्ता राजनीति से कहीं आगे था। जीवन के कठिन दौर में हम एक-दूसरे के साथ खड़े रहे और मुश्किलों का मिलकर सामना किया। कांग्रेस प्रवक्ता बेदब्रत बोरा ने भी अहमद के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी अब भी उन्हें संगठन का हिस्सा मानती है और उन्हें पूरा सम्मान दिया जाएगा।

असम में 45 फीट ऊंची ...

आयोजन किया है, और इसे मनाने की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। आयोजकों के अनुसार, वे पिछले 40 सालों से गणेश चतुर्थी का आयोजन कर रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि उन्होंने पहले भगवान गणेश की 41 फीट ऊंची मूर्ति बनाई थी और इस साल 45 फीट ऊंची मूर्ति बनाई है, जिसमें प्लास्टिक और सिंथेटिक रंगों का इस्तेमाल नहीं किया गया है। क्लब के सचिव सी. गोविंदा ने बताया कि हमने पहले 41 फीट और 35 फीट ऊंची मूर्तियां लगाई हैं, और इस साल हमारे पास 45 फीट की मूर्ति है। हमारी मुख्य थीम असम के मशहूर कलाकार जुबीन दा (जुबीन गर्ग) को समर्पित है। हम इसे उन्हें समर्पित कर रहे हैं और इस साल उन्हें याद कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि गुवाहाटी और पूरे असम के लोग इसका आनंद लेंगे। तेलुगु एसोसिएशन के सदस्य डीके कामराजू ने तैयारियों के बारे में और जानकारी देते हुए कहा कि हमारा गणेश चतुर्थी कार्यक्रम 7 दिन का आयोजन है। यह 14 से 20 तारीख तक चलेगा। हमने अपने स्थानीय विधायक, सांसद और अन्य मंत्रियों को हमारे साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। गणेश चतुर्थी 10 दिनों तक चलने वाला एक हिंदू त्योहार है जो भगवान गणेश के जन्म का प्रतीक है। इस त्योहार के दौरान घरों और सार्वजनिक जगहों पर गणेश जी की मूर्तियां स्थापित की जाती हैं, पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं, और अंत में मूर्तियों का विसर्जन किया जाता है।

त्रिपुरा में बांग्लादेश सीमा ...

मुझे जानकारी मिली है कि अधिकारियों ने इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए पहले ही निविदा जारी कर दी है। त्रिपुरा की बांग्लादेश के साथ 856 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है, जिसमें करीब 80 प्रतिशत हिस्से पर बाड़ लगाई जा चुकी है। साहा ने कहा कि चूंकि अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी बीएसएफ की है, इसलिए सभी सूचनाएं या घटनाक्रम राज्य सरकार तक नहीं पहुंच पाते। इसी कारण हम कानून प्रवर्तन एजेंसियों और जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दे रहे हैं। जब सूचनाएं हम तक पहुंचेंगी, तब हम चुनौतियों या कमियों का समाधान कर पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब भी कुछ ऐसे हिस्से हैं, जहां नदियों, दुर्गम भौगोलिक स्थिति और सीमा पार से आपत्तियों जैसी अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण बाड़ लगाने का काम नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि हमारे गृह मंत्री (अमित शाह) ने भी पिछले दौरे के दौरान सीमा को अभेद्य बनाने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया था। साहा ने कहा कि एक बार सीमा सुरक्षा मजबूत हो जाने के बाद मानव तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी और कई अन्य समस्याओं में काफी कमी आएगी।

2029 से पहले भाजपा...

और बाद में देशभर में भाजपा पीएम मोदी के जन्मदिन को *सेवा सप्ताह* के रूप में मनाती रही है। यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक चलाया जाता था और कई जगह इसे एक सप्ताह तक भी आयोजित किया जाता था। इस बार अभियान की अवधि बढ़ाकर 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक की गई है। इसके पीछे पीएम मोदी की लंबी राजनीतिक और संगठनात्मक यात्रा को खास तौर पर सामने रखना है। अमित शाह के मुताबिक, 7 अक्तूबर 2026 को नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर लगातार जनसेवा के 25 साल पूरे होंगे। उनका यह सफर अभी जारी है। शाह ने कहा कि देश में बहुत कम ऐसे नेता हैं, जिन्होंने पहले किसी राज्य के मुख्यमंत्री और फिर देश के प्रधानमंत्री के तौर पर लगातार 25 साल तक जनसेवा की है। इसलिए इस साल का सेवा संकल्प अभियान सामान्य जन्मदिन कार्यक्रम से अलग महत्व रखता है। सेवा संकल्प अभियान को पूरे देश में चलाया जाएगा। इसके तहत देश की हर प्रशासनिक इकाई को अभियान से जोड़ने की योजना है। इसमें सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल होंगे। भाजपा और उसके सहयोगी दलों के साथ स्वयंसेवी संगठनों और आम लोगों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। मकसद यह है कि अभियान केवल बड़े शहरों या चुनिंदा इलाकों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचे। अमित शाह ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को हर जिले तक ले जाया जाएगा। इसके साथ ही हर लोकसभा क्षेत्र, हर विधानसभा क्षेत्र और हर पोलिंग बूथ तक पहुंचने की योजना है। यानी अभियान का दायरा राष्ट्रीय स्तर से लेकर स्थानीय स्तर तक रखा गया है। इसके जरिए लोगों से सीधे जुड़ने और सेवा गतिविधियों को ज्यादा से ज्यादा क्षेत्रों तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा। एक तरफ 2029 से पहले भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी लागू करने का संकेत दिया गया है। दूसरी तरफ पीएम मोदी के जन्मदिन से एक महीने तक चलने वाला सेवा संकल्प अभियान संगठन और जनता को जोड़ने की कोशिश के तौर पर सामने आया है। यूसीसी का मुद्दा भाजपा के बड़े राजनीतिक एजेंडे से जुड़ा है, जबकि सेवा अभियान के जरिए पीएम मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को केंद्र में रखा जा रहा है। ऐसे में आने वाले समय में दोनों मुद्दे भाजपा की राजनीतिक और संगठनात्मक गतिविधियों में अहम दिखाई दे सकते हैं।

पश्चिम बंगाल में 252 ...

और अनधिकृत मदरसों की संख्या का पता लगाना था। मंत्री ने कहा कि 252 मदरसों को बंद करने का आदेश दिया गया है, जबकि 100 अन्य को जरूरी मंजूरी और बुनियादी ढांचा नहीं होने के कारण कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। राज्य के पंचायती राज मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि मदरसों को लेकर कई बार विवाद सामने आए हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ मामलों में चरमपंथी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किए गए लोग ऐसे संस्थानों में शिक्षक के रूप में काम करते पाए गए। उन्होंने कहा कि मदरसों के खिलाफ बार-बार शिकायतें मिली हैं। ऐसे मामले सामने आए हैं, जब इन संस्थानों से लोग राष्ट्रविरोधी गतिविधियां कर रहे थे। घोष ने कहा कि कानून के अनुसार और सरकार की अनुमति से चल रहे मदरसे काम करते रहेंगे। लेकिन सरकार मदरसों को मनमाने तरीके से खोलने और परेशानी पैदा करने की अनुमति नहीं देगी। विपक्षी तृणमूल कांग्रेस के विधायक कुणाल घोष ने कहा कि सभी मदरसों को एक ही नजर से नहीं देखा जाना चाहिए।

इंडोनेशिया के समंदर में ...

में अंतर सामने आया है। इंडोनेशिया की खोज एवं बचाव एजेंसी ने पहले बताया था कि जहाज डूब गया है। हालांकि, बाद में इंडोनेशिया के परिवहन मंत्री डुडी पुरवागंधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि हेलीकॉप्टर चालक दल के निरीक्षण के आधार पर जहाज पलटा हुआ है, लेकिन पूरी तरह डूबा नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, हादसे की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं है और इसकी जांच की जा रही है। बचाव एजेंसियों ने जहाज के आखिरी ज्ञात स्थान के आसपास समुद्री क्षेत्र में खोज अभियान तेज कर दिया है। इसके लिए बचावकर्मियों, जहाजों और एक हेलीकॉप्टर को लगाया गया है।अब तक 107 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जबकि 130 लोगों की तलाश जारी है। हादसे में छह लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। बचाव दल यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि बाकी यात्रियों की स्थिति क्या है और वे समुद्र के किस हिस्से में हो सकते हैं। सुराबाया स्थित चीनी महावाणिज्य दूतावास ने शिनहुआ को बताया कि जहाज में कोई चीनी नागरिक सवार नहीं था। दूतावास ने यह जानकारी सुराबाया शहर के संबंधित अधिकारियों से सत्यापन के बाद दी।

जनता के बीच जाकर वोट मांगने का साहस नहीं कांग्रेस में : भाजपा विधायक प्रद्युत बरदलै

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा विधायक तथा नगांव के निवर्तमान कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि अब पार्टी में जनता के बीच जाकर वोट मांगने का साहस नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कांग्रेस नेताओं को होटल और रिजॉर्ट में खुद को सीमित रखना पड़ रहा है। बरदलै ने कांग्रेस की राजनीतिक गतिविधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आम लोगों के बीच जाकर उनका समर्थन मांगने के बजाय पार्टी के नेता बंद कमरों में बैठकें करने तक सीमित हो गए हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस को जनता के रुख का अंदाजा हो चुका है और इसी कारण वह सीधे मतदाताओं के बीच जाने से बच रही है। भाजपा विधायक की यह टिप्पणी असम में नगांव लोकसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने के बीच सामने आई है।

नागालैंड के तुएनसांग में नकली शराब के सेवन से नौ लोगों की मौत हो गई

कोहिमा। नागालैंड के तुएनसांग जिले में पिछले तीन दिनों में कथित तौर पर नकली शराब पीने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई है, जिनमें एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल हैं। इसके चलते राज्य पुलिस ने रेड अलर्ट जारी किया है और लोगों को अनधिकृत स्रोतों से शराब न पीने की सलाह दी है। भारतपर्यटन पैकेज नागालैंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रूपिन शर्मा द्वारा 12 सितंबर को सोशल मीडिया पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, तुएनसांग के सिविल अस्पताल में दो मौतें दर्ज की गईं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शराब का सेवन करने के बाद पीड़ितों में सांस लेने में तकलीफ, धुंधली दृष्टि, गंभीर सिरदर्द, चक्कर आना, मतली और उल्टी जैसे लक्षण विकसित हुए। हालांकि मौतों का सटीक कारण अभी तक

पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मरने वालों में से अधिकांश ने बीमार पड़ने से पहले शराब का सेवन किया था। शराब की प्रकृति का पता लगाने और मौत के सटीक कारण का पता लगाने के लिए वैज्ञानिक और फोरेंसिक जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों ने कथित तौर पर मिलावटी शराब का सेवन करने के बाद सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की और बाद में उनकी मौत हो गई। अपने परामर्श में, डीजीपी शर्मा ने लोगों से, विशेषकर मोन, मोकोकचुंग, तुएनसांग, लोंगलेन्ग, किपहिरे, शमाटोर और नोकलक जिलों में, शराब का सेवन न करने का आग्रह किया। उन्होंने अन्य जिलों के लोगों से भी स्थिति स्पष्ट होने तक शराब से परहेज करने की अपील की। भारतपर्यटन पैकेज बयान में यह भी कहा गया कि अधिकतर मामलों में पोस्टमार्टम नहीं किया गया क्योंकि पुलिस को मौतों के पैटर्न के बारे में पता चलने से पहले ही शवों को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जा चुका था। तुएनसांग पुलिस ने शराब के स्रोत का पता लगाने, यह निर्धारित करने कि क्या यह मिलावटी या नकली थी और मौतों के आसपास की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या कोई व्यक्ति इसके निर्माण, बिक्री या वितरण के लिए जिम्मेदार था। इसी बीच, पुलिस ने तुएनसांग कस्बे और चेंडांग सैडल क्षेत्र में अवैध या अनधिकृत शराब की पहचान करने और उसे जब्त करने के लिए तलाशी और छापेमारी अभियान चलाया। पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों से लगभग 470 बोतलें इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल) और बीयर के डिब्बे जब्त किए गए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर गुवाहाटी में प्रमुख नागरिक सम्मेलन आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), त्रिवेणी भाग, गुवाहाटी महानगर द्वारा संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत रविवार को गुवाहाटी के बोरबारी स्थित दर्शनलय में एक *प्रमुख नागरिक सम्मेलन* का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 250 प्रमुख नागरिकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात कृष्ण गोस्वामी और उनकी टीम द्वारा बोरगीत तथा हेमांग कलिता द्वारा एक एकल देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अरुप बुजरबरुआ ने किया और उत्तर असम प्रांत के संघचालक डॉ. भूपेश चंद्र शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में उद्बोधन दिया। मंच पर गुवाहाटी महानगर के सह संघचालक रुक्म प्रसाद भुइंया भी उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. शर्मा ने आरएसएस के 100 साल की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसे चुनौतियों, सामाजिक परिवर्तनों और महत्वपूर्ण संगठनात्मक उपलब्धियों से भरा सफर बताया। उन्होंने देश के हर गांव तक पहुंचकर भारतीय संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता पैदा करने में संघ के प्रयासों और राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका का उल्लेख किया। मुख्य वक्ता ने आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन और उनके दृष्टिकोण को विस्तार से साझा किया। उन्होंने ब्रिटिश काल की परिस्थितियों का जिक्र करते हुए समाज में व्याप्त विखंडन को दूर करने और लोगों को एकजुट करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिसके परिणामस्वरूप 1925 में आरएसएस की स्थापना हुई। इसके अलावा, उन्होंने महात्मा गांधी की हत्या के बाद संघ पर लगे प्रतिबंध और 1975 के आपातकाल जैसी कठिन परिस्थितियों का भी उल्लेख किया।

नगांव उपचुनाव में भाजपा का दावा देवाशीष शर्मा बनेंगे सांसद : पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने रविवार को नगांव लोकसभा उपचुनाव को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि इस बार नगांव के सांसद भाजपा उम्मीदवार देवाशीष शर्मा होंगे। उन्होंने कहा कि भले ही नगांव को भाजपा का पारंपरिक रूप से मजबूत संसदीय क्षेत्र नहीं माना जाता, लेकिन पार्टी को क्षेत्र की जनता से व्यापक समर्थन मिल रहा है। हजारिका ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उपचुनाव के लिए उम्मीदवार के चयन को लेकर पार्टी के भीतर खींचतान जारी है। उन्होंने दावा किया कि टिकट को लेकर शिवामणि बोरा और दुर्लभ सुमुआ के बीच मुकाबला चल रहा है। इस बीच, उपचुनाव से पहले नगांव में कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। सामागुड़ी के रूपही में रविवार को एक हजार से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। पीयूष हजारिका और प्रद्युत बरदलै की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में इन कार्यकर्ताओं ने भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। यह घटनाक्रम सामागुड़ी में कांग्रेस के लिए लगातार बढ़ती मुश्किलों के बीच सामने आया है। रकीबुल हुसैन के करीबी माने जाने वाले अब्दुल मालेक और ओसमान अली के कांग्रेस छोड़ने के बाद पार्टी में और भी टूट की स्थिति बनी है। भाजपा में

शामिल होने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि वे कथित तौर पर हुसैन पिता-पुत्र की राजनीति और परिवारवाद से परेशान थे। अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े इन कार्यकर्ताओं ने कहा कि इसी असंतोष के कारण उन्होंने सामूहिक रूप से कांग्रेस छोड़कर भाजपा का रुख किया है। कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि आने वाले समय में सामागुड़ी में कांग्रेस का झंडा थामने वाला कोई नहीं बचेगा। वहीं, भाजपा में शामिल हुए अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने उम्मीद जताई कि भाजपा के नेतृत्व में क्षेत्र में विकास को नई गति मिलेगी।

मणिपुर के मुख्य सचिव ने चुराचंदपुर में विकास योजनाओं और राहत उपायों की समीक्षा की

इंफाल। मणिपुर के मुख्य सचिव राजीव सिंह ठाकुर ने शनिवार को चुराचंदपुर जिले में विभिन्न सरकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की समीक्षा की, जिसमें स्वास्थ्य सेवा, आजीविका संवर्धन, पुनर्वास और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) के लिए राहत उपायों पर विशेष ध्यान दिया गया। दक्षिणएशियाई और प्रवासी यह समीक्षा बैठक उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई थी और इसमें विभिन्न विभागों के सभी जिला स्तरीय अधिकारियों (डीएलओ) ने भाग लिया था। जिला अधिकारियों ने मुख्य सचिव को अपने-अपने विभागों द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की प्रगति, उपलब्धियों और चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। बैठक के बाद, ठाकुर ने चुराचंदपुर में नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की, जिसके बाद उन्होंने बेथलहम में प्री-फैब रिलीफ कैंप और लिंगसिफाई में

लांवा टीडी ब्लॉक रिलीफ कैंप का दौरा किया। दक्षिणएशियाई और प्रवासी उन्होंने विस्थापित लोगों से बातचीत भी की और उनकी शिकायतों और अनुरोधों को सुना तथा उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्य सचिव के राहत शिविरों के दौरे के दौरान, उपायुक्त कृष्ण कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन नियमित रूप से प्रत्येक राहत शिविर में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर रहा है। जिन विस्थापित लोगों को नियमित चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता है, उन्हें संबंधित उप-विभागीय अधिकारी से संपर्क करने की सलाह दी गई ताकि आवश्यक सहायता की व्यवस्था की जा सके। उन्होंने बताया कि सभी राहत शिविरों में आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री-गी हक्शेलगी तेंगबांग (सीएमएचटी) कार्ड के लिए पंजीकरण किया जा चुका है। जिनके पास इनमें से कोई भी कार्ड नहीं है, उन्हें जिला अस्पताल के माध्यम से पंजीकरण कराने के लिए जिला प्रशासन से संपर्क करने की सलाह दी गई है। जिला प्रशासन के अनुसार, चुराचंदपुर में वर्तमान में 19 राहत शिविर चल रहे हैं, जिनमें 5,195 विस्थापित लोग रह रहे हैं और इसके अलावा 10214 गैर-शिविरवासी भी डीबीटी (विविधता आधारित स्वास्थ्य सहायता) प्राप्त कर रहे हैं। विभागीय समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, आजीविका संवर्धन, शिक्षा, ई-गवर्नेंस, पुनर्वास और पुनर्स्थापन, कौशल विकास, अवसंरचना और अन्य क्षेत्रों पर प्रस्तुतियां दी गईं। मुख्य सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि आजीविका और कौशल विकास की पहलों से न केवल विस्थापित व्यक्तियों को बल्कि स्थानीय आबादी को भी लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि विस्थापितों को आजीविका संबंधी विभिन्न गतिविधियों में प्रदान किए जा रहे कौशल प्रशिक्षण को चुराचंदपुर के स्थानीय युवाओं तक विस्तारित किया जाए, जिससे वे रोजगार योग्य कौशल प्राप्त कर सकें और आजीविका के अवसरों तक पहुंच सकें। ठाकुर ने जिले में ई-गवर्नेंस को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने उपायुक्त द्वारा ई-ऑफिस प्रणाली के उपयोग की सराहना करते हुए सभी संबंधित विभागों को इस प्लेटफॉर्म से जुड़ने और पूरी तरह से कागज रहित कार्य प्रणाली की ओर बढ़ने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने जिला स्तरीय अधिकारियों को सरकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने, विभागों के बीच समन्वय को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया कि कल्याण और विकास कार्यक्रमों का लाभ विस्थापित परिवारों और स्थानीय आबादी दोनों तक पहुंचे।

हाथियों के झुंड को सुरक्षित रास्ता देने के लिए वन विभाग ने रुकवाई यात्री ट्रेन

होजाई (हिंस)। लंका वन विभाग ने रविवार तड़के एक बड़े हाथियों के झुंड को सुरक्षित रूप से रेलवे ट्रैक पार कराने के लिए यात्री ट्रेन को कुछ समय के लिए रुकवा दिया। बताया गया है कि हाथियों का झुंड लामडिंग वन क्षेत्र से भोजन की तलाश में पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले के खेरोनी की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक के पास पहुंच गया। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग के कर्मचारियों ने तत्काल सतर्कता बरती और रेलवे अधिकारियों के साथ समन्वय कर यात्री ट्रेन को रोक दिया। इसके बाद हाथियों के पूरे झुंड को सुरक्षित रूप से रेलवे ट्रैक पार कराया गया। वन विभाग की तत्परता से हाथियों और यात्रियों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई तथा संभावित मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति को भी टाल दिया गया।

काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर से कनेक्टिविटी को मिलेगी नई रफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम में 6,950 करोड़ की लागत से विकसित किया जा रहा काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना बुनियादी ढांचे और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बनकर उभर रही है। कालियाबोर-नुमलीगढ़ के बीच एनएच-715 के करीब 86 किलोमीटर हिस्से में प्रस्तावित यह परियोजना सड़क संपर्क को बेहतर बनाने के साथ पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को गति देने की उम्मीद है। परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा करीब 35 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड वन्यजीव कॉरिडोर होगा। इसके जरिए गैंडे, हाथी, बाघ और हिरण जैसे वन्यजीव सड़क यातायात से सुरक्षित रहते हुए आवागमन कर सकेंगे। विशेष रूप से मानसून के दौरान जब बाढ़ के कारण वन्यजीव काजीरंगा से कार्बी आंग्लांग की पहाड़ियों की ओर जाते हैं, तब यह कॉरिडोर उनके पारंपरिक मार्गों को सुरक्षित रखने में मदद करेगा। इससे वाहनों की चपेट में आने से वन्यजीवों की मौत की घटनाओं में भी कमी आने की उम्मीद है। परियोजना पूरी होने के बाद नगांव, काजीरंगा और गोलाघाट के बीच यात्रा समय घटने तथा ऊपरी असम के साथ संपर्क मजबूत होने की संभावना है। इसमें 21 किलोमीटर के ग्रीनफील्ड बाईपास के अलावा मौजूदा राजमार्ग के 30 किलोमीटर हिस्से को दो लेन से चार लेन में बदलने का प्रावधान है। इससे यातायात दबाव कम करने और माल परिवहन को अधिक सुगम बनाने में मदद मिलेगी। बेहतर सड़क संपर्क का सीधा लाभ काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पर्यटन क्षेत्र को मिलने की उम्मीद है। पर्यटकों के लिए आवागमन अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक होने के साथ स्थानीय व्यापार, होटल एवं आतिथ्य, कृषि और परिवहन क्षेत्र में भी नए अवसर पैदा हो सकते हैं। नगांव, कार्बी आंग्लांग और गोलाघाट जिलों की आर्थिक गतिविधियों को भी इससे बढ़ावा मिलने की संभावना है। परियोजना की योजना भारतीय वन्यजीव संस्थान के परामर्श से तैयार की गई है, ताकि इसके पारिस्थितिक प्रभाव को न्यूनतम रखा जा सके। हालांकि, पर्यावरणविदों ने निर्माण के दौरान वन्यजीवों के आवास पर संभावित प्रभाव और शोर को लेकर चिंता जताई है। अधिकारियों का कहना है कि एलिवेटेड डिजाइन आधुनिक बुनियादी ढांचे और वन्यजीव संरक्षण को एक साथ आगे बढ़ाने का देश के सबसे महत्वाकांक्षी प्रयासों में से एक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी वर्ष जनवरी में परियोजना की आधारशिला रखी थी। निर्माण पूरा होने के बाद काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर बुनियादी ढांचे का एक उदाहरण बन सकता है, जहां विकास, पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन को समानांतर रूप से आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया है।

बघेल को असम सरकार पर टिप्पणी करने का नैतिक अधिकार नहीं : असम भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भाजपा ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता भूपेश बघेल द्वारा असम सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को लेकर दिए गए बयान पर तीखा पलटवार किया है। भाजपा ने बघेल की ओर से बाढ़ और बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों पर सरकार को सलाह दिए जाने को हास्यास्पद करार दिया। भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पार्टी प्रवक्ता ब्रोजेन महंत ने आरोप लगाया कि बघेल के नेतृत्व वाली तत्कालीन छत्तीसगढ़ सरकार का कार्यकाल भ्रष्टाचार और कुशासन से जुड़े विभिन्न आरोपों और विवादों से घिरा रहा। उन्होंने कथित शराब घोटाले, महादेव सट्टा ऐप मामले, कोयला लेवी मामले तथा भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का उल्लेख किया। महंत ने कहा कि वर्ष 2018 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने 68 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर भाजपा को सरकार बनाने का अवसर दिया। लोकतंत्र से जुड़े बघेल के आरोपों पर महंत ने 1975 में लगाए गए आपातकाल का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा।

असम वैश्य सम्मिलनी की रंगिया जिला समिति गठित

माधव शहरीया अध्यक्ष और रिंकू माली वैश्य बने महासचिव

रंगिया (विभास)। असम वैश्य सम्मिलनी की रंगिया जिला समिति के गठन के उद्देश्य से रविवार को एक वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया गया। स्थानीय सुंधिया स्थित हरदत्त-वीरदत्त हाई स्कूल प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह अखिल असम वैश्य सम्मिलनी के अध्यक्ष परेश चंद्र वैश्य द्वारा संगठन ध्वज फहराकर किया गया। इसके उपरांत कार्यकारी अध्यक्ष भुवनेश्वर दास ने मुख्य दीप प्रज्वलित किया। ?दिन के सत्र में केंद्रीय समिति के अध्यक्ष परेश चंद्र वैश्य की अध्यक्षता में खुला सत्र (मुकली सभा) एवं विषय-चयन बैठक आयोजित की गई। केंद्रीय समिति के सूचना एवं प्रचार सचिव अमूल्य वैश्य सहित कई वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में संगठन के संगठनात्मक विस्तार, वैश्य समाज के एकत्रीकरण

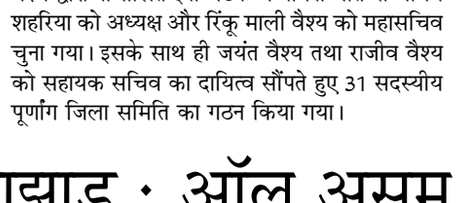

तथा कृषि एवं व्यापार-वाणिज्य के समग्र विकास पर विस्तृत चर्चा की गई। केंद्रीय समिति के महासचिव अजान वैश्य द्वारा संचालित इस बैठक में सर्वसम्मति से माधव शहरिया को अध्यक्ष और रिंकू माली वैश्य को महासचिव चुना गया। इसके साथ ही जयंत वैश्य तथा राजीव वैश्य को सहायक सचिव का दायित्व सौंपते हुए 31 सदस्यीय पूर्णांग जिला समिति का गठन किया गया।

मेघालय : 19 अगस्त को शिलांग में हुई हिंसा के सिलसिले में केएसयू के छठे नेता को गिरफ्तार कर लिया गया

शिलांग। मेघालय पुलिस ने 19 अगस्त को शिलांग में खासी स्टूडेंट्स यूनियन (केएसयू) की बाइक रैली के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में केएसयू के एक और नेता को गिरफ्तार किया है, जिससे इस घटना से जुड़े मामलों में गिरफ्तार किए गए केएसयू नेताओं की संख्या छह हो गई है। मेघालययात्रा दिग्दर्शक यह ताजा गिरफ्तारी शुक्रवार शाम को एनईजीआरआईएचएमएस के पास एक विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी, जो केएसयू शिलांग ईस्ट सर्कल का प्रमुख है, को शनिवार को अदालत में पेश किया गया और 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। यह गिरफ्तारी शनिवार तड़के लाबान पुलिस स्टेशन पर दो पेट्रोल बम फेंके जाने से कुछ ही समय पहले हुई थी। पुलिस ने पेट्रोल बम हमले और गिरफ्तारी के बीच किसी भी तरह के संबंध का संकेत नहीं दिया है। 19 अगस्त की हिंसा के परिणामस्वरूप केएसयू की संगठनात्मक संरचना के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। बाइक रैली के तुरंत बाद केंद्रीय कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष रेमंड खारजाना, उपाध्यक्ष पिन्कमेनलांग सानमीत और महासचिव रूबेन नाजियार को हिरासत में ले लिया गया। केएसयू नोंगमेंसोंग यूनिट के अध्यक्ष जेरेमिया पोथमी, जो केंद्रीय कार्यकारी परिषद के सहायक महासचिव के रूप में भी कार्यरत हैं, को 24 अगस्त को नोंगमेंसोंग के उमकदैत में गिरफ्तार किया गया था। इस जांच के परिणामस्वरूप 3 सितंबर को केएसयू शिलांग मिहंगी सर्कल के महासचिव सैमुअल खरबानी और सहायक महासचिव सेलेस्टाइन रोंगहांग को गिरफ्तार किया गया। बाद में पुलिस द्वारा यह निर्धारित किए जाने के बाद कि रोंगहांग रैली से संबंधित मामलों में शामिल नहीं था, उसे रिहा कर दिया गया। इन दोनों को शुरू में सदर पुलिस स्टेशन में मावकासियांग स्थित सीबीआई परिसर में प्रस्तावित मंदिर निर्माण के विरोध से संबंधित एक मामले के सिलसिले में बुलाया गया था।

आग में घर जलकर राख लाखों का नुकसान

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले के निशानरस गांव में आग लगने की वजह से एक व्यक्ति का पशु घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस ने रविवार को बताया कि जिले के निशानरस.गांव में आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर जब तक पुलिस की टीम पहुंची तब तक रहीम बादशाह नामक व्यक्ति का पशु घर पूरी तरह जल कर राख हो गया। आग की वजह से चार गाय भी झुलस गई। पशुओं के लिए जलाए गए धुएं से आग लगने की आशंका जताई गई है। आग की वजह से लगभग तीन लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है।.पुलिस नुकसान का आंकलन करने में जुटी हुई है।

कोकराझाड़ : ऑल असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन की नई जिला समिति गठित

कोकराझाड़ (विभास)। ऑल असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन (एएबीवाईएसएफ) की कोकराझाड़ जिला समिति के गठन को लेकर शांतिनगर स्थित मौबन भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। संगठन के मूल मंत्र *एकता, शांति और प्रगति* को ध्यान में रखते हुए यह बैठक केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य शिवम चक्रवर्ती के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से फेडरेशन की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष सम्राट भाओवाल और महासचिव बबलू सरकार उपस्थित रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की

मौजूदगी में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, समाज सुधार और युवाओं के उत्थान के लिए सक्रिय रूप से काम करने का संकल्प लिया गया। बैठक में आगामी कार्यकाल के लिए सर्वसम्मति से कोकराझाड़ जिला समिति का गठन किया गया। इसमें प्राण गोपाल राय को अध्यक्ष और अभिजीत देबनाथ को महासचिव चुना गया। नई समिति के गठन के बाद आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नामों की औपचारिक घोषणा की गई।

होजाई व्यवसायी गणपति पूजा समिति करेगी पांच दिवसीय गणेश उत्सव का भव्य आयोजन

होजाई (निसं)। होजाई में गणेश उत्सव को लेकर धूम। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी होजाई व्यवसायी गणपति पूजा आयोजन समिति के सौजन्य से आयोजित गणपति पूजा का आयोजन किया जा रहा है। होजाई व्यवसायी गणपति पूजा आयोजन समिति करेगी पांच दिवसीय गणेश उत्सव का आयोजन। सन 2000 से होजाई शहर के बीचो-बीच नेताजी प्वाइंट के सम्मुख गणेश पूजा का भव्य आयोजन होता आ रहा है। हर साल विभिन्न कार्यक्रमों के साथ उक्त उत्सव आयोजित किया जाता है। इस वर्ष 5 दिवसीय कार्यक्रमों के साथ गणेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ सितंबर 14 को मूर्ति व कलश स्थापना के साथ होगा। धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए समिति के विनोद गुप्ता ने हमारे संवाददाता को बताया की मूर्ति व कलश स्थापना के बाद गणेश चतुर्थी के दिन विधिवत पूजा अर्चना के साथ दोपहर व संध्या में आरती की जाएगी। वही पांच दिवसीय कार्यक्रमों के दौरान नित्य पूजा अर्चना, गणेश पाठ आदि का आयोजन किया जाएगा। पूजा के दौरान महाप्रसाद का भव्य आयोजन किया जाएगा। वही, उन्होंने जानकारी दी कि हर साल की भांति इस बार भी स्वर्गीय विश्वनाथ मोर की स्मृति में चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन सितंबर 6 को हुआ। जिसका पुरस्कार वितरण गणेश पूजा के दौरान किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आयोजन समिति का गठन किया गया है जिसमें अध्यक्ष डॉ. शंकर चक्रवर्ती, उपाध्यक्ष मोहन मोर, सचिव चंदन देवनाथ, कोषाध्यक्ष अरविंद गुप्ता के अलावा कई सदस्यों को समिति में स्थान दिया गया जिसे कार्यक्रम का सफल आयोजन हो सके। समिति के सदस्यों ने सभी धर्म प्रेमियों से अनुरोध किया है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधार कर कार्यक्रम को सफल बनाएं व अक्षय पुण्य के भागी बने।

संपादकीय

नस्लभेदी अमेरिका

यूं तो ट्रंप प्रशासन भारतीयों को नस्लीय आधार पर निशाना बनाने का मौका कभी नहीं छोड़ता, लेकिन हाल ही में अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी यानी डीएचएस द्वारा जारी एक विवादित विज्ञापन ने उसकी संकीर्ण सोच को ही उजागर किया है। हालांकि, अमेरिका के हिंदू, सिख संगठनों और डेमोक्रेट नेताओं द्वारा पुरजोर विरोध करने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया वह विज्ञापन हटा दिया गया, जिसमें 'मिस्टर सिंह' को निशाना बनाया गया था। निश्चित रूप से इस अप्रिय घटना को सिर्फ एक पोस्ट हटाने के बावजूद नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरे अर्थों में यह अमेरिका में भारतीयों को लगातार निशाना बनाने की लगातार की जा रही कोशिशों का ही हिस्सा भर है। दरअसल, अमेरिका में बिना लाइसेंस वाले कमर्शियल ड्राइवरों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत जारी इस विज्ञापन में एआई के जरिये बनाई गई, एक दाढ़ी वाले गेहुंआ रंग के व्यक्ति की तस्वीर का इस्तेमाल किया गया था। इसके साथ अभद्र भाषा के साथ चेतावनी वाला संदेश भी लिखा गया था- 'हमारी सड़कों से हट जाओ, तुम्हें गाड़ी चलाना नहीं आता, मिस्टर सिंह।' उसके बाद धमकी दी गई थी, 'खुद देश छोड़कर चले जाओ या अंजाम भुगतो।' दशकों से पूरी दुनिया की सरकारों को मानवता, धर्मनिरपेक्षता, मौलिक अधिकार, समरसता जैसे भारी-भरकम शब्दों के जरिये अस्थिर करने के प्रयासों में लगा अमेरिका अपनी इस कवायद से बेनकाब होता नजर आया है। स्वाभाविक रूप से इस विज्ञापन के सामने आने के बाद भारतीय-अमेरिकियों और सिख संगठनों के साथ-साथ डेमोक्रेट नेताओं ने भी इस पोस्ट को नस्लवादी और भेदभावपूर्ण बताकर घोर निंदा की है। इसमें दो राय नहीं कि आप्रवासन कानून को लागू करने या खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में कुछ भी गलत नहीं है। असल में, जब लापरवाही या आपराधिक व्यवहार के कारण मौतें होती हैं, तो सरकारों का यह भी कर्तव्य होता है कि वह कार्रवाई करें। लेकिन कानून का पालन व्यक्ति के व्यवहार के आधार पर होना चाहिए न कि उसकी जाति, रूप-रंग, धर्म या उपनाम के आधार पर किया जाए। इसमें दो राय नहीं है कि भारतीय व अन्य प्रवासियों ने अपने खून-पसीने से अमेरिका की समृद्धि को सींचा है। उनकी समृद्धि अथक प्रयासों व कड़ी मेहनत का फल है जो आज गोरे अमेरिकनों को रास नहीं आता। अब तक भारतवंशियों का विरोध अमेरिका में गुपचुप ढंग से होता था, ट्रंप के शासनकाल में वह खुलकर सामने आने लगा है। अमेरिका की एक जिम्मेदार फेडरल एजेंसी डीएचएस जब इस तरह का कृत्य करती है तो यह शर्मनाक ही कहा जाएगा। उसके विज्ञापन में भारत में आदर से लिये जाने वाले 'सिंह' उपनाम का दुर्भावना से प्रयोग किया जाना विशेषकर चिंता की बात है। यह उपनाम सिखों में आम है और कुछ हिंदू भी इसका प्रयोग करते हैं। इस शब्द को गैर-कानूनी आप्रवासन या खतरनाक ड्राइविंग से जोड़ने से एक आम सांस्कृतिक पहचान को एक मजाक में बदले जाने का खतरा पैदा होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि सिख समुदाय को 9/11 के हमलों के बाद लगातार नफरत प्रेरित अपराधों का सामना करना पड़ा था। उनकी पहचान को अज्ञानतावश हमलावरों से जोड़ कर देखा जा रहा था। इस समुदाय के लिये यह दंश झेलना बेहद कष्टकारी रहा है। डीएचएस यह दलील दे सकता है कि इस अभियान का मकसद गंभीर अपराधों के आरोपी विदेशी नागरिकों से जुड़े कुछ खास मामलों को उजागर करना था। यदि ऐसा है तो इन मामलों की जांच होनी चाहिए। साथ ही जहां जरूरी हो, वहां कानूनी कार्रवाई भी करनी चाहिए। लेकिन किसी व्यक्ति विशेष की गलत हरकत को पूरे समुदाय पर शक करने की वजह नहीं बनाया जा सकता। निस्संदेह, सरकारों को लोगों की सुरक्षा को बढ़ावा देना चाहिए और कानूनी तौर पर होने वाले आप्रवासन में मदद करनी चाहिए- न कि पूरे समुदाय का मजाक उड़ाकर बदनाम करना चाहिए। अमेरिका को चाहिए कि वह अपने कानूनों को निष्पक्ष रूप से लागू करे। सभी नागरिकों पर एक ही नियम-कानून लागू होने चाहिए। अब चाहे उनका सरनेम, धर्म, त्वचा का रंग या मूल नागरिकता किसी भी देश की हो।

दशकों से पूरी दुनिया की सरकारों को मानवता, धर्मनिरपेक्षता, मौलिक अधिकार, समरसता जैसे भारी-भरकम शब्दों के जरिये अस्थिर करने के प्रयासों में लगा अमेरिका अपनी इस कवायद से बेनकाब होता नजर आया है। स्वाभाविक रूप से इस विज्ञापन के सामने आने के बाद भारतीय-अमेरिकियों और सिख संगठनों के साथ-साथ डेमोक्रेट नेताओं ने भी इस पोस्ट को नस्लवादी और भेदभावपूर्ण बताकर घोर निंदा की है। इसमें दो राय नहीं कि आप्रवासन कानून को लागू करने या खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में कुछ भी गलत नहीं है। असल में, जब लापरवाही या आपराधिक व्यवहार के कारण मौतें होती हैं, तो सरकारों का यह भी कर्तव्य होता है कि वह कार्रवाई करें। लेकिन कानून का पालन व्यक्ति के व्यवहार के आधार पर होना चाहिए न कि उसकी जाति, रूप-रंग, धर्म या उपनाम के आधार पर किया जाए। इसमें दो राय नहीं है कि भारतीय व अन्य प्रवासियों ने अपने खून-पसीने से अमेरिका की समृद्धि को सींचा है। उनकी समृद्धि अथक प्रयासों व कड़ी मेहनत का फल है जो आज गोरे अमेरिकनों को रास नहीं आता। अब तक भारतवंशियों का विरोध अमेरिका में गुपचुप ढंग से होता था, ट्रंप के शासनकाल में वह खुलकर सामने आने लगा है। अमेरिका की एक जिम्मेदार फेडरल एजेंसी डीएचएस जब इस तरह का कृत्य करती है तो यह शर्मनाक ही कहा जाएगा। उसके विज्ञापन में भारत में आदर से लिये जाने वाले 'सिंह' उपनाम का दुर्भावना से प्रयोग किया जाना विशेषकर चिंता की बात है। यह उपनाम सिखों में आम है और कुछ हिंदू भी इसका प्रयोग करते हैं। इस शब्द को गैर-कानूनी आप्रवासन या खतरनाक ड्राइविंग से जोड़ने से एक आम सांस्कृतिक पहचान को एक मजाक में बदले जाने का खतरा पैदा होता है।

कुछ अलग

संतोष से साधना

एक बार गौतम बुद्ध अपने शिष्यों के साथ पदयात्रा पर निकले। रास्ते में कई गांवों, कस्बों, नगरों आदि में ठहरते रहे और नये-नये अनुभव हासिल करते रहे। एक शाम वे सब बहुत थक गए थे। तथागत ने कहा, 'इस जंगल में रात को रुक जाते हैं।' गर्मी का मौसम है, रात सुहावनी रहेगी। सुबह होगी तो फिर से चल देंगे।' सब थककर चूर थे, अतः सबने सहमति जताई। सुबह हुई तो एक आवाज से सब चौंक गए। एक युवक नीचे गिरे पत्तों को एक बड़े बर्तन में जमा कर रहा था। उस युवक ने जब अपने लिए पत्तियां जमा कर लीं, तो गौतम बुद्ध ने उसके नजदीक जाकर उसके साथ वार्तालाप किया। उस युवक ने वहां पर कुछ पेड़ों की तरफ़ संकेत करके बताया, 'इनकी पत्तियां भोजन और जल की कमी पूरी करती हैं।' युवक के जाने पर शिष्यों ने पूछा, 'तथागत, आपने उस देहाती से इतनी घनिष्ठता से वार्तालाप क्यों किया?' महात्मा बुद्ध ने कहा, 'तुमने देखा, वह कितना संतोषी है।

14 सितंबर हिंदी दिवस पर विशेष

सरल हिंदी की बढ़ती वैश्विक व्यापकता

हिंदी को लेकर अकसर शिकायत रहती है कि यह भाषा सरल नहीं है, इसलिए किशोर एवं युवा वर्ग इससे दूर हो रहा है। जबकि यह सच्चाई नहीं है। देशभर में आजीविका और बोलचाल की भाषा बन जाने के कारण पूरे देश में हिंदी का बोलबाला और सर्व-स्वीकार्यता बढ़ रही है। स्वतंत्रता आंदोलन, हिंदी फिल्में, टीवी सीरियल, विज्ञापन और अब डिजिटल और सोशल मीडिया की प्रमुख भाषा हिंदी ही है। इन माध्यमों पर हिंदी की लोक बोली और भाशाओं का प्रभुत्व निरंतर बढ़ रहा है। 'हनुमान अंश' फिल्म के लोकप्रिय होने का कारण इसके लोकगीत और आंचलिक भाशा ही है। सरकारी काम-काज में हिंदी की उपयोगिता बढ़ाने की दृष्टि से केंद्रीय राजभाशा मंत्रालय ने एक परिपत्र जारी करके हिंदी अनुवाद की जटिलता को दूर करने का काम भी कर दिया है। षासकीय विभागों को निर्देष जारी किए हैं कि वे अपने पत्रों व अपने अभिलेखों में उर्दू, अंग्रेजी, अरबी, फारसी और तुर्की मूल के उन षब्दों का प्रयोग कर सकते हैं, जो लोकप्रिय होने के साथ प्रचलन में हैं। अतएव अनुवादित हिंदी में अब 'लोह पथ गामिनी' और 'द्विचक्र वाहिनी' जैसे दुरुरूह षब्दों की अनिवार्यता खत्म हो गई है। वैसे भी भाषा केवल विचारों को व्यक्त करने का माध्यम नहीं है, वह मनुष्य के अनुभवों, संवेदनाओं, स्मृतियों और सपनों को एक-दूसरे तक पहुँचाने वाला सेतु भी है। कोई भाषा तभी जीवंत और प्रभावशाली बनती है, जब वह अपने समय के मनुष्य से सहज संवाद कर सके। हिंदी के संदर्भ में आज आवश्यकता ऐसी भाषा की है जो न तो अनावश्यक रूप से कठिन हो और न ही अपनी अभिव्यक्ति की गरिमा खोए। वह सरल, सरस, संवेदनशील भी हो और समावेशी भी। इसी दृष्टि से 'सुवारित हिंदी' की संकल्पना महत्वपूर्ण प्रतीत होती है। 'सुवारित' या 'सुवार्तित' को यदि हम व्यापक अर्थ में ग्रहण करें तो इसका आशय ऐसी हिंदी से हो सकता है जो अपने कथ्य को सुंदर, स्पष्ट, सहज और प्रभावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करे। ऐसी हिंदी पाठक पर शब्दों का बोझ नहीं डालती, बल्कि विचार और भाव को उसके मन तक स्वाभाविक रूप से पहुँचाती है। इसमें भाषा का सौंदर्य शब्दों की कठिनता में नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की सजीवता में दिखाई देता है। सरलता का अर्थ भाषा को कमजोर या साधारण बना देना नहीं है। सरल भाषा वह है जिसमें जटिल विचारों को भी सहज ढंग से व्यक्त करने की क्षमता हो। विज्ञान, दर्शन, इतिहास, समाजशास्त्र अथवा साहित्य जैसे गंभीर विषय भी यदि सरल भाषा में प्रस्तुत किए जाएं तो उनका प्रभाव व्यापक हो जाता है। हिंदी की शक्ति उसकी व्यापक जन संस्कृति में है। गांव से लेकर महानगर तक, विद्यार्थी से लेकर सामान्य पाठक तक और साहित्य से लेकर पत्रकारिता तक हिंदी के अनेक रूप दिखाई देते हैं। इसलिए हिंदी को केवल विद्वानों की भाषा न होकर सामान्य जन की अनुभूति और समझ की भाषा है। किसी भी भाशा में एक ही बात को दो प्रकार से कहा जा सकता है। पहला वाक्य वह जो केवल सूचना देता है, जबकि दूसरा वाक्य उसी सूचना में अनुभूति और जीवन को संवेदित चेतना से जोड़ देता है। सरस हिंदी पाठक के मन में दृश्य बनाती है, संवेदना जगाती है और उसे विषय से जोडती है। इसलिए हिंदी की मूल प्रकृति समावेशी है। भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता बहुत व्यापक है। हिंदी अनेक भारतीय भाषाओं से शब्द ग्रहण करती रही है और अपने विकास के क्रम में संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, फारसी, अरबी, तुर्की, अंग्रेजी तथा विभिन्न भारतीय भाषाओं से प्रभावित हुई है। इसलिए हिंदी को किसी एक संकीर्ण भाषाई सीमा में नहीं बांधा जा सकता है। हिंदी के इस समावेशी स्वरूप को सामने लाने का काम भारतेंदु युग में ही आरंभ हो गया था। यद्यपि आरंभ में हिंदी गद्य अपरिमार्जित और अशुद्ध भी था। इस कमी पर महावीर प्रसाद द्विवेदी की दृष्टि गई और उन्होंने अनेक समस्याओं से जूझते हुए भाशा को परिस्कृत करने का काम किया। इस समय हिंदी के कई रूप थे-पूर्वी बोली, ब्रज, अवधी और बुंदेलखंडी द्विवेदी जी ने इसे एकरूप में ढालने का काम 'सरस्वती' पत्रिका के माध्यम से किया। हालांकि हिंदी की खड़ी बोली का स्वरूप दसवीं से चैदहवीं षताब्दी के बीच विकसित होना आरंभ हो गया था, परंतु 19वीं षताब्दी में पहुंचने पर ही आधुनिक मानक हिंदी खड़ी बोली के रूप में स्थापित हो पाई। इसका उपन्यास, कहानी और नाटकों को गद्य रूप देने का काम मुंषी प्रेमचंद, जयषंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और महादेवी वर्मा ने प्रमुख रूप से किया। प्रेमचंद ने अपनी रचनाओं में जीवन को व्यावहारिक यथार्थवाद से जोड़ा। प्रसाद ने अपने उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंधों में भाशा की ऐतिहासिक चेतना को स्थान दिया। निराला ने मजदूर वर्ग की समस्याओं को 'कुकुरमुत्ता' और 'वह तोड़ती पत्थर' जैसी आंदोलित करने वाली षब्द संरचना दी। महादेवी ने अपनी कविताओं में नारी सषक्तिकरण को भावुक व्यंजनाओं के साथ प्रस्तुत किया। महादेवी ने 'असीम' और 'ससीम' संबोधनों के माध्यमों से रहस्यवाद की उस दार्षनिक अवधारणा को अभिव्यक्त किया जो जीवात्मा और परमात्मा के अंतरसंबंधों को दर्षाती है। रीतिकाल और छायावाद को लेकर अक्सर 'संस्कृतनिश्ठ हिंदी' और 'सरल हिंदी' के बीच विवाद खडा कर दिया जाता है। वास्तव में शुद्धता और सरलता एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं। भाषा में व्याकरण, वर्तनी और अर्थ की स्पष्टता आवश्यक है। अतएव इसे आलोचकों का दृष्टिदोष या पूर्वग्रह ही कहा जाएगा कि जिस छायावादी युग का छायावादी साहित्य हिंदी में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है, उसकी आलोचना इसलिए हुई, क्योंकि यही वह साहित्य है, जिसमें इतिहास के पुनर्लेखन के साथ भारतीय ज्ञान-परंपरा की सशक्त अभिव्यक्ति देखने को मिलती है। हिंदी के साहित्यिक लेखन का उद्देश्य केवल साहित्य की प्रवृत्तियों का अनुसरण नहीं होना चाहिए, अपितु भाषाई शब्द व्यंजना और शिल्प को संवाद-संप्रेषणीयता के परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है। संप्रेषणीयता ही रचना की वह शक्ति है, जो भाषा को सुवारित और सहज बनाती है। इसी कारण सोषल मीडिया में यह भाशा भी डिजिटल रूप में खूब स्वीकार की जा रही है। नरेंद्र मोदी देश के ऐसे एकमात्र प्रधानमंत्री हैं, जो हिंदी में एशिया समेत यूरोपीय देशों में बेहिचक भाषण देते हैं। मोदी दक्षेश नेताओं से हिंदी में द्विपक्षीय वार्ताएं करके और संयुक्त राष्ट्र संघ समेत दुनिया के अनेक देशों में हिंदी में दिए उद्बोधनों में तालियां बटोरकर दुनिया को जता चुके हैं कि विश्व में हिंदी को बोलने और समझने वालों की संख्या करोड़ों में है। मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने जिस भाषा में वोट मांगे, उसी भाषा को देश-विदेश में संवाद की भाषा बनाए हुए हैं।

स्वतंत्रता आंदोलन, हिंदी फिल्में, टीवी सीरियल, विज्ञापन और अब डिजिटल और सोशल मीडिया की प्रमुख भाषा हिंदी ही है। इन माध्यमों पर हिंदी की लोक बोली और भाशाओं का प्रभुत्व निरंतर बढ़ रहा है। 'हनुमान अंश' फिल्म के लोकप्रिय होने का कारण इसके लोकगीत और आंचलिक भाशा ही है। सरकारी काम-काज में हिंदी की उपयोगिता बढ़ाने की दृष्टि से केंद्रीय राजभाशा मंत्रालय ने एक परिपत्र जारी करके हिंदी अनुवाद की जटिलता को दूर करने का काम भी कर दिया है। षासकीय विभागों को निर्देष जारी किए हैं कि वे अपने पत्रों व अपने अभिलेखों में उर्दू, अंग्रेजी, अरबी, फारसी और तुर्की मूल के उन षब्दों का प्रयोग कर सकते हैं, जो लोकप्रिय होने के साथ प्रचलन में हैं। अतएव अनुवादित हिंदी में अब 'लोह पथ गामिनी' और 'द्विचक्र वाहिनी' जैसे दुरुरूह षब्दों की अनिवार्यता खत्म हो गई है।

देश दुनीया से

अनसुनी न करें हिमालय की चेतावनियों को

हिमालय लगातार खतरनाक आपदाओं के रूप में एक के बाद एक चेतावनियां दे रहा है—जैसे अचानक बाढ़, हिमस्खलन, ग्लेशियल झील के फटने से आई बाढ़, बादल फटना, भूस्खलन और ज़मीन का बुरी तरह धंसना। हमने केदारनाथ, धौलीगंगा, जोशीमठ, सिक्किम और अब नेपाल में इन्हें होते देखा है, अपने पीछे भारी तबाही छोड़ते हुए। हर आपदा के बाद, ग्लेशियरों की निगरानी, आरंभिक चेतावनी प्रणालियां विकसित करने, खतरे और जोखिमों की मैपिंग करने और बचाव संबंधी एवं नुकसान कम से कम रखने के उपाय करने की बातें होती हैं। कुछ हफ़्तों या महीनों के बाद, शोर-शराबा थम जाता है और सब कुछ पहले की भांति हो जाता है। हिमालयी क्षेत्र में आपदाओं से निपटने के लिए एक बहुआयामी रणनीति की ज़रूरत है, जिसमें वैज्ञानिक शोध, नीति-निर्माण, क्रियान्वयन तंत्र, जन-जागरूकता और समुदाय की भागीदारी शामिल हो। विज्ञान ने हिमालय के पर्यावरण, खासकर ग्लेशियरों और जल प्रणालियों से जुड़ी स्थिति के खतरों के बारे में स्पष्ट राय दी है—कि क्या करने की ज़रूरत है और समझने में क्या कमियां हैं। वैश्विक स्तर पर, इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) ने कई रिपोर्टें प्रकाशित की हैं, जिनमें विभिन्न देशों से ग्लेशियरों और पहाड़ी पारिस्थितिकी तंत्र पर शोध के नतीजों को एक साथ लाया गया है। भारत में, नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर ने रिमोट सेंसिंग तस्वीरों का इस्तेमाल करके भारतीय हिमालयी क्षेत्र में कुल मिलाकर लगभग 28,000 ग्लेशियल झीलों में से ज़्यादा जोखिम वाली 7,500 ग्लेशियल झीलों की मैपिंग की है। साथ ही, खतरनाक हो सकने वाली ग्लेशियल झीलों से बनने वाली बाढ़ की संभावना भी तैयार की है। इसमें बाढ़ का खतरा और अगर ये झीलें कभी टूटती हैं, तो नीचे बसे इलाकों तक बाढ़ की लहरें पहुंचने में लगने वाले संभावित समय का ब्योरा भी दिया गया है। इस साल मार्च में, काठमांडू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) ने दो अहम रिपोर्टें प्रकाशित कीं—'1990 से 2020 तक हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों की बदलती गतिशीलता' और 'एचकेएच ग्लेशियर आउटलुक 2026: हिमालयी ग्लेशियरों की 50 साल की निगरानी से मिली जानकारी।' इन रिपोर्टों के नतीजे चिंताजनक हैं। पहली रिपोर्ट हिंदू कुश क्षेत्र के 63,761 ग्लेशियरों के डेटा पर आधारित थी, जो 55,000 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा इलाके में फैले हैं और जिनमें अनुमानित 5,700 क्यूबिक किलोमीटर बर्फ का भंडार है। विश्लेषण से पता चला है कि इस इलाके में ग्लेशियर 1990 से लगातार सिकुड़ रहे हैं, जिससे कुल ग्लेशियर क्षेत्र में 12 प्रतिशत की कमी आई है और बर्फ के अनुमानित भंडार में 9 फीसदी की गिरावट हुई है। ग्लेशियर सिकुड़ने की रफ़्तार सबसे ज़्यादा 2010 और 2020 के बीच बढ़ी, खासकर पूर्वी और मध्य हिस्सों में। सिंधु नदी बेसिन के ग्लेशियर क्षेत्र में 6 फीसदी की कमी आई, जबकि गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में क्रमशः 21 और 16 प्रतिशत की कमी देखी गई। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि ग्लेशियर के इस तरह सिकुड़ते जाने का सीधा नतीजा सूखे के मौसम में पानी की कमी और ग्लेशियल झील के टूटने से बनी बाढ़, हिमस्खलन, भूस्खलन और मलबे के बहाव जैसे जोखिम होंगे। निगरानी किए गए 38 ग्लेशियरों पर आधारित दूसरी रिपोर्ट संकेत देती है कि 'हिमालय के क्रायोस्फीयर (बर्फ वाले हिस्से) के कुछ हिस्से ऐसे नाजुक मोड़ के करीब हैं, जिसके बाद उनकी सिकुड़न को रोकना संभव नहीं होगा।' आईसीआईएमओडी के महानिदेशक पेमा ग्यामत्शो का नीति निर्माताओं के लिए सीधा संदेश था—'यह कोई दूर की समस्या नहीं है, बल्कि एक ऐसा संकट है जो वर्तमान में मुंह बाए खड़ा है, और हर गर्मी और मॉनसून में नई आपदाएं आ रही हैं। इस सदी में बर्फ घटने की दर दोगुनी हो गई है।' नेपाल में बनी नवीनतम आपदा के बाद ये शब्द लगभग भविष्यवाणी जैसे लगते हैं। ग्यामत्शो के अनुसार, 'यह अब अनदेखी की जा सकने वाली वह स्थिति नहीं रही कि अचानक से सामना हो; ये हमारा नया यथार्थ है।' ग्लेशियर गतिशीलता विज्ञान और 1974 से इकट्ठा किए गए सैटेलाइट एवं ज़मीनी डेटा के विश्लेषण पर आधारित यह शायद सबसे स्पष्ट चेतावनी थी। वैज्ञानिक डेटा विश्लेषण से और कार्रवाई न करने के गंभीर नतीजों के बारे में चेतावनी देकर अपना काम कर रहे हैं, लेकिन नीति निर्माता, राजनेता और प्रशासन की प्रतिक्रिया धीमी, बिखरी हुई या उदासीन भी रही है। दुनिया भर में, आईपीसीसी की रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया सुस्त रही है, खासकर जब मुख्य मुद्दे को हल करने की बात आए—यानी ग्लोबल वार्मिंग के असर को कम करने के लिए उत्सर्जन में कटौती करना, जो सीधे तौर पर हिमालय को प्रभावित कर रहा है। क्षेत्रीय स्तर पर, हिमालयी क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग लगभग न के बराबर है। जबकि इन देशों को साथ मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि जलवायु और पर्यावरण से जुड़ी आपदाएं राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानतीं, जैसा कि नेपाल की त्रासदी से पता चला है। सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेकांग जैसी बड़ी नदियां हिमालय से निकलती हैं और कई देशों से होकर गुजरती हैं। उदाहरणार्थ, एक देश में भूस्खलन से दूसरे देश में प्रलयंकारी बाढ़ आ सकती है। कम से कम और कुछ नहीं तो डेटा और जानकारी साझा की जानी चाहिए, तत्पश्चात संयुक्त निगरानी और वैज्ञानिक सहयोग किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर भी, नीति-निर्माताओं ने लगातार विज्ञान पर आधारित चेतावनियों को नज़रअंदाज़ किया है।

आप का नजरीया

पनीर का अर्थशास्त्र

एक समय देश में विशिष्ट खाद्य पदार्थ माने जाने वाले पनीर को लेकर आज गहराता अविश्वास चिंता की बात है। मुनाफे के लिये उपभोक्ता के विश्वास से खिलवाड़ का यह धंधा पूरे देश में खूब चल रहा है। दिल्ली में सामने आया नकली पनीर का मामला इसी कड़ी का एक हिस्सा है। निस्संदेह, ये मामले हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की एक बड़ी कमजोरी को ही उजागर करते हैं। ये विडंबना ही है कि किसी उत्पाद की लागत, उसमें प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं और ग्राहक को इस बाबत दी जाने वाली जानकारी में अकसर विरोधाभास पाया जाता है। देश में एनालॉग पनीर की धड़ल्ले से बिक्री के पीछे भी मुनाफे का प्रलोभन ही है। जिसमें वेजिटेबल फैट, स्टार्च, प्लांट प्रोटीन और गैर डेयरी उत्पादों को मिलाया जाता है। दरअसल, यह पनीर, असली दूध वाले पनीर की तुलना में काफी सस्ता होता है और उत्पादकों के मुनाफे को बढ़ाता है। जानकारों का अनुमान है कि कीमतों का यह अंतर चालीस से पचास फीसदी तक हो सकता है। ऐसे में जब रेस्टोरेंट, कैटरर और खाने-पीने के दूसरे कारोबार कम मुनाफे पर करते हैं तो महंगे पनीर के जगह सस्ता पनीर इस्तेमाल करने का लालच होना एक स्वाभाविक बात है। दरअसल, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हर एनालॉग प्रोडक्ट वास्तव में खाने की दृष्टि से असुरक्षित ही होता है। वास्तव में मुख्य समस्या धोखा देने की है। यदि किसी डेयरी पदार्थों से मुक्त विकल्प की पहचान स्पष्ट तौर पर एनालॉग पनीर के तौर पर की जाती है, तो ग्राहक सोच-समझकर उसको खरीदने के बारे में फैसला स्वतंत्र रूप से ले सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात इसको लेकर ईमानदारी न होना है। जब विक्रेता इसे दूध का पनीर बताकर बेचने लगते हैं तो उपभोक्ता निर्णय नहीं ले पाते। ऐसे में असली पनीर वाली पौष्टिकता उन्हें नहीं मिल पाती। निर्विवाद रूप से इस मामले में रेस्टोरेंट सबसे कमजोर कड़ी के रूप में सामने आते हैं। जिनका मुख्य मकसद अपने मुनाफे को प्राथमिकता देना ही होता है। वास्तव में जब भी कोई रेस्टोरेंट अपने किचन में एनालॉग पनीर आदि का इस्तेमाल करना शुरू करता है और उससे कोई व्यंजन बना लेता है तो ग्राहक नहीं समझ पाता है कि असली पनीर है या नकली पनीर है। देश के खाद्य पदार्थों का नियमन करने वाली संस्था एफएसएसएआई ने फूड-सर्विस देने वाले संस्थानों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि पनीर वाली डिश में एनालॉग पनीर का इस्तेमाल ग्राहकों को सही जानकारी दिए बिना न किया जाए। इस विवाद के चलते देश के कई राज्यों ने कृत्रिम पनीर के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। पंजाब सरकार ने इसके बनाने, संग्रहण करने, ट्रांसपोर्ट करने, बांटने और पनीर के नाम पर बेचने पर एक साल के लिये रोक लगा दी है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि एनालॉग पनीर के खिलाफ छापेमारी और उस पर प्रतिबंध लगाने मात्र से यह समस्या हल नहीं होने वाली है। दरअसल, नियामकों को उन आर्थिक कारणों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा, जिसकी वजह से असली पनीर की जगह नकली पनीर का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जा रहा है। वास्तव में पनीर की जांच और गुणवत्ता के असली पनीर की उपलब्धता को सुनिश्चित करना जरूरी है। साथ ही तमाम रेस्टोरेंट व होटलों को उन खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के लिये जवाबदेह बनाना होगा, जिन्हें वे खरीदते हैं और ग्राहकों को परोसते हैं। निस्संदेह, हर ग्राहक को इस बात का हक है कि वह जान सके कि वह किस तरह का पनीर खा रहा है। एनालॉग पनीर उत्पादकों को उत्पाद के पैकेट पर स्पष्ट रूप से लिखना अनिवार्य होना चाहिए कि यह एनालॉग पनीर है। इसके अलावा सवाल इसके अर्थशास्त्र का भी है कि यदि उत्पादक इसके जरिये मुनाफा कमा रहे हैं तो उपभोक्ता को उस कीमत के अंतर का लाभ मिलना चाहिए। साथ ही उन विक्रेताओं पर नकेल कसनी होगी जो असली पनीर की कीमत पर एनालॉग पनीर धड़ल्ले से बेच रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ग्राहकों की सजगता भी इस समस्या के अंतिम समाधान में मददगार हो सकती है।

दिल्ली में सामने आया नकली पनीर का मामला इसी कड़ी का एक हिस्सा है। निस्संदेह, ये मामले हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की एक बड़ी कमजोरी को ही उजागर करते हैं। ये विडंबना ही है कि किसी उत्पाद की लागत, उसमें प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं और ग्राहक को इस बाबत दी जाने वाली जानकारी में अकसर विरोधाभास पाया जाता है। देश में एनालॉग पनीर की धड़ल्ले से बिक्री के पीछे भी मुनाफे का प्रलोभन ही है। जिसमें वेजिटेबल फैट, स्टार्च, प्लांट प्रोटीन और गैर डेयरी उत्पादों को मिलाया जाता है। दरअसल, यह पनीर, असली दूध वाले पनीर की तुलना में काफी सस्ता होता है और उत्पादकों के मुनाफे को बढ़ाता है। जानकारों का अनुमान है कि कीमतों का यह अंतर चालीस से पचास फीसदी तक हो सकता है। ऐसे में जब रेस्टोरेंट, कैटरर और खाने-पीने के दूसरे कारोबार कम मुनाफे पर करते हैं तो महंगे पनीर के जगह सस्ता पनीर इस्तेमाल करने का लालच होना एक स्वाभाविक बात है। दरअसल, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हर एनालॉग प्रोडक्ट वास्तव में खाने की दृष्टि से असुरक्षित ही होता है। वास्तव में मुख्य समस्या धोखा देने की है। यदि किसी डेयरी पदार्थों से मुक्त विकल्प की पहचान स्पष्ट तौर पर एनालॉग पनीर के तौर पर की जाती है, तो ग्राहक सोच-समझकर उसको खरीदने के बारे में फैसला स्वतंत्र रूप से ले सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात इसको लेकर ईमानदारी न होना है।

दृष्टि कोण

करेंसी को टिकाऊ बनाने की दिशा में अहम बदलाव

भारत की मुद्रा केवल कागज़, सुरक्षा धागे और स्याही का भौतिक उत्पाद नहीं है; यह देश की संप्रभुता का प्रतीक, रोज़मर्रा के सामाजिक भरोसे का ठोस माध्यम और राज्य की संस्थागत क्षमता का प्रतीक है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा छोटे मूल्यवर्ग, खासकर 10 रुपये और 20 रुपये, में पॉलिमर यानी प्लास्टिक नोटों के बड़े पैमाने पर फील्ड ट्रायल की दिशा में उठाए गए हालिया नीतिगत क़दम देश की मौद्रिक यात्रा में दूरगामी मोड़ हैं। यह पहल नोटों के टिकाऊपन, मुद्रण लागत में कटौती व जालसाज़ी पर अंकुश का वादा तो करती है, लेकिन साथ ही पर्यावरण संतुलन, सामाजिक समावेशिता और करेंसी सुधार की राजनीति पर भी गंभीर विमर्श की मांग करती है। वैश्विक पटल पर पॉलिमर बैंकनोट्स कोई सर्वथा नया प्रयोग नहीं है। वर्ष 1988 में ऑस्ट्रेलिया से शुरू होकर ब्रिटेन, कनाडा, वियतनाम और नाइजीरिया जैसे देशों ने इसे सफलतापूर्वक अपनाया है। इन देशों में पॉलिमर करेंसी को अपनाने का मुख्य कारण उसका लंबा जीवनकाल और उन्नत सुरक्षा तंत्र रहा है। पारंपरिक कागज़ी नोटों की तुलना में पॉलिमर नोट औसतन तीन से चार गुना अधिक चलते हैं। भारत में छोटे मूल्यवर्ग के नोटों की स्थिति ज़मीनी स्तर पर अत्यंत दयनीय रहती है। सब्ज़ी मंडी, ऑटो-रिक्शा, चाय की थड़ियों और स्थानीय हाट-बाज़ारों में 10 और 20 रुपए के नोट इतनी तेजी से हाथ बदलते हैं कि उनका औसत जीवनकाल बमुश्किल एक वर्ष ही रह जाता है। पसीने, नमी, धूल और बार-बार मोड़ने-मरोड़ने के कारण वे जल्द ही फट जाते हैं। रिज़र्व बैंक की 'क्लीन नोट पॉलिसी' के तहत प्रतिवर्ष अरबों की संख्या में कटे-फटे और मैले नोट नष्ट कर उनकी जगह नोट छापने पड़ते हैं। इस प्रक्रिया में भारी वित्तीय संसाधन, विदेशी सबस्ट्रेट यानी नोट-पेपर का आयात और लॉजिस्टिक्स का खर्च शामिल होता है।

पॉलिमर नोट पानी, तेल और गंदगी के प्रति प्रतिरोधी होते हैं। इन्हें बार-बार बदलने की दर घटने से केंद्रीय बैंक के मुद्रण खर्च में बड़ी कमी आएगी। इसके साथ ही, पारदर्शी 'विंडो' और जटिल ऑप्टिकल सुरक्षा विशेषताओं के चलते नकली नोटों के संगठित नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाना कहीं अधिक संभव हो सकेगा। पॉलिमर नोटों का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव भारत की विशाल अनौपचारिक इकोनॉमी पर पड़ेगा। रेहड़ी-पटरी वाले, छोटे दुकानदार, दिहाड़ी मजदूर और ग्रामीण परिवार रोजमर्रा के लेन-देन के लिए मुख्य रूप से नकदी पर ही निर्भर हैं। जब किसी आम नागरिक के हाथ में फटा हुआ नोट आता है और बाज़ार में उसे लेने से मना कर दिया जाता है, तो यह सिर्फ आर्थिक हानि नहीं बल्कि रोज़मर्रा की असुविधा और गरिमा पर चोट का कारण बनता है। लंबे समय साफ़-साबुत रहने वाले नोट आम जनता को लेन-देन में सुगमता और मानसिक सुरक्षा प्रदान करेंगे। यह नीतिगत क़दम इस व्यावहारिक सच्चाई को भी स्वीकार करता है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी के अभूतपूर्व प्रसार के बावजूद भारत में नकद लेन-देन पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता। डिजिटल भुगतान की बुनियादी सीमाएं हैं—नेटवर्क कनेक्टिविटी, स्मार्टफ़ोन की उपलब्धता और डिजिटल साक्षरता की बाधाएं अभी पूरी तरह दूर नहीं हुईं। प्रस्तावित पॉलिमर नोट कागजी मुद्रा के समांतर चलेंगे, जिससे सुनिश्चित होगा कि तकनीकी रूप से वंचित वर्ग वित्तीय प्रणाली के हाशिए पर न छूटे। हालांकि, पॉलिमर नोटों की चमक के पीछे दो प्रमुख चुनौतियां भी छिपी हैं—पहली पर्यावरणीय और दूसरी सांस्कृतिक व जलवायुगत। पॉलिमर नोट प्लास्टिक आधारित होने के कारण गैर-बायोडिग्रेडेबल हैं।

भाजपा प्रदेशभर में विविध सेवा प्रकल्पों के माध्यम से आमजन तक पहुंचाएंगी जनहितैषी योजनाएं

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से भारतीय जनता पार्टी प्रदेशभर में एक माह का सेवा संकल्प अभियान चलाएगी। अभियान 17 अक्तूबर तक चलेगा। इसके तहत संगठन और सरकार के स्तर पर प्रदेश से लेकर बूथ तक विभिन्न सेवा प्रकल्प और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पत्रकार वार्ता में बताया कि अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक 25 वर्ष के राजनीतिक सेवा कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाया जाएगा। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन राष्ट्रभक्ति, सेवा, परोपकार, साहस और दृढ़ निश्चय से जुड़ा रहा है। इस बार भाजपा सेवा पखवाड़े के बजाय पूरे एक माह तक विविध कार्यक्रम आयोजित करेगी। अभियान में प्रदेश स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ मंत्री, जनप्रतिनिधि और संगठन के पदाधिकारी भाग लेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को 25 वर्ष सेवा, सुशासन और जनकल्याण के दिए हैं। वे अपना जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाते हैं। इसी भावना के तहत 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक विविध प्रकल्पों

के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का राजस्थान से विशेष लगाव रहा है। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने बिना मांग के राजस्थान को नर्मदा का पानी देने का काम किया था। मुख्यमंत्री ने बताया कि अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर को *आशीर्वाद का दीया* कार्यक्रम से होगा। शाम 7 बजे दीया जलाया जाएगा। इसके बाद *मेरे सपनों का भारत, चित्र सेवा, नमो सेवा अनकही कहानियां , आंगन मिलन सेवा, सेवा की कहानी, सेवा ज्योति कलश यात्रा, वडनगर-वाराणसी सेवा यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, सेवा के रंग-राष्ट्र के संग, सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज* और *सुशासन सेवा संवाद* सहित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। *मेरे सपनों का भारत* कार्यक्रम में स्कूल स्तर पर विकसित भारत संकल्प और 25 वर्ष की सेवा विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता होगी। *नमो सेवा अनकही कहानियां* के तहत गांव-गांव नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं और उनसे आए बदलावों की जानकारी दी जाएगी। *आंगन मिलन सेवा* में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा सहयोगिनियों का सम्मान किया जाएगा। *सेवा की कहानी* कार्यक्रम के जरिए सरकारी योजनाओं से लाभान्वित लोगों के जीवन में आए बदलाव आमजन तक पहुंचाए जाएंगे। *सेवा ज्योति कलश यात्रा* के माध्यम से विकसित भारत का संकल्प जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। *वडनगर-वाराणसी सेवा यात्रा* में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक जीवन यात्रा और देश की सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया जाएगा। विभिन्न टोलियां वडनगर से वाराणसी के बीच यात्रा करेंगी और विभिन्न मार्गों से होते हुए जल कलश से शिव का अभिषेक करेंगी। *सेवा मेरा योगदान* के तहत समाज में बदलाव लाने वाले सेवा कार्य किए जाएंगे और उनके सकारात्मक परिणामों को सामने रखा जाएगा। वहीं *सेवा सेतु अभियान* में प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर शिविर लगाकर केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाएगा। पात्र लोगों को योजनाओं की जानकारी, आवेदन और लाभ लेने की प्रक्रिया में सहायता दी जाएगी। *सेवा के रंग-राष्ट्र के संग* कार्यक्रम में रंगोली, लोककला और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। *सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज* में युवाओं, विद्यार्थियों, स्टार्टअप और नवाचारकर्ताओं की प्रतिभा को जनसेवा से जोड़ा जाएगा। अभियान के समापन चरण में *सुशासन सेवा संवाद* कार्यक्रम आयोजित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा इस अभियान को सेवा, सुशासन और जनभागीदारी का महाअभियान बनाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा संकल्पों से प्रेरणा लेकर राजस्थान में भी सेवा, सुशासन और विकास की यात्रा को नई गति दी जाएगी।

बसपा प्रमुख मायावती ने ब्रिक्स घोषणा को बताया कूटनीतिक उपलब्धि

पंचायत सहायकों की मांगों पर सरकार से विचार की अपील

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान जारी *नई दिल्ली घोषणा पत्र* को महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन और ईरान को लेकर अमेरिकी नीतियों, बढ़ती वैश्विक तनातनी, संघर्ष और व्यापारिक टैरिफ के कारण पैदा हुए आर्थिक संकट के बीच ब्रिक्स देशों का 140 पैराग्राफ वाला घोषणा पत्र सर्वसम्मति से जारी होना आपसी समझ और कूटनीतिक सूझबूझ का परिचायक है। रविवार को लखनऊ में आयोजित प्रेसवार्ता में मायावती ने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करने की इच्छा उम्मीद जगाने वाली है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स करेंसी के विकास की दिशा में आगे बढ़ना भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। फलस्तीन के मुद्दे का उल्लेख करते हुए बसपा प्रमुख ने कहा कि दो-देश समाधान और 1967 की सीमाओं के आधार पर स्वतंत्र फलस्तीन राष्ट्र के समर्थन के साथ आतंकवाद से हर स्तर पर निपटने की प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पहलगाम का उल्लेख करते हुए आतंकवाद के खिलाफ व्यक्त प्रतिबद्धता से भारत के दृष्टिकोण को उचित समर्थन मिला है, जो सराहनीय है। चीन के साथ संबंधों को लेकर मायावती ने कहा कि दोनों देशों को अपने मतभेदों को विवाद में बदलने से बचना चाहिए और एक-दूसरे को विकास का साझेदार मानकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दृष्टिकोण के परिणाम

आने वाले समय में सामने आएंगे। साथ ही, दोनों देशों के बीच सीमा विवाद का जल्द समाधान होना भी उचित होगा। मायावती ने उत्तर प्रदेश सरकार से राज्य के करीब 58 हजार पंचायत सहायकों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पंचायत सहायक मानदेय बढ़ाकर सम्मानजनक करने और संविदा के बजाय स्थायी किए जाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर पिछले कुछ दिनों से लखनऊ में ग्रीन ईको गार्डेन के पास आंदोलन कर रहे हैं। बसपा प्रमुख ने कहा कि सरकार को पंचायत सहायकों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी समस्याओं का उचित समाधान किया जाना बेहतर होगा। मायावती ने तीन सितंबर को लखनऊ स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में हुई बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी के काम को युद्धस्तर पर गति देने के लिए बसपा के संगठन को तीन सेक्टरों में बांटा गया है। सेक्टर नंबर एक में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को रखा गया है और इसकी निगरानी वह स्वयं करेंगी।

आज से पांच दिन मंत्रियों के घरों के बाहर धरना देगा किसान मजदूर मोर्चा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में किसान संगठनों और आम आदमी पार्टी सरकार के बीच टकराव एक बार फिर बढ़ने जा रहा है। किसान मजदूर मोर्चा सोमवार से पांच दिवसीय आंदोलन शुरू करेगा। इसके तहत पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां और सात मंत्रियों के आवासों के बाहर धरने दिए जाएंगे। इनमें आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं मंत्री अमन अरोड़ा भी शामिल हैं। भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां की ओर से शनिवार से मंत्रियों के आवासों का घेराव शुरू किए जाने के बाद अब किसान मजदूर मोर्चा भी सीधे मंत्रियों के घरों के बाहर प्रदर्शन करने जा रहा है। इससे सरकार पर किसानों का दबाव और बढ़ने की संभावना है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा है कि यदि सरकार किसानों की मांगों को गंभीरता से लेकर बातचीत शुरू नहीं करती तो 16 सितंबर की बैठक में आंदोलन को और तेज करने के संबंध में फैसला लिया जाएगा। मौजूदा आंदोलन की प्रमुख वजह धान के सीजन के दौरान बिजली आपूर्ति और खाद की उपलब्धता से जुड़ी समस्याएं बताई गई हैं। किसान मजदूर मोर्चा एमएसपी, कृषि कर्ज, नदी जल, भूमि अधिग्रहण, नशे, बेरोजगारी और केंद्र-राज्य संबंधों समेत कई अन्य मुद्दे भी उठा रहा है। मोर्चा बासमती, मक्का, मूंग, सरसों और आलू की एमएसपी पर सरकारी खरीद, किसानों और खेत मजदूरों की पूरी कर्ज माफी तथा आत्महत्या करने वाले किसानों और मजदूरों के परिवारों को मुआवजा और रोजगार देने की मांग कर रहा है।

अलवर में तीन दोस्तों की मौत के बाद बवाल, तीन थानों की पुलिस और सीओ मौके पर, अस्पताल में धरने पर बैठे परिजन

अलवर (हिंस)। अलवर शहर के काली मोरी-मोती नगर क्षेत्र में शनिवार देर रात हुए सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत के बाद रविवार को मामला गरमा गया। कार की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान जितेंद्र सिंह, युवराज और हिमांशु के रूप में हुई है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों ने इसे महज सड़क हादसा मानने से इनकार करते हुए तीनों की हत्या की आशंका जताई है। परिजनों का आरोप है कि रंजिश के चलते साजिश के तहत तीनों युवकों को कार से कुचला गया। परिजनों और सर्व समाज के लोगों ने हत्या का आरोप लगाते हुए अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया और जाम लगा दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश कर जाम खुलवाया। हालांकि इसके बाद भी परिजनों और सर्व समाज के लोगों का विरोध जारी है। बड़ी संख्या में लोग अस्पताल परिसर में धरने पर बैठे हैं। प्रदर्शनकारियों ने शव लेने से इनकार कर दिया है।

उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं और मामले में उचित कार्रवाई का भरोसा नहीं मिलता, तब तक वे शव नहीं लेंगे। पुलिस का कहना है कि परिजनों की ओर से दी जाने वाली रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस परिजनों और प्रदर्शनकारियों से लगातार बातचीत कर रही है। परिजनों और सर्व समाज के लोगों ने पुलिस तथा प्रशासन के सामने कई मांगें रखी हैं। इन मांगों को लेकर अस्पताल परिसर में विरोध जारी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। तीन थानों की पुलिस के साथ सीओ भी मौके पर मौजूद हैं। मौके पर सीओ राजेश कसाना, तहसीलदार रोशन लाल मीणा, अरावली विहार थाना अधिकारी सुनील टांक, कोतवाली थाना अधिकारी दिनेश मीणा और अखेपुरा थाना अधिकारी संजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हैं। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर मामले को शांत कराने का प्रयास कर रहे हैं। अस्पताल परिसर में परिजनों के साथ सर्व समाज के बड़ी संख्या में लोग मौजूद हैं। इनमें आकाश मिश्रा, ओमप्रकाश शर्मा, प्रेमसिंह राजावत, तुलसी यादव, अमित शर्मा और भूपेंद्र राठौड़ सहित कई लोग शामिल हैं। फिलहाल अस्पताल परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं परिजनों की ओर से लगाए गए हत्या और साजिश के आरोपों की जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

छात्र संगठनों के विरोध पर सिख इतिहास पाठ्यक्रम में बदलाव का फैसला वापस

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग ने स्नातकोत्तर स्तर पर सिख इतिहास के पाठ्यक्रम में किए गए बदलावों को वापस ले लिया है। छात्र संगठनों की आपत्तियों के बाद विभाग ने यह कदम उठाया और भरोसा दिया कि उनकी मांग के अनुरूप पाठ्यक्रम एक सप्ताह के भीतर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। इतिहास विभाग ने पहले सिख इतिहास से जुड़े पाठ्यक्रम में कुछ बदलाव किए थे। इनमें कई विषयों को अनिवार्य के बजाय वैकल्पिक बनाने का निर्णय भी शामिल था। इस पर छात्र संगठनों ने आपत्ति जताई और आरोप लगाया कि बदलावों के पीछे राजनीतिक कारण हो सकते हैं। दूसरी ओर विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना था कि पाठ्यक्रम में दोहराव कम करने और विद्यार्थियों को अधिक विकल्प देने के उद्देश्य से संशोधन किए गए थे। छात्र संगठन *साथ* ने इस संबंध में कुलपति को ज्ञापन भी सौंपा था। लगातार विरोध और आपत्तियों के बाद इतिहास विभाग ने पूर्व निर्णय वापस लेने की बात कही। इतिहास विभाग के अध्यक्ष जसबीर सिंह ने स्पष्ट किया कि पाठ्यक्रम में बदलाव के पीछे किसी प्रकार की राजनीतिक प्रतिशोध की भावना नहीं थी। उन्होंने कहा कि छात्र संगठनों को आश्वासन दिया गया है कि उनकी मांग के अनुसार पाठ्यक्रम को एक सप्ताह के भीतर वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया जाएगा। इस फैसले का शिरोमणि अकाली दल ने भी विरोध किया था। पार्टी के वरिष्ठ नेता दलजीत सिंह चीमा ने कहा था कि पंजाब के 15वीं से 20वीं शताब्दी तक के इतिहास से जुड़े चार विषयों में बदलाव नहीं किया जाना चाहिए।

गोंडा जा रहे चंद्रशेखर के काफिले को पुलिस ने बाराबंकी में रोका विरोध के बीच जूता फेंकने से गरमाया माहौल, लौटना पड़ा वापस

बाराबंकी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद गोंडा में बर्तन कारोबारी विनोद साहनी की हत्या के बाद पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण के काफिले को रविवार को रामनगर बाराबंकी में पुलिस ने रोक दिया। बुढ़वल रेलवे स्टेशन मोड़ पर काफिला रोके जाने के दौरान अचानक जुटी भीड़ ने चंपद्रशेखर के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया। करीब ढाई घंटे तक चले गतिरोध के बाद अंतत: चंद्रशेखर आजाद का काफिला गोंडा की ओर आगे नहीं जा सका और उन्हें वापस लौटना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार प्रदर्शन कर रहे कुछ युवाओं के हाथों में काले बैनर थे। भीड़ की ओर से *रोहिणी घावरी को न्याय दो, आजाद समाज पार्टी मुर्दाबाद* और *चंद्रशेखर रावण मुर्दाबाद*

जैसे नारे लगाए गए। इसी दौरान भीड़ में से किसी व्यक्ति द्वारा चंद्रशेखर की ओर जूता फेंके जाने की बात सामने आई। घटना के बाद उनके समर्थक आक्रोशित हो गए। इसके विरोध में चंद्रशेखर आजाद और उनके समर्थक रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर डाक बंगले के सामने धरने पर बैठ गए। समर्थकों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। चंद्रशेखर की मांग थी कि जूता फेंकने वाले व्यक्ति को सामने लाकर माफी मंगवाई जाए। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी लगातार उन्हें समझाने का प्रयास करते रहे। मौके पर गोंडा के उप जिलाधिकारी अशोक कुमार गुप्ता, क्षेत्राधिकारी गोंडा सदर उदित नारायण पालीवाल, रामनगर सीओ गरिमा पंत सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि भारी भीड़ के बीच जूता फेंकने वाले व्यक्ति की स्पष्ट पहचान नहीं हो सकी है। ऐसे में तत्काल किसी एक व्यक्ति को पकड़कर माफी मंगवाना संभव नहीं है। काफी देर तक समझाने के बावजूद चंद्रशेखर आजाद और उनके समर्थक धरने से नहीं उठे। करीब ढाई घंटे तक चले गतिरोध के बाद अंतत: चंद्रशेखर आजाद का काफिला गोंडा की ओर आगे नहीं जा सका और उन्हें वापस लौटना पड़ा। इस दौरान चंद्रशेखर आजाद ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पीड़ित परिवार से मिलने जाने से रोकना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में सरकार लोकतंत्र की आवाज दबाने का काम कर रही है और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी सवाल खड़े किए।

हिसार में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई एनडीए-नेवल एकेडमी की परीक्षा

हिसार (हिंस)। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को आयोजित नेशनल डिफेंस एकेडमी एवं नेवल एकेडमी परीक्षा जिले में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा और निगरानी के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। उपायुक्त महेंद्र पाल ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरों, जैमर सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिले में परीक्षा के लिए कुल पांच केंद्र बनाए गए थे। प्रात:कालीन सत्र में 1439 परीक्षार्थियों में से 1264 ने परीक्षा दी, जबकि 175 अनुपस्थित रहे। वहीं, सायंकालीन सत्र में 1439 में से 1261 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए और 178 अनुपस्थित रहे। दोनों सत्रों में कुल 2525 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान किसी भी आपात स्थिति में परीक्षार्थियों को केंद्र तक पहुंचाने के लिए पुलिस हेल्पलाइन 112 और पीसीआर वैन की व्यवस्था की गई थी।

तीज-चौरचन और विश्वकर्मा पूजा को लेकर बाजार में बढ़ी रौनक

सुपौल (हिंस)। तीज एवं चौरचन पर्व को लेकर रविवार को शहर के बाजारों में काफी चहल-पहल देखने को मिली। सुबह से ही फल, मिठाई और किराना दुकानों पर खरीदारी के लिए ग्राहकों की भीड़ लगी रही। वहीं विश्वकर्मा पूजा को लेकर भी बाजार में खरीदारी तेज रही। पूजा-पाठ से जुड़ी सामग्री के साथ फल एवं अन्य जरूरी सामानों की बिक्री में इजाफा हुआ। हर वर्ष की तरह इस बार भी पर्व को लेकर शहर के बाजारों में लोगों की आवाजाही बढ़ी रही। खासकर फल और किराना दुकानों पर ग्राहकों की संख्या अधिक देखी गई। पर्व को लेकर फलों की मांग बढ़ने से इनके दामों में भी तेजी देखने को मिली। रविवार को बाजार में सिंघाड़ा 100 से 330 रुपए प्रति किलो, अनार 200 से 300 रुपए प्रति किलो, सेब 150 से 180 रुपए प्रति किलो तथा केले की कीमत 60 से 100 रुपए प्रति दर्जन रही। वहीं नारियल 50 से 70 रुपए प्रति पीस बिक रहा था। दुकानदारों के अनुसार पर्व को लेकर फलों की मांग सामान्य दिनों की तुलना में काफी बढ़ गई है। तीज एवं चौरचन पर्व को लेकर महिलाओं और परिवारों ने पूजा के लिए आवश्यक फल, मिठाई और अन्य सामग्री की जमकर खरीदारी की। वहीं विश्वकर्मा पूजा के कारण दुकानों, प्रतिष्ठानों और विभिन्न संस्थानों में पूजा की तैयारी को लेकर भी बाजार में रौनक बढ़ी रही। पर्व को लेकर सब्जियों की मांग में भी बढ़ोतरी देखी गई। बाजार में खरीदारी करने पहुंचे लोगों ने बताया कि पर्व के कारण आवश्यक सामानों की खरीदारी में खर्च बढ़ गया है। दुकानदारों का कहना है कि अगले एक-दो दिनों तक बाजार में इसी तरह खरीदारी का दौर जारी रहने की उम्मीद है।

अमेरिका के जेन-जी अब यूपी के प्रोफेसर से सीखेंगे फॉरेंसिक तकनीक

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश की फॉरेंसिक और तकनीकी प्रतिभा अब अमेरिका की नई पीढ़ी को तकनीक सिखाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों को बड़ी अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि मिली है। यूपीएसआईएफएस के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कमलेश कुमार दुबे को अमेरिका के प्रतिष्ठित *फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेजिडेंस* के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश की उस बदलती तस्वीर का प्रमाण है, जहां फॉरेंसिक साइंस को आधुनिक तकनीक, अनुसंधान और वैश्विक अकादमिक सहयोग से जोड़कर नई दिशा दी जा रही है।

कार्यपालक सहायकों के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं, अक्तूबर से राज्यव्यापी आंदोलन

सीवान (हिंस)। बिहार राज्य कार्यपालक सहायक सेवा संघ, जिला इकाई सीवान की बैठक रविवार को पत्रकार भवन में हुई। अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष आजाद मिश्र ने की। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों एवं प्रखंडों में कार्यरत सैकड़ों कार्यपालक सहायकों ने भाग लिया। इस दौरान संगठन को प्रखंड एवं अनुमंडल स्तर तक मजबूत करने के साथ लंबित मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में सेवा-सुरक्षा, मानदेय पुनर्निर्धारण, ईपीएफ, अवकाश एवं अन्य वैधानिक सुविधाएं, स्वास्थ्य बीमा, कॉरपोरेट सैलरी पैकेज तथा नियमितीकरण जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। संघ ने कहा कि वर्षों से लंबित मांगों पर अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा. सरकार को ठोस निर्णय लेना होगा। संघ ने अगले 15 दिनों में जिले के सभी प्रखंड एवं अनुमंडल स्तर पर

संगठन का विस्तार करने का निर्णय लिया। साथ ही सभी विभागों में कार्यरत कार्यपालक सहायकों के लिए समूह स्वास्थ्य बीमा और कॉरपोरेट सैलरी पैकेज लागू करने की मांग उठाने का फैसला किया गया। कार्यपालक सहायकों को हटाकर आउटसोर्सिंग के माध्यम से कर्मियों की सेवा लेने की किसी भी कोशिश का विरोध करने की चेतावनी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि कार्यपालक सहायक वर्षों से सरकारी विभागों में ऑनलाइन एवं कंप्यूटरीकृत सेवाओं के संचालन, विभिन्न पोर्टल पर डाटा कार्य और आरटीपीएस जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के क्रियान्वयन में भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद उनकी सेवा-सुरक्षा को लेकर स्पष्ट नीति नहीं बनना चिंता का विषय है। जिला उपाध्यक्ष आजाद मिश्र ने कहा कि मानदेय पुनर्निर्धारण का मामला लंबे समय से लंबित है। उन्होंने बताया कि 26 अगस्त 2025 की 36वीं शासी परिषद की बैठक में मानदेय पुनर्निर्धारण पर अगली बैठक में प्राथमिकता से विचार करने का निर्णय हुआ था। 6 अक्तूबर 2025 को अपर मुख्य सचिव-सह-मिशन निदेशक, बीपीएसएमएस के साथ वार्ता में मानदेय वृद्धि का आश्वासन मिला। वहीं 10 दिसंबर 2025 की 37वीं शासी परिषद की बैठक में तीन माह में अनुशंसा के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित की गई, लेकिन अब तक ठोस निर्णय नहीं हुआ। बैठक में बैजनाथ कुमार ने नियोजन से *संविदा* शब्द हटाने, आकाश गुप्ता ने योजना अवधि की बाध्यता समाप्त करने, अभिषेक सिंह ने स्थायी पद सृजन, रंजीत पाण्डेय ने आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति, दीपक कुमार ने शैक्षणिक योग्यता इंटरमीडिएट करने तथा विवेक मिश्रा ने कार्यरत विभाग में ही समायोजन कर स्थायीकरण की मांग उठाई। आजाद मिश्र ने कहा कि अक्तूबर 2026 से राज्य संघ के आह्वान पर कार्यपालक सहायक राज्यव्यापी आंदोलन में शामिल होंगे।

गणेशोत्सव में सजा बंगाली बाबा का दरबार : 2500 किलो लड्डुओं की प्रसादी

जयपुर (हिंस)। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर में दो दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव रविवार को प्रथम पूज्य गणेशजी के पंचामृत अभिषेक सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ शुरू हुआ। इस दौरान सिंजारा भी मनाया गया। पंचामृत अभिषेक के दौरान मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र गणेशजी के जयकारों से गूंज उठा। सोमवार को गणेश चतुर्थी महोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर प्रबंध समिति के मुख्य संरक्षक रघुवीर शरण अग्रवाल, अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल और उपाध्यक्ष संजय पतंग वाला ने बताया कि महोत्सव की शुरुआत गणेशजी के पंचामृत अभिषेक से हुई। इसके बाद गौरीसुत को सिंदूर अर्पित कर सौभाग्य देवी पूजन, चंद्रार्चन, मेहंदी और सौभाग्य अर्चन की विधियां संपन्न कराई गईं। इस अवसर पर महिलाओं को मेहंदी लगाई गई और भक्तों को मेहंदी का वितरण भी किया गया। महामंत्री गणेश लूनीवाल और कोषाध्यक्ष विष्णु अग्रवाल ने बताया कि सोमवार को गणेश चतुर्थी मनाई जाएगी। सुबह 5 बजे गणेशजी को मोदक अर्पित किए जाएंगे। दोपहर 1 बजे महाआरती और बैंड वादन होगा। इस अवसर पर गणेशजी का आकर्षक शृंगार किया जाएगा। शाम 6 बजे भजन संध्या होगी, जिसमें स्थानीय कलाकार भजनों के माध्यम से प्रथम पूज्य गणेशजी का गुणगान करेंगे। गणेश चतुर्थी महोत्सव में भक्तों के लिए करीब 2500 किलो लड्डू की

प्रसादी तैयार की जा रही है। इसके लिए 1000 किलो चीनी, 400 किलो घी और 400 किलो बेसन का उपयोग किया जा रहा है। कारीगर लड्डू तैयार करने में जुटे हुए हैं।

तेल-तिलहन बाजार : सोयाबीन, बिनौला लुढ़के ; मूंगफली में चमक

पाम-पामोलीन में मामूली सुधार, पर लागत से नीचे बिकवाली जारी

नई दिल्ली

बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर बिकवाली और ब्रांडेड कंपनियों की कमजोर मांग के चलते सोयाबीन तेल-तिलहन व बिनौला तेल के दाम गिरे। इसके विपरीत, मजबूत मांग से मूंगफली तेल-तिलहन में सुधार दर्ज हुआ।

औद्योगिक मांग के कारण पाम-पामोलीन व सोयाबीन डीगम तेल में भी मामूली सुधार दिखा, जबकि सरसों तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, आयातकों को सोयाबीन डीगम तेल की लागत से 5-6 रुपये प्रति किलो कम (लगभग 119.50 रुपये प्रति किलो) पर बेचना पड़ा।

पाम-पामोलीन भी लागत से नीचे बिकवाली का शिकार हुआ। सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) के निर्यात में पिछले वर्ष के मुकाबले 12.5 फीसदी की कमी तथा ब्रांडेड कंपनियों की घटती मांग से बिनौला तेल के दाम भी प्रभावित हुए। वहीं, मांग बढ़ने और आवक कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में पर्याप्त सुधार आया।

किसानों की कम दाम पर फसल न बेचने की प्रवृत्ति और ऊंची खरीद पर पेराई मिलों के घाटे के चलते सरसों तेल-तिलहन पिछले सप्ताहांत के स्तर पर ही स्थिर रहे। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 400-400 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,300-6,350 रुपये और 6,150-6,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार, आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,500 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम तेल 100 रुपये सुधार के साथ 11,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।अच्छी मांग के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 250 रुपये के सुधार के साथ 7,600-8,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये के सुधार के साथ 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 2,755-3,055 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 14,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 25 रुपये के सुधार के साथ 16,025 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 25 रुपये के सुधार के साथ 14,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।ब्रांडेड कंपनियों की कमजोर मांग के कारण बीते सप्ताह बिनौला तेल का दाम 300 रुपये की गिरावट के साथ 16,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

आईटीसी का आशीर्वाद ब्रांड, पांच साल में 20,000 करोड़ का लक्ष्य , रेडी-टू-कुक, फ्रोजन फूड और सत्तू सहित नई श्रेणियों में भी होगा विस्तार

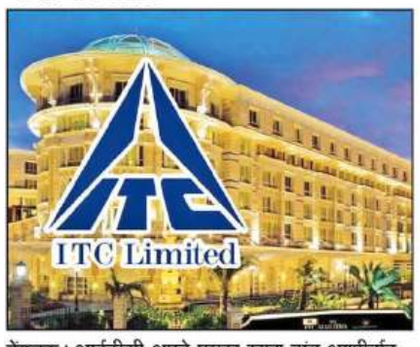

बेंगलुरु। आईटीसी अपने प्रमुख खाद्य ब्रांड आशीर्वाद को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य है कि अगले पांच साल में आशीर्वाद उत्पादों पर उपभोक्ता खर्च मौजूदा 10,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये हो जाए। मई, 2002 में पूरी तरह गेहूं के आटा ब्रांड के रूप में शुरू हुआ आशीर्वाद अब देश के प्रमुख रसोई ब्रांडों में से एक बन गया है, जिसके पोर्टफोलियो में 200 से अधिक एसकेयू (स्टाक कीपिंग यूनिट्स) हैं। ब्रांड ने आटा के अलावा स्टेपल्स, मसाले, ताजे और फ्रोजन खाद्य पदार्थों में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। मलिक के अनुसार, आटा श्रेणी में विकास की असीमित संभावनाएं हैं। कंपनी मल्टीग्रेन, हाई-प्रोटीन, आर्गेनिक और मिलेट आधारित आटा जैसे प्रीमियम उत्पादों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो बेहतर गुणवत्ता, सुविधा और पोषण लाभ प्रदान करते हैं। आशीर्वाद अब बेसन, सेवई, रवा, सोया चंक्स, फ्रोजन नान और पराठे के साथ-साथ ताजी चटनी और सांभर जैसे उत्पादों के माध्यम से नए उपभोक्ता वर्ग और उपयोग के अवसर तलाश रहा है। रेडी-टू-कुक श्रेणी में भी कंपनी ने कदम बढ़ाया है, जिसमें तैयार चपातियां विशेष रूप से युवा परिवारों को ध्यान में रखकर पेश की गई हैं। ये चपातियां बिना किसी अतिरिक्त प्रिजर्वेटिव के 5-6 दिनों तक उपयोग की जा सकती हैं। आईटीसी ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में आशीर्वाद चना सत्तू भी पेश किया है, जो प्रोटीन और फाइबर से भरपूर है।

आरबीआई का टाटा संस को लिस्टिंग का आदेश, छूट की अर्जी खारिज, बोर्ड में नेतृत्व की खींचतान के बीच फैसला, कुछ शेयरधारक पक्ष में तो कुछ विरोध में

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने का आदेश दिया है। केंद्रीय बैंक ने कंपनी की उस अर्जी को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने खुद को अनरजिस्टर्ड कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) की श्रेणी से छूट देने की मांग की थी। इस फैसले से टाटा संस के लिए शेयर बाजार में लिस्टिंग अनिवार्य हो गई है। आरबीआई ने 11 सितंबर को जारी एक पत्र में कहा कि टाटा संस की अर्जी स्वीकार नहीं की जा सकती। केंद्रीय बैंक ने टाटा संस की कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) का दर्जा छोड़ने की मांग को भी नामंजूर कर दिया, जिससे कंपनी के लिए शेयर बाजार में लिस्ट होना अब जरूरी हो गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए पद पर न बने रहने की इच्छा जताई है, जिसकी वजह बोर्ड में चल रही असहमति बताई जा रही है।

यूपीआई के बावजूद क्रेडिट कार्ड क्यों हैं खास जानें उनके नए फायदे!, छोटी से बड़ी हर खरीदारी के लिए लोगों की पहली पसंद बन चुका यूपीआई

नई दिल्ली। भारत के डिजिटल भुगतान परिदृश्य में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने क्रांति ला दी है। छोटी से बड़ी हर खरीदारी के लिए लोगों की पहली पसंद बन चुका यूपीआई, अब डेबिट कार्ड के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है, जबकि क्रेडिट कार्ड अपनी रणनीतियों में बदलाव लाकर अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। देश में यूपीआई का इस्तेमाल इतना बढ़ गया है कि किराना स्टोर से लेकर बड़े स्टोर तक, हर जगह क्यूआर कोड के जरिए भुगतान आम हो गया है। इसकी सबसे बड़ी वजह इसकी सहजता और गति है। ग्राहक सिर्फ मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे बैंक खाते से पैसे भेज सकते हैं, जिससे कार्ड निकालने या पिन डालने की जरूरत खत्म हो गई है। इसी आसानी के चलते छोटे दुकानदार भी इसे तेजी से अपना रहे हैं।

फेड के बयान, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद बाजार के लिए अहम रहेगा आगामी सप्ताह

मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों के लिए आगामी सप्ताह बेहद अहम होने वाला है। पिछले सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण देखी गई गिरावट के बाद, अब निवेशकों की निगाहें तीन प्रमुख वैश्विक और घरेलू आर्थिक संकेतकों पर टिकी रहेंगी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक, भारत के खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े, और कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय चाल मिलकर इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मुक्त बाजार समिति की बैठक 15 और 16 सितंबर को निर्धारित है।

इस बैठक में लिए जाने वाले नीतिगत फैसले और फेड चेयरमैन का बयान वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजारों के लिए भी एक अहम दिशा निर्धारित करेगा। ब्याज दरों पर कोई भी संकेत या अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर फेड का दृष्टिकोण दुनियाभर के निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित करेगा।

फेड के किसी भी कठोर रुख से वैश्विक इक्विटी बाजारों में बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है। घरेलू मोर्चे पर, भारत के खुदरा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक महंगाई के आंकड़े इसी सप्ताह जारी होने वाले हैं। ये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी मौद्रिक नीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। यदि महंगाई उम्मीद से अधिक रहती है, तो यह बाजार की चिंताएं बढ़ा सकता है, क्योंकि इससे ब्याज दरों में बढ़ोतरी की अटकलें तेज होंगी। वहीं, नियंत्रण में रहने पर निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा। कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर निवेशकों की प्राथमिक चिंता का विषय बनी हुई हैं। पिछले सप्ताह इसमें आई भारी तेजी घरेलू बाजारों में गिरावट का एक प्रमुख कारण रही थी। इस सप्ताह भी कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल कंपनियों की लागत बढ़ाती हैं, बल्कि महंगाई और रुपये पर भी दबाव डालती हैं, जिससे बाजार की धारणा प्रभावित होती है।

इंडियन बैंक जीवन बीमा एसेट मैनेजमेंट में उतरेगा, दुबई में प्रतिनिधि कार्यालय और नए देशों में मौजूदगी की भी योजना

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक जीवन बीमा और संपत्ति प्रबंधन (म्यूचुअल फंड) कारोबार में उतरने की अपनी योजना को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। बैंक के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि इन क्षेत्रों में प्रस्तावित अनुषंगी कंपनियों या संयुक्त उद्यमों के लिए जल्द ही निदेशक मंडल से मंजूरी ली जाएगी। अधिकारी ने पुष्टि की कि यह योजना पूरी तरह पटरी पर है। बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद, बैंक आवश्यक नियामकीय और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को शुरू करेगा। कुमार ने इस पूरी कवायद में सही साझेदार की पहचान को सबसे महत्वपूर्ण बताया, जिससे तेजी से कारोबार का विस्तार और संपत्ति सृजन हो सके। उन्होंने अनुमान जताया कि इस पूरी प्रक्रिया में लगभग एक साल का समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि अनुषंगी कंपनियां या संयुक्त उद्यम रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होते हैं, जो संपत्ति सृजन के साथ-साथ ब्रांड को भी मजबूत करते हैं। इंडियन बैंक पहले से ही साधारण बीमा क्षेत्र में यूनिवर्सल सोमपो जनरल इंश्योरेंस कंपनी में 28.52 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ मौजूद है। वैश्विक विस्तार के मोर्चे पर, इंडियन बैंक दुबई में एक प्रतिनिधि कार्यालय खोलने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य पश्चिम एशिया में बसे बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय से मिलने वाले कारोबारी अवसरों का लाभ उठाना है। बैंक के बोर्ड ने दुबई कार्यालय को मंजूरी दे दी है और अब नियामकीय मंजूरियां ली जा रही हैं। इंडियन बैंक की वर्तमान में सिंगापुर और श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय शाखाएं हैं, जबकि बैंक मलेशिया और इंडोनेशिया में भी अपनी मौजूदगी स्थापित करने की संभावनाएं तलाश रहा है।

पेटेंट कार्यालय के लोगो के अनाधिकृत उपयोग पर नकेल, मंत्रालय की पूर्व-मंजूरी अनिवार्य

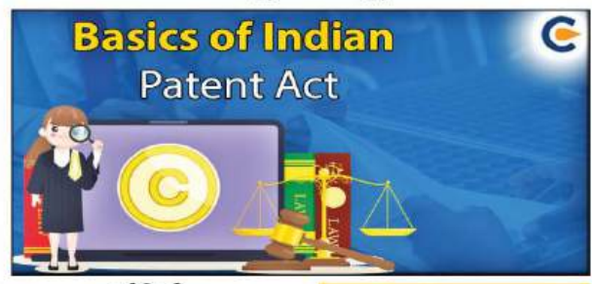

सरकारी पहचान का दुरुपयोग रोकने के लिए डीपीआईआईटी का सख्त कदम

नई दिल्ली

भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) की आधिकारिक पहचान और लोगो के अनाधिकृत उपयोग पर अब सख्त रोक लगा दी गई है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि आईपीओ के लोगो, प्रतीक चिह्न या उससे मिलते-जुलते डिजाइन का इस्तेमाल अब संबंधित मंत्रालय की पूर्व-मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकेगा। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। डीपीआईआईटी द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, कोई भी व्यक्ति, कारोबारी संस्था, डिजिटल मंच, ट्रेडमार्क या पेटेंट एजेंट अथवा कानूनी व्यवसायी किसी भी माध्यम – प्रिंट, डिजिटल, सोशल मीडिया, वेबसाइट या प्रायोजित आनलाइन विज्ञापन – में भारतीय पेटेंट कार्यालय के आधिकारिक लोगो का उपयोग, अनुकूलन या प्रदर्शन बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के नहीं कर सकेंगे। पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय (सीजीपीडीटीएम) के संज्ञान में आया था कि कई व्यक्ति, एजेंसियां और आनलाइन कानूनी सेवा मंच अपनी वेबसाइटों, सोशल मीडिया खातों और प्रचार सामग्री में भारतीय पेटेंट कार्यालय के लोगो का कथित रूप से अनाधिकृत इस्तेमाल कर रहे थे। डीपीआईआईटी ने चिंता व्यक्त की कि भारतीय पेटेंट कार्यालय का लोगो एक आधिकारिक सरकारी पहचान है और इसके अनधिकृत इस्तेमाल से आम लोगों, पेटेंट आवेदकों और अन्य हितधारकों के बीच सरकारी समर्थन या संबद्धता को लेकर गलत धारणा पैदा हो सकती है।

डीपीआईआईटी ने सभी संस्थाओं और व्यक्तियों को अपनी वेबसाइट, प्रचार बैनर, विजिटिंग कार्ड और आनलाइन पोर्टलों से ऐसे लोगो या भ्रामक रूप से मिलते-जुलते डिजाइन को तत्काल हटाने का निर्देश दिया है। सरकार ने चेतावनी दी है कि भारतीय पेटेंट कार्यालय के लोगो का अनाधिकृत इस्तेमाल, गलत प्रस्तुतीकरण या उसकी नकल प्रतीक और नाम (अनुचित इस्तेमाल को रोकने वाला) अधिनियम 1950, ट्रेडमार्क अधिनियम 1999, कापीराइट अधिनियम 1957 और सूचना प्रौद्योगिकी कानून 2000 के तहत कार्रवाई का आधार बन सकता है।

फार्मा पेटेंट जांच के लिए नए दिशानिर्देश, गुणवत्ता और एकरूपता पर जोर

नई दिल्ली। भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) ने औषधि क्षेत्र में पेटेंट आवेदनों की जांच प्रक्रिया को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मौजूदा दिशानिर्देशों को अद्यतन करने का प्रस्ताव दिया है। जारी मसौदा दिशानिर्देशों में गुणवत्ता, निरंतरता और एकरूपता पर विशेष बल दिया गया है, साथ ही अदालतों के हालिया महत्वपूर्ण फैसलों को भी शामिल किया गया है। आईपीओ ने इस पहल का महत्व बताते हुए कहा कि भारत में फार्मास्युटिकल पेटेंट एक अत्यंत संवेदनशील विषय है। जहां खराब पेटेंट समाज पर अनावश्यक बोझ बन सकते हैं, वहीं मजबूत और उचित पेटेंट नवोन्मेषण तथा प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यालय ने बताया कि वह अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े तंत्र को लगातार बेहतर बना रहा है। दिशानिर्देशों का अद्यतन, विशेष रूप से उत्पाद पेटेंट से जुड़े कई मुद्दों पर अदालतों के स्पष्ट होते फैसलों को ध्यान में रखकर किया गया है।

एसएमएल लिमिटेड अगले 2-3 साल में हो सकती है सूचीबद्ध पूंजी जुटाने के लिए शेयर बाजार में आने पर विचार

नई दिल्ली

कृषि आदान कंपनी एसएमएल लिमिटेड (पूर्व में सल्फर इंडिया लिमिटेड) अगले दो से तीन साल में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने पर विचार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य नई रासायनिक इकाइयों (एनसीई) के विकास के लिए आवश्यक पूंजी जुटाना है। हालांकि, कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और कंपनी अगले एक-दो साल में स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद कर रही है। मुंबई स्थित एसएमएल लिमिटेड उन चुनिंदा भारतीय कंपनियों में से है जो नई और स्वामित्व वाली रासायनिक इकाइयों (एनसीई) पर काम कर रही है। ये सामान्य जेनेरिक उत्पादों से अलग कंपनी द्वारा विकसित किए गए नए अणु हैं। पिछले तीन वर्षों से कंपनी का यह एक महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र रहा है, हालांकि इसके विकास में प्रति एनसीई 7-8 करोड़ डालर का भारी निवेश होता है, जिसका खर्च कंपनी अब तक अपने आंतरिक शोध एवं विकास से उठा रही है।

कंपनी फिलहाल करीब 450-470 करोड़ रुपये की नकदी के साथ लगभग कर्ज-मुक्त स्थिति में है। प्रबंधन इस पूंजी का उपयोग भविष्य में अधिग्रहण, नियामकीय परिसंपत्तियों या एनसीई कार्यक्रम में रणनीतिक साझेदारी के लिए कर सकता है। एसएमएल अपने पारंपरिक सल्फर उर्वरक कारोबार से आगे बढ़कर फसल पोषण, फसल संरक्षण और जैविक उत्पादों पर भी ध्यान दे रही है, जिसमें फसल पोषण अगले तीन वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ने वाला कारोबार होने की उम्मीद है। कमजोर मानसून, अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क और भू-राजनीतिक तनाव के कारण परिवहन में बाधाओं को देखते हुए, एसएमएल ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपना राजस्व लक्ष्य घटाकर 1,600 करोड़ रुपये कर दिया है, जो पहले 1,800 करोड़ रुपये था। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष के 1,200-1,300 करोड़ रुपये के कारोबार से अधिक रहेगा। कंपनी ने उत्पादों की कीमतों में 15-20 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी की है। कंपनी का अंतरराष्ट्रीय कारोबार 80 से अधिक देशों में फैला है, जिससे पिछले वित्त वर्ष में 600-700 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था। इस वित्त वर्ष में इसके 700-800 करोड़ रुपये और अगले दो वर्षों में 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें निर्यात राजस्व में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी फसल संरक्षण उत्पादों (कीटनाशक और फफूंदनाशक) की है।

एशिया के बेस्ट वर्कप्लेस 2026 : भारत का दबदबा कायम, टाप-100 में 34 भारतीय कंपनियां

फ्लिपकार्ट, इंफोसिस समेत कई भारतीय कंपनियों का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली

दुनियाभर की कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए कौन सा कार्यस्थल सबसे बेहतर है, इसका पता लगाने के लिए ग्रेट प्लेस टू वर्क ने एशिया के सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों की नई लिस्ट जारी की है। यह रैंकिंग कर्मचारियों की राय और उनके अनुभवों के आधार पर तैयार की गई है, जिसमें भारत ने अपना जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

इस लिस्ट में शामिल टाप-100 बड़ी कंपनियों में 34 भारतीय कंपनियों ने जगह बनाई है, जो देश की मजबूत कार्य संस्कृति का प्रमाण है। ग्रेट प्लेस टू वर्क की यह प्रतिष्ठित लिस्ट एशिया और मिडिल ईस्ट के लगभग 89 लाख कर्मचारियों के अनुभवों को शामिल करते हुए तैयार की गई है। कर्मचारियों से कंपनी में भरोसे, नेतृत्व, काम के माहौल, नए विचारों को बढ़ावा, कंपनी के मूल्यों और उनके कुल अनुभव के बारे में पूछा गया था। इस अध्ययन में कंपनियों के आकार या कमाई की बजाय कर्मचारियों के वास्तविक अनुभव को ही मूल्यांकन का आधार बनाया गया है। बड़ी कंपनियों की श्रेणी में वैश्विक स्तर पर जिन 10 कंपनियों को सर्वश्रेष्ठ माना गया है, उनमें हिलटन, मैरियोट इंटरनेशनल, सिस्को, एब्वी, डीएचएल, इंटरकान्टिनेंटल होटल्स ग्रुप, माइक्रो टेक्नोलाजी, टीपी, एसेंचर और कैपेला का नाम शामिल है। इस पूरी रैंकिंग में भारत का प्रदर्शन बेहद मजबूत रहा है।

बड़ी कंपनियों की टाप-100 लिस्ट में 34 कंपनियां भारत की हैं। इनमें फ्लिपकार्ट ग्रुप, इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, एयू स्माल फाइनेंस बैंक, रिलायंस रिटेल, बजाज फाइनेंस, मैक्स हेल्थकेयर, उज्जीवन स्माल फाइनेंस बैंक, जेनसर टेक्नोलाजीज, एक्सपीरियन, एडलवीज लाइफ और एचपी इंक जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा, छोटी और मध्यम कंपनियों की लिस्ट में एनआईए इंस्टीट्यूशंस, वहदम इंडिया, चैलेट होटल्स, सेरेंटिका रिन्यूबल इंडिया, किम्बल और एलएमएस (लार्ड महावीरा सर्विसेज इंडिया) सहित 6 भारतीय कंपनियों ने भी अपनी जगह बनाई है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लिस्ट में शामिल लगभग 93 फीसदी कर्मचारियों ने अपनी कंपनी को काम करने के लिए एक बेहतरीन जगह बताया। वहीं, ट्रस्ट इंडेक्स का औसत स्कोर 91 फीसदी रहा। कर्मचारियों ने खास तौर पर आफिस में सुरक्षा का अच्छा माहौल, नए कर्मचारियों का स्वागत और अपनापन, तथा सभी के साथ समान व्यवहार जैसे पहलुओं पर 95 फीसदी से अधिक सकारात्मक राय दी है, जो दर्शाता है कि कंपनियां कर्मचारियों के कल्याण पर विशेष ध्यान दे रही हैं।

यूएस ओपन 2026 : शेल्टन इतिहास रचने से एक कदम दूर, फाइनल में ज्वेरेव से होगी खिताबी जंग

नई दिल्ली

बेन शेल्टन अब यूएस ओपन 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रचने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। अमेरिकी टेनिस स्टार शेल्टन का फाइनल में सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। अगर शेल्टन यह मुकाबला जीतते हैं, तो वह 23 साल बाद यूएस ओपन पुरुष एकल का खिताब जीतने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बन जाएंगे।

शेल्टन ने सेमीफाइनल में हमवतन फ्रांसेस टियाफो को हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब पहली ग्रैंड स्लैम ट्राफी उनके बेहद करीब है और शेल्टन इस मौके को लेकर पूरी तरह उत्साहित हैं।

जियोस्टार की ओर से साझा किए गए एक इंटरव्यू में शेल्टन ने फाइनल को लेकर कहा कि मैं पूरी तरह तैयार हूं। मैं कोर्ट पर अपना सब कुछ झोंक दूंगा। जीतूं या हारूं, मुझे अपने प्रदर्शन और अब तक किए गए सफर पर गर्व रहेगा। लेकिन यही मेरा सपना है। मैं इसी के लिए खेल रहा हूं। सपना अब मेरे सामने है और मैं निश्चित रूप से अपनी कोशिश में कोई कमी नहीं छोड़ूंगा।

उन्होंने आगे कहा कि वह तत्काल सफलता के बजाय खुद को लगातार बेहतर बनाने पर विश्वास करते हैं और एक बेहतर टेनिस खिलाड़ी बनने के लिए अभी उन्हें काफी आगे जाना है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि अब लक्ष्य सिर्फ एक मैच दूर है और वह फाइनल में अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हैं।

अमेरिकी टेनिस के लिए ऐतिहासिक मौका - शेल्टन की फाइनल तक पहुंचने की उपलब्धि पहले ही अमेरिकी टेनिस के लिए खास बन चुकी है। 2003 में एंडी राडिक के यूएस ओपन जीतने के बाद से कोई भी अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी इस ग्रैंड स्लैम का पुरुष एकल खिताब नहीं जीत सका है। इसके अलावा शेल्टन यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले आर्थर ऐश के बाद पहले अश्वेत अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी भी बन गए हैं।

अपनी उपलब्धि के महत्व पर बात करते हुए शेल्टन ने अपने परिवार और उन सभी लोगों को श्रेय दिया, जिन्होंने उनके करियर में उनका साथ दिया।

उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए सब कुछ है। बहुत से लोगों ने मेरे लिए बहुत कुछ त्याग किया है, ताकि मैं आज इस स्थिति में पहुंच सकूं। जब मैं इस बारे में सोचता हूं तो मेरे मन में हमेशा उन लोगों के लिए आभार रहता है, जिन्होंने मेरा साथ दिया और मेरे पीछे खड़े रहे। शेल्टन ने कहा कि इतिहास का हिस्सा बनना शानदार है, लेकिन उनका काम अभी पूरा नहीं हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट सीरीज 3-0 से जीती, एक भी खिलाड़ी शतक नहीं लगा पाया

एजबेस्टन । इंग्लैंड ने यहां हुए तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी मेहमान टीम पाकिस्तान को हराकर 3-0 से सीरीज जीती है। दोनो ही टीम के क्रिकेट इतिहास में ये पहली बार है जब सीरीज में एक भी खिलाड़ी शतक नहीं लगा पाया। इस सीरीज में कुल 20 अर्धशतक लगे पर कोई भी बल्लेबाज 100 रनों तक नहीं पहुंच पाया, यानी किसी भी खिलाड़ी ने शतक नहीं जड़ा। ऐसा क्रिकेट इतिहास में पहली बार हुआ है। इससे पहले 1993 में पाकिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच हुई टेस्ट सीरीज में भी कोई बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया था। तब भी 18 अर्धशतक लगे थे, मगर कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया था। इसी प्रकार सल 1969 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुई टेस्ट सीरीज में भी नौ अर्धशतक लगे थे पर शतक एक भी नहीं लगा थ। यह भी हैरानी की बात है कि टेस्ट क्रिकेट में बिना शतक के सबसे अधिक अर्धशतकों वाली शीर्ष-5 सीरीज की सूची में पाकिस्तान का नाम तीन बार दर्ज है। तीन मैचों की इस टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में पाक टीम नौवें नंबर के बल्लेबाज रजाउल्लाह खान के कारण मैच को चौथे दिन तक खींचने में सफल रहा पर हार से बच नहीं पाया। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट के नाबाद अर्धशतक 62 रनों और जार्डन कॉक्स के नाबाद 59 रनों की सहायता से मेजबानों ने 130 रन के छोटे से लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। इस प्रभावशाली जीत के साथ, इंग्लैंड ने एक दिन शेष रहते हुए सीरीज में 3-0 से बड़ी जीत हासिल की है। यह साल 2024 के बाद इंग्लैंड की पहली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में पहली क्लीन स्वीप थी, इससे पहले उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ ये कारनामा किया था।

वनडे क्रिकेट में रोहित शर्मा का अटूट 264 का विश्व कीर्तिमान

नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट, जो कभी धैर्य और संभलकर खेलने वाला फार्मेट माना जाता था, अब बल्लेबाजों की आक्रामक शैली और चौके-छक्कों की आतिशबाजी से परिभाषित होता है। जब कोई बल्लेबाज क्रीज पर टिककर व्यक्तिगत रूप से 200 से अधिक रनों का आंकड़ा पार करता है, तो वह केवल स्कोरबोर्ड को नहीं बढ़ाता, बल्कि विपक्षी गेंदबाजों के हौसले पस्त कर देता है। इतिहास के ऐसे ही पांच सबसे बड़े व्यक्तिगत वनडे स्कोरों ने क्रिकेट जगत में खलबली मचा दी थी और कई रिकार्ड बनाए। इस सूची में सबसे पहला और अविश्वसनीय नाम भारत के हिटमैन रोहित शर्मा का आता है। कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में 13 नवंबर 2014 का दिन वनडे क्रिकेट के सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया, जब श्रीलंका के खिलाफ रोहित शर्मा ने 173 गेंदों में रिकार्ड 264 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली।

सीएसके के नए हेड कोच पर जल्द फैसला, हेमांग बदानी सबसे मजबूत दावेदार

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के नए हेड कोच को लेकर चल रहा सस्पेंस अब जल्द खत्म हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अगले एक से दो सप्ताह में फ्रेंचाइजी नए कोच के नाम की आधिकारिक घोषणा कर सकती है। पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम ने लंबे समय तक कोच रहे स्टीफन फ्लेमिंग से अलग होने के बाद नए नेतृत्व की तलाश शुरू कर दी है। इस दौड़ में पूर्व भारतीय बल्लेबाज हेमांग बदानी का नाम सबसे मजबूत दावेदार के तौर पर सामने आया है। चेन्नई सुपर किंग्स ने लगातार तीन सत्र प्लेआफ में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद अपने कोचिंग ढांचे में बदलाव का फैसला किया। स्टीफन फ्लेमिंग के साथ लंबे समय से चला आ रहा सफल दौर समाप्त होने के बाद टीम अब नए नजरिए के साथ आगे बढ़ना चाहती है। टीम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कासी विश्वनाथन ने भी संकेत दिया था कि नए हेड कोच की तलाश की जिम्मेदारी महेंद्र सिंह धोनी को सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि धोनी नए कोच के रूप में किसी भारतीय को प्राथमिकता दे रहे हैं। उनका मानना है कि आईपीएल में घरेलू खिलाड़ियों और भारतीय प्रतिभाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे में भारतीय परिस्थितियों, खिलाड़ियों और घरेलू क्रिकेट की बेहतर समझ रखने वाला कोच टीम के लिए ज्यादा प्रभावी हो सकता है। हेमांग बदानी के पक्ष में उनका कोचिंग अनुभव और घरेलू परिस्थितियों की जानकारी सबसे बड़ी वजह मानी जा रही है। वह दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रह चुके हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की एसए20, संयुक्त अरब अमीरात की आईएलटी20 और श्रीलंका की एलपीएल जैसी टी20 लीगों में भी कोचिंग की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुकाबले अब आधे घंटे पहले शुरु होंगे

टोक्यो

इसी माह 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में शुरु हो रहे एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कार्यक्रम में बदलाव किया गय है। आयोजकों ने पुरुष टीम के कुछ नाकआउट मैचों को उनके निर्धारित समय से 30 मिनट पहले शुरू करने का फैसला किया है। नए कार्यक्रम के अनुसार, दोपहर के सत्र में खेले जाने वाले पुरुष वर्ग के मुकाबले अब पहले से तय दोपहर 2 बजे के बजाय स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरू होंगे पर महिला वर्ग के मैचों के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है और वे पहले घोषित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को इन सीधे क्वार्टर फाइनल में उतरना है। समय में बदलाव इसलिए किया गया है क्योंकि जापान का समय भारतीय टीम से 3 घंटे और 30 मिनट पहले है और वहां जल्दी अंधेरा होता है। भारतीय दर्शक इस मैच को सुबह 10 बजे से देख सकेंगे। एशियाई खेलों की आधिकारिक वेबसाइट पर भी पुरुषों के मैचों के लिए समय दोपहर 1:30 बजे ही दर्शाया गया है। भारतीय पुरुष टीम अपना क्वार्टर फाइनल मैच 28 सितंबर को खेलेगी।

मैचों के समय में बदलाव कर इसे 30 मिनट पहले शुरु करने से केवल शुरुआती नाकआउट मैचों पर ही नहीं पड़ेगा, बल्कि दूसरे सेमीफाइनल और फाइनल पर भी इसका असर होगा। ये मुकाबले अब भारतीय समय के अनुसार दोपहर 1:30 बजे से खेले जाएंगे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, समय-सारणी में हुए इन बदलावों की जानकारी अभी तक सभी प्रतिभागी टीमों को नहीं दी गई है। यहां तक की आधिकारिक तौर पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अधिकारियों को भी ये जानकार नहीं मिली है। सुबह के सत्र में होने वाले मैचों के समय में कोई फेरबदल नहीं किया गया है। ये मैच स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे, यानी भारतीय समय के अनुसार सुबह 5:30 बजे ही शुरू होंगे। टाइमिंग में बदलाव इसीलिए किया गया है क्योंकि जापान में जल्दी अंधेरा होता है। सभी क्रिकेट मुकाबले कोरोगी एथलेटिक पार्क में आयोजित किए जाएंगे, और यहां फ्लड लाइट्स की सुविधा भी नहीं है। इस कारण भी मैच जल्द रखे गये हैं।

लाला अमरनाथ और सुरिंदर अमरनाथ के नाम दर्ज है क्रिकेट का अनोखा पिता-पुत्र रिकार्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में लाला अमरनाथ और उनके बड़े बेटे सुरिंदर अमरनाथ के नाम टेस्ट क्रिकेट का एक ऐसा अनोखा रिकार्ड दर्ज है, जिसकी बराबरी अब तक कोई अन्य पिता-पुत्र नहीं कर सके हैं। साल 1933 में लाला अमरनाथ ने इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई के जिमखाना मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। अपने पहले ही टेस्ट मैच में उन्होंने 118 रन की शानदार पारी खेली और इतिहास रच दिया। यह टेस्ट क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज का पहला शतक था। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने उस दौर में भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास को नई मजबूती दी। इसके करीब 43 साल बाद जनवरी 1976 में उनके बड़े बेटे सुरिंदर अमरनाथ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आकलैंड में टेस्ट पदार्पण किया। उन्होंने भी अपने पहले ही टेस्ट में शानदार शतक जड़ते हुए 124 रन की पारी खेली। इस तरह लाला अमरनाथ और सुरिंदर अमरनाथ ऐसे पिता-पुत्र बने, जिन्होंने अपने-अपने टेस्ट पदार्पण में शतक लगाया। यह क्रिकेट इतिहास के सबसे दुर्लभ संयोगों में से एक है। लाला अमरनाथ अपने दौर के बेहतरीन आलराउंडरों में शामिल थे। 1936 के इंग्लैंड दौरे के दौरान उन्होंने टीम प्रबंधन से जुड़े मतभेदों के कारण दौरे के बीच भारत लौटने की स्थिति का सामना किया, लेकिन उनके तेवर और आत्मसम्मान में कोई कमी नहीं आई। आजादी के बाद उन्होंने स्वतंत्र भारत की कप्तानी संभाली और 1952 में पाकिस्तान के खिलाफ भारत को टेस्ट सीरीज जीत दिलाने वाली टीम का नेतृत्व किया। सुरिंदर अमरनाथ ने भी अपने पिता की तरह आक्रामक और आकर्षक बल्लेबाजी से पहचान बनाई। उन्होंने महज 15 वर्ष की उम्र में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया था। हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले और वह भारत के लिए 10 टेस्ट तथा 3 वनडे मैच ही खेल सके। घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। अमरनाथ परिवार की क्रिकेट विरासत का एक दिलचस्प अध्याय 1964 में भी देखने को मिला, जब 53 वर्षीय लाला अमरनाथ और 15 वर्षीय सुरिंदर अमरनाथ एक चैरिटी मैच में साथ मैदान पर उतरे थे। बाद में लाला के दूसरे बेटे मोहिंदर अमरनाथ ने भी भारतीय क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई। इस तरह अमरनाथ परिवार ने भारतीय क्रिकेट की कई पीढ़ियों को प्रभावित किया।

हाकी इंडिया के महानिदेशक आरके श्रीवास्तव निलंबित, ड्यूटी में लापरवाही का आरोप

नई दिल्ली

हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने संगठन के महानिदेशक कमांडर आरके श्रीवास्तव के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही उन्हें तत्काल प्रभाव से महानिदेशक के पद से जुड़े सभी दायित्व और अधिकारों का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश दिया गया है।

कारण बताओ नोटिस में श्रीवास्तव पर कर्तव्य में लापरवाही और जानबूझकर निर्देशों की अवहेलना समेत कई आरोप लगाए गए हैं। इनमें विश्व कप से पहले बिना पूर्व अनुमति राष्ट्रीय टीम की जर्सी के रंगों में बदलाव का फैसला प्रमुख है।

नोटिस के अनुसार, टिर्की के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद श्रीवास्तव के विश्व कप के लिए यात्रा करने को लेकर भी आपत्ति जताई गई है। अध्यक्ष कार्यालय ने उनके स्थान पर पूर्व खिलाड़ियों सुबद्रा प्रधान, रानी रामपाल और सरदार सिंह को चयनकर्ता एवं जूनियर कोच के रूप में यात्रा की मंजूरी दी थी, लेकिन नोटिस में कहा गया है कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं दी गई।

श्रीवास्तव पर हाकी इंडिया लीग से जुड़े फ्रेंचाइजी समन्वय और प्राथमिकता वाले कार्यों में भी कथित तौर पर मनमाने फैसले लेने का आरोप है। इसके अलावा अनुबंधित जनसंपर्क एजेंसी के खिलाफ निर्देशित अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं करने और दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान खिलाड़ियों तथा मुख्य कोच क्रेग फुल्टन से जुड़े कथित दुर्व्यवहार की शिकायतों पर कार्रवाई का प्रमाण उपलब्ध नहीं कराने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं।

नोटिस में विक्रम पाल से जुड़े आरोपों पर आंतरिक/पीओएसएच समिति की कार्यवाही और रिपोर्ट रिकार्ड में उपलब्ध न होने तथा एफआईएच, एएचएफ और राष्ट्रीय महासंघों से प्राप्त कुछ संचार को रोके जाने का भी उल्लेख है।

हाकी इंडिया ने कहा है कि आगे की कार्रवाई संस्था के उपनियमों के अनुसार की जाएगी। श्रीवास्तव को सभी आधिकारिक रिकार्ड, दस्तावेज, फाइलें, एक्सेस क्रेडेंशियल, संपत्तियां और लंबित मामलों का परिचालन प्रभार अध्यक्ष कार्यालय द्वारा नामित अधिकारी को सौंपने का निर्देश दिया गया है।

टेस्ट क्रिकेट के शर्मनाक रिकार्ड: बांग्लादेश का 21 हार का लंबा सिलसिला

नई दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट का इतिहास जितना गौरवशाली है, उतना ही यह अप्रत्याशित और निर्मम भी रहा है, जहाँ जीत के बड़े-बड़े कीर्तिमानों के साथ-साथ लगातार हार का एक ऐसा सिलसिला भी दर्ज है जो टीमों के मनोबल को तोड़ देता है। टेस्ट क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा मुकाबले हारने का शर्मनाक रिकार्ड बांग्लादेश के नाम दर्ज है। नवंबर 2001 से फरवरी 2004 के बीच, बांग्लादेशी क्रिकेट टीम एक ऐसे बुरे दौर से गुजरी जहाँ उसे लगातार 21 टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा। यह सिलसिला 15 नवंबर 2001 को चटगांव में जिम्बाब्वे के खिलाफ 8 विकेट की हार से शुरू हुआ था और 19 फरवरी 2004 को हरारे में जिम्बाब्वे के हाथों ही 183 रन की हार के साथ खत्म हुआ, जिसने इतिहास का सबसे लंबा पराजय-सिलसिला रच दिया। इस दौरान बांग्लादेश को न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमों से लगातार करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। जिम्बाब्वे की टीम भी दो अलग-अलग मौकों पर हार के भंवर में फंसी। उनका पहला दौर दिसंबर 2001 से जून 2003 के बीच आया, जब टीम को लगातार 11 टेस्ट मैचों में हार मिली। इस दौरान उन्हें श्रीलंका, भारत, पाकिस्तान और इंग्लैंड जैसी टीमों ने मात दी।

सीपीएल : बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने आखिरी गेंद पर जीता मुकाबला, प्लेआफ में बनाई जगह

ब्रिजटाउन

बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने सैड्रैक डेसकार्टे के शानदार अर्धशतक और गुडाकेश मोती के आलराउंड प्रदर्शन के दम पर केंसिंग्टन ओवल में खेले गए कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के 34वें मुकाबले में जमैका किंग्समेन को आखिरी गेंद पर हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ट्राइडेंट्स ने प्लेआफ में जगह पक्की कर ली। बेहतर नेट रन रेट के आधार पर जमैका भी चौथी टीम के रूप में प्लेआफ में पहुंच गई।

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए जमैका ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाए। जवाब में बारबाडोस ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 151 रन बनाते हुए जीत अपने नाम की। 151 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बारबाडोस की शुरुआत खराब रही और टीम ने पावरप्ले में 36 रन पर 3 विकेट खो दिए। जैकरी कार्टर 03, ब्रैंडन किंग 18 और रिवाल्डो क्लार्क एक रन पर आउट होकर टीम की मुश्किलें बढ़ा गए। इसके बाद सैड्रैक डेसकार्टे और क्विंटन डी काक ने पारी को संभालने की कोशिश की। हालांकि, डी काक 14 रन बनाकर आउट हो गए। शेरफेन रदरफोर्ड भी 5 रन बनाकर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हुए।

76/5 के स्कोर पर बारबाडोस की पारी संकट में नजर आ रही थी, लेकिन डेसकार्टे ने आक्रामक अंदाज अपनाया और कुछ बड़े शाट लगाते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। डेसकार्टे 17वें ओवर की शुरुआत में आंद्रे रशेल की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद डेनियल सैम्स 5 और क्रिस ग्रीन 17 रन की उपयोगी पारी खेलकर आउट हुए। बारबाडोस को आखिरी ओवर में 17 रन चाहिए थे।

आखिरी ओवर में गुडाकेश मोती ने पहले चौका और फिर एक छक्का जड़ दिया। आखिरी दो गेंदों पर जीत के लिए दो रन चाहिए थे, जो बाबाडोस ने बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। गुडाकेश मोती 8 गेंदों में 2 चौके और एक छक्का लगाकर नाबाद 17 रन बनाए।

इससे पहले जमैका किंग्समेन ने 150 रन का स्कोर खड़ा किया। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन माज सदाकत ने बनाए, जिन्होंने 34 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 47 रन का पारी खेली। सदाकत के अलावा उस्मान खान 18 रन, हसन खान 16 रन,केसी कार्टी15 रन, किर्क मैकेंजी 11 आंद्रेस रसेल 10 और कप्तान रोवमैन पावेल ने 8 रन का योगदान दिया।

क्रिकेट के बाद अब टीवी पर रोहित शर्मा की नई पारी, नान-कमिटल टी-शर्ट ने मचाई हलचल

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अब क्रिकेट के मैदान से निकलकर छोटे पर्दे पर नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शांत कप्तानी और मजाकिया अंदाज के लिए मशहूर रोहित अब पहली बार टीवी होस्ट की भूमिका में नजर आएंगे। उनका नया गेम शो फैमिली फुल हाउस 19 सितंबर 2026 से सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होने जा रहा है।

शो के सेट से सामने आई पहली झलक और पर्दे के पीछे के वीडियो ने प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। शो के सेट पर रोहित के लिए खास लाउंज तैयार किया गया है, जिसे उनके क्रिकेट करियर की यादों से सजाया गया है। लाउंज की दीवार पर उनकी 45 नंबर की मशहूर जर्सी फ्रेम करके लगाई गई है। वहीं एक प्रमुख दीवार पर उनके चर्चित उपनाम हिटमैन को उकेरा गया है। एक शेल्फ पर उनका पसंदीदा बल्ला और हेलमेट भी रखा गया है।

पूरे लाउंज को भारतीय क्रिकेट टीम से जुड़े गहरे नीले रंग में डिजाइन किया गया है। यह सेट रोहित के क्रिकेट सफर और उनके नए टेलीविजन अवतार के बीच खास कड़ी बनाता है। हालांकि शो के सेट से सामने आए एक वीडियो ने मनोरंजन से ज्यादा क्रिकेट प्रशंसकों का ध्यान खींच लिया है। वीडियो में रोहित सफेद टी-शर्ट पहने नजर आ रहे हैं, जिस पर अंग्रेजी में नान-कमिटल लिखा हुआ है। इसके बाद सोशल मीडिया पर इस शब्द को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं। कई प्रशंसक इसे भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के पुराने बयान से जोड़कर देख रहे हैं। दरअसल, अक्टूबर 2025 में रोहित शर्मा और विराट कोहली के 2027 वनडे विश्व कप में खेलने को लेकर सवाल पूछे जाने पर अजीत अगरकर ने दोनों खिलाड़ियों की स्थिति को नान-कमिटल बताया था। अब रोहित की टी-शर्ट पर यही शब्द दिखाई देने के बाद कुछ प्रशंसकों ने इसे अगरकर के बयान पर परोक्ष प्रतिक्रिया या मजाकिया जवाब माना है।

हालांकि रोहित शर्मा की ओर से इस टी-शर्ट के संदेश को लेकर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। क्रिकेट से टेलीविजन तक का यह सफर रोहित के लिए बिल्कुल नया अनुभव है। मैदान पर गेंदबाजों और विपक्षी टीम की रणनीति को समझने वाले रोहित अब स्टूडियो में दर्शकों का मूड समझकर उन्हें मनोरंजन से जोड़े रखने की चुनौती संभालेंगे।

उनकी स्वाभाविक हाजिरजवाबी और हास्यपूर्ण अंदाज को देखते हुए शो में उनका एक अलग रूप देखने को मिल सकता है। फैमिली फुल हाउस के जरिए रोहित शर्मा पहली बार क्रिकेट से अलग अपनी प्रस्तुति क्षमता दिखाते नजर आएंगे।

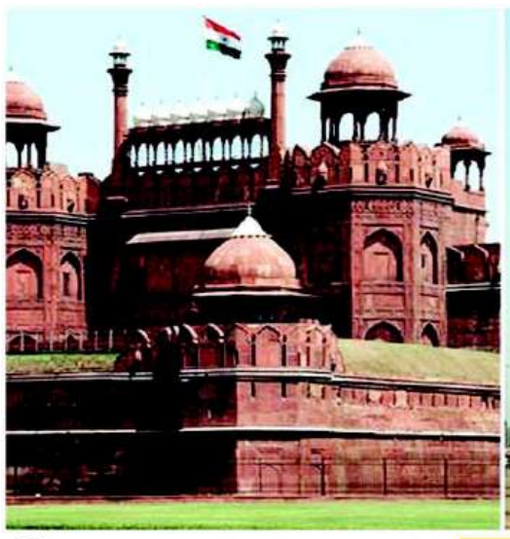

ऐतिहासिक महत्व वाला आधुनिक मेट्रोपॉलिटन शहर है दिल्ली

हिन्दुस्तान का दिल है दिल्ली। जब ऑफिस के काम से आज़ादी हो.. बाहर रोमांटिक सी बरसात हो.. और बस आपके संग एक खूबसूरत सा साथ हो..फिर क्या निकल चलो दिल्ली के सैर सपाटे पर। झमझमाती बारिश में स्कूटी हो या बाइक इंडिया गेट पर दिल्ली वाले अंदाज में तफरी करने का मजा ही कुछ और है.. हुमायूँ की याद में पत्नी हामिदा बानो द्वारा लाल पत्थरों से चुनवाया गया हुमायूँ के मकबरा पर प्यार का इजहार दिल्ली के हर आशिक की ख्वाहिश होती है।

भारत में अनेकता में एकता है तो उसका एक मात्र उदाहरण हमारी प्यार वाली दिल्ली है। नॉर्थ कैम्पस से लेकर साउथ के कॉलेजो में जब छात्र पढ़ने आते हैं, कॉलेजो में दाखिला लेते हैं तब यहां देखने को मिलता है कि हमारी दिल्ली में कितनी विविधता है लेकिन विविधता के बाद भी कॉलेजों में लोगों की दोस्ती होती है और कुछ दोस्त ज़िंदगी भर के लिए भी दोस्त बन जाते हैं। आज भी जब कॉलेज के दिन को याद आती है तो चेहरे पर मुस्कान जरूर दे जाती है। इन्हीं कैम्पसों में प्यार भी पनपता है, कुछ को मुकाम मिलता है कुछ अधूरे रह जाते हैं। दिल्ली की कोई जाति, धर्म, संस्कृति सभ्यता नहीं है ये हर धर्म, जाति को साथ में समेट कर चलता हुआ शहर है।

दिल्ली घूमते वक्त कोई भी यह बात महसूस कर सकता है कि वह ऐतिहासिक महत्व वाले आधुनिक मेट्रोपॉलिटन शहर में है। दिल्ली का इतिहास खूब लंबा और उतार-चढ़ाव वाला रहा है। दिल्ली ने कई साम्राज्यों के उभार और पतन को देखा है। आज की दिल्ली सात शहरों के खंडहरों पर बनी है, जिस पर हिंदू राजपूतों से लेकर मुगल और आखिर में ब्रिटिशों ने राज किया। दिल्ली सही मायनों में एक कॉस्मोपॉलिटन शहर है।

आधुनिक मेट्रोपॉलिटन शहर

दिल्ली में बने कई स्मारक और पर्यटक स्थल प्राचीन काल की याद दिलाते हैं। यहाँ का प्रसिद्ध कुतुब मीनार, लाल किला, इंडिया गेट, लोटस मंदिर और अक्षरधाम मंदिर दिल्ली की वास्तुकला की उत्कृष्ट कृतियों में से एक है। दिल्ली में आप को एक ही जगह पर हर चीज़ मिल जाएगी, जिसके कारण इसे शॉपर्स पैराडाइस भी कहा जाता है। दिल्ली कई साम्राज्यों की राजधानी रही और अगर आप इतिहास प्रेमी हैं तो इसके इस विस्तृत इतिहास को देखने कम से कम एक बार दिल्ली जरूर आना होगा। यहाँ कुतुब मीनार से लेकर लाल किले तक कई ऐसी ऐतिहासिक स्मारक, मस्जिदें, समाधियाँ और अन्य कई धरोहरें मौजूद हैं, जो अपने काल का सबूत देती हैं।

स्मारकों की राजधानी

भारत की राजधानी और राजनीतिक गतिविधियों की राजधानी, इस रमणीय दिल्ली में संसद भवन, राष्ट्रपति भवन जो भारत के राष्ट्रपति का सरकारी आवास है, राजघाट- महात्मा गाँधी की समाधि और अन्य कई आकर्षक स्थल यहाँ हैं।

पुराना किला- दिल्ली का पुराना किला विख्यात पर्यटन स्थल है। इस किले पर मुगल शासक हुंमायूं का कब्जा था बाद में सूरी वंश के संस्थापक शेरशाह सूरी ने इस किले पर कब्जा कर लिया। शेरशाह सूरी के देहांत के पश्चात उसके नाकारा पुत्र इस्लाम शाह को काबुल खदेड़ कर एक बार फिर हुंमायूं ने दिल्ली पर अपनी हुकूमत का झंडा लहराया व किले का निर्माण कार्य दोबारा से शुरू किया और पूर्ण किया। ऊंची दीवारों से घिरे इस किले में दाखिल होने के लिए तीन प्रवेश द्वार हैं। हुंमायूं की मृत्यु इसी किले की सीढ़ियों से गिरकर घायल होकर हुई थी।

क्राफ्ट म्यूजियम- प्रगति मैदान के पास मथुरा रोड पर यह क्राफ्ट म्यूजियम स्थित है। पर्यटक भारत के पारंपरिक शिल्प और लोक कला को इस म्यूजियम में देख सकते हैं। इसमें कोई प्रवेश शुल्क नहीं लगता और सुबह 9.30 से शाम 4.30 बजे तक खुला रहता है। दिल्ली हाट- यह परंपरागत साप्ताहिक बाजार का ही नया रूप है। यहां हस्त शिल्प और सांस्कृतिक गतिविधियों का मिला-जुला रूप देखने को मिलता है। यहां जाकर ग्रामीण परिवेश का अहसास होता है।

हुमायूँ का मकबरा

हमीदा बानो बेगम ने 1565 में इस मकबरे का निर्माण करवाया था। यह मकबरा 43 मी. ऊँचा है और पर्यटकों को सम्मोहित करने वाला है। आठ कोणों वाली समाधि पर लाल गुंबद व सतरंगी संगमरमर के स्थापत्य में गजब का समन्वय है जोकि देखते ही बनता है। निकट ही हाजी बेगम की समाधि है। यह समाधि स्थल हाजी बेगम द्वारा ही निर्मित है। दोनों पति-पत्नी के अलावा यहां बहादुर शाह जफर व उनके पुत्र की समाधियां भी हैं।

दिल्ली के रोमांटिक हैंगआउट झोन

कनॉट प्लेस- दिल्ली के स्कूल या कॉलेज के क्राउड के लिए कनॉट प्लेस सबसे बेस्ट प्लेस माना जाता है। घूमने के अलावा दिल्ली की लड़कियों का मशहूर शॉपिंग पॉइंट है कनॉट प्लेस का जनपथ मार्केट। कनॉट प्लेस दिल्ली शहर की आत्मा है। यह ऐसी जगह है, जो पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

आप के पास रुपयों से बड़ी चीज है, जानिए आखिर वो क्या है

ये इतनी बड़ी चीजें हैं कि इन का रुपए से कोई संबंध नहीं है. रुपया तो इन के सामने धूल के बराबर है, मिट्टी के बराबर है. रुपया किसी काम का नहीं है इन के आगे. इन अनमोल चीजों को महान उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करें.

सृष्टि के पीछे छिपी भावना हरेक जीव के कल्याण की है. इस ब्रह्मांड में पृथ्वी सहित सभी ग्रह तारे, सूर्य, चंद्रमा का आपस में आदानप्रदान के सहारे ही अस्तित्व बना हुआ है. ब्रह्मांड की अब तक की खोज में मनुष्य सब से बुद्धिमान प्राणी है. मनुष्य के पास इन अनमोल चीजों के बलबूते अर्जित की गई विभिन्न क्षेत्रों की कुछ ऐतिहासिक उपलब्धियों के बारे में आप भी जानिए.

''खुश रहना जीवन का मूलमंत्र है. जब तक आत्मसंतुष्टि नहीं होगी, तब तक सबकुछ गलत और विपरीत लगेगा. अच्छे कर्म से खुशी मिलेगी और खुशी से आनंद आएगा. इसी आनंद से संतुष्टि मिलगी.'' ये विचार कोयंबटूर के ईशा फाउंडेशन के संस्थापक वासुदेव के हैं.

जब मनुष्य जन्म लेता है तो बड़ा होतेहोते उस पर 5 प्रकार के ऋण आ जाते हैं. उन में से एक ऋण राजा का होता है. आज के जमाने में राज्य का स्वरूप बदल गया है और अब राजा नहीं होता, उस की जगह हमारी चुनी हुई सरकार ने ले ली है. राजा का यह ऋण अब हम सरकार को ही टैक्स दे कर चुकाते हैं. इस के बदले में सरकार हमें विभिन्न प्रकार के साधन मुहैया करवाती है, ताकि हम अपना जीवन सुचारु रूप से चला सकें. हमें जीवनोपयोगी साधनों का उपयोग अपनी आवश्यकता के अनुसार करना चाहिए. ईमानदारी से नौकरी या व्यवसाय करना ही अपने विकास का सब से सरल व एकमात्र उपाय है.

ऐसे कई महापुरुषों के उदाहरण हमारे सामने हैं जो लोक कल्याण की भावना से अपनी नौकरी या व्यवसाय द्वारा अपने व्यक्तित्व का विकास कर के युगोंयुगों तक अपनी पहचान बना ली.

भारतीय मैनेजमैंट शिक्षा प्रणाली अब हुनर व कुशलता आधारित शिक्षा पर ज्यादा जोर दे रही है, क्योंकि तेजी से बदलते इस आधुनिक युग में कौर्पोरेट्स को भी ऐसे ही कुशाग्र बुद्धि वाले हुनरमंद उम्मीदवारों की आवश्यकता है. हौलीवुड की मूवी 'आयरनमैन' में दिखाया गया है कि जारविस नाम का सुपर कंप्यूटर एक इशारे पर हीरो की हर बात समझ कर उसे पूरा कर देता है. इस से प्रेरणा ले कर फेसबुक के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग ने भी अपने घर के लिए जारविस को डिजाइन कर लिया है.

जुकरबर्ग ने यह सिस्टम अपने बिजी शेड्यूल से समय निकाल कर खुद डिजाइन किया है. वे जारविस को इतना स्मार्ट बनाना चाहते हैं कि वह उन के लिए खाना भी बना सके. इतना ही नहीं, जुकरबर्ग इस सौफ्टवेयर को दुनियाभर के लोगों के लिए फ्री में उपलब्ध कराने के बारे में भी सोच रहे हैं.

लेखक अर्नेस्ट हेमिंग्वे कहते हैं, ''आप दूसरों पर विश्वास कर सकते हैं, यह जानने का एक ही तरीका है कि उन पर विश्वास करें.'' स्टीव जौब्स ने कहा है, ''काम जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा है. संतुष्ट होने का एक ही तरीका है कि वह करें, जिसे अच्छा मानते हैं. अच्छा तभी होगा कि जो कर रहे हैं, उस से प्यार करें. अगर अभी अपनी पसंद का काम नहीं मिला है तो उसे ढूंढ़ते रहें, समझौता न करें.''

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित बौब डिलन कहते हैं, ''वही सफल है जो सुबह उठता है और रात को बिस्तर पर जाता है और इस बीच वही करता है, जो वह करना चाहता है.''

आज की जरूरत

अपने मस्तिष्क की कीमत समझने वाले प्रसिद्ध भौतिकशास्त्री स्टीफन हाकिंस ने कहा, ''हमारी धरती के लिए यह बहुत खतरनाक समय है. हमारे पास धरती को नष्ट करने की तकनीक तो मौजूद है, पर हम वह नहीं तलाश पाए, जो इसे बचा सके. संभव है, कुछ सौ वर्षों में हम नक्षत्रों के आसपास भी अपनी कालोनी बना और बसा ले जाएं, मगर फिलहाल हमारे पास एक ग्रह पृथ्वी है और सब से बड़ी जरूरत इसे बचाने के लिए मिल कर काम करने की है. ऐसा करने के लिए हमें तमाम देशों के अंदर और बाहर की सभी बाधाएं तोड़नी पड़ेंगी.

''ऐसे समय में, जब सिर्फ नौकरी ही नहीं, उद्योगों की शहरों और कसबों की ओर पलायन कर रहे हैं और हर दिन एक नए मायाजाल में उलझते चले जा रहे हैं.''

महान वैज्ञानिक के भविष्य के गर्भ में झांक कर निकाले गए इन संकेतों को गंभीरता से लेना चाहिए. हमें जागरूक हो कर मानव जाति के सुरक्षित भविष्य के लिए कार्य करना चाहिए. अपने मस्तिष्क की कीमत समझने वाले इसरो के महान भारतीय वैज्ञानिकों ने नवीनतम रिमोट सैंसिग सैटेलाइट रिसोर्ससैट-2ए को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित कर दिया. यह आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी36 की मदद से लौंच किया गया था. यह रिसोर्ससैट-1 और 2 की कड़ी का उपग्रह है. कुल 12.35 किलोग्राम वजनी यह उपग्रह भारत की वन संपदा और जल संसाधनों के बारे में जानकारी देगा. इस से यह जानने में मदद मिलेगी कि देश के किन इलाकों में कौन से मिनरल हैं. प्रकृति में इंसान की आवश्यकता के लिए भरपूर तत्त्व हैं. कुदरत की इस देन पर पृथ्वी में पलने वाले प्रत्येक जीव का अधिकार है. मानव जाति की उपरोक्त विभिन्न क्षेत्रों की ऐतिहासिक उपलब्धियों को पढ़ कर यह विश्वास होता है कि मनुष्य यदि संकल्प कर ले तो जीवन में क्या नहीं अर्जित कर सकता. विचार के नियमों को गहराई से समझ कर मनुष्य 100 प्रतिशत अपनी प्रतिभा का सर्वोच्च कार्य समाज को दे कर उसे लाभान्वित कर सकता है.

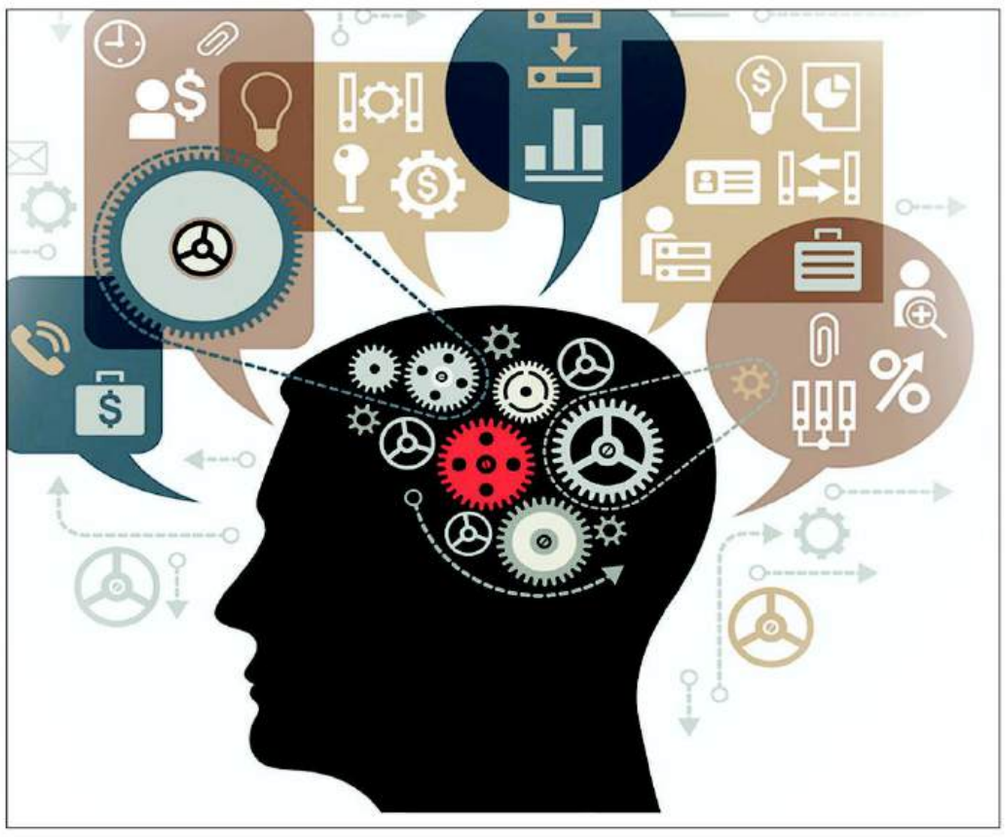

हमारे पास ऐसी कीमती चीजें हैं जिन के बारे में हम को ज्ञान नहीं है. हमारे पास चीजें हैं हमारा शरीर, हमारा चिंतन, हमारा वक्त, हमारा श्रम, हमारा पसीना, हमारा आत्मविश्वास, हमारा स्वास्थ्य, हमारा साहस, हमारा ज्ञानविज्ञान, हमारा हृदय, हमारा मस्तिष्क, हमारा अनुभव, हमारी भावनाएंसंवेदनाएं आदि संभावनाएं भी क्षीण हो रही हों, हमारी जिम्मेदारी है कि लोगों को एक नए विश्व के लिए तैयार करें. लेकिन जरूरी होगा कि विश्व के सभी विद्वान अतीत से सबक लें. हम मानवता के विकास के सब से बुरे दौर में हैं. हर हाथ में फोन तो है, भले पानी न हो. इसी चमक को देख हमारे ग्रामीण व गरीब बड़ीबड़ी उम्मीदें ले कर झुंड के झुंड

प्रोत्साहन दें

एक बार इंगलैंड की रौयल अकादमी के हौल को उत्कृष्ट चित्रों से सजाने की योजना बनाई गई. इस के लिए देशविदेश के बेहतरीन चित्रकारों से श्रेष्ठतम चित्र भेजने को कहा गया. कुछ ही दिनों में रौयल अकादमी के पास चित्रों का ढेर लग गया. अकादमी की विशेषज्ञ समिति सुंदर चित्रों को चुनने लगी. चुनने के बाद उन्हें हौल में सजाया गया तो सारा हौल चित्रों से भर गया. लेकिन अभी भी चुने गए चित्रों में से एक चित्र बच गया.

वह चित्र बेहद खूबसूरत था और उसे एक युवा चित्रकार ने बनाया था. यह देख कर समति के एक सदस्य ने कहा, ''चित्र तो वाकई बहुत सुंदर है, मगर दुख है कि हौल पूरा भर गया है और इसे कहीं भी नहीं लगाया जा सकता. इसलिए, इसे ससम्मान चित्रकार के पास वापस भेज दिया जाना चाहिए.'' यह सुन कर विशेषज्ञ समिति के सभी सदस्यों ने सहमति में सिर हिलाया.

इंगलैंड के सुप्रसिद्ध चित्रकार टर्नर भी उस विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे. उन्होंने कहा, ''इतने खूबसूरत चित्र को वापस भेजना उचित नहीं है.'' इस पर दूसरा सदस्य बोला, ''किंतु अब इसे लगाने के लिए कहीं, कोई भी स्थान नहीं बचा है.'' टर्नर बोले, ''अभी भी एक स्थान ऐसा बचा हुआ है जहां पर यह चित्र लगाया जा सकता है.'' टर्नर उठे और उन्होंने अपना चित्र उतार कर उस की जगह उस युवा चित्रकार का चित्र लगा दिया और बोले, ''युवा चित्रकार को प्रोत्साहन मिलना चाहिए, क्योंकि इस से दुनिया को एक महान कलाकार मिलने की राह खुलती है.'' युवा चित्रकार को जब इस बात का पता चला तो वह महान चित्रकार टर्नर के प्रति हृदय से नतमस्तक हो गया.

रनिंग से पहले भूलकर भी न करें यह गलतियां

सुबह-सुबह रनिंग करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। लेकिन ज्यादातर लोग सही जानकारी नही होने के कारण रनिंग से पहले कई गलतियां कर बैठते हैं । जिससे उन्हें इसका फायदा नही मिल पाता है। दौड़ने से पहले खुद को सही तरीके से तैयार करना बहुत जरूरी होता है। तो चलिए आज हम आपको बता रहें हैं कि रनिंग से पहले किन गलतियों को भूलकर भी न करें।

ज्यादा पानी पीना

दौड़ने से पहले कभी भी अधिक मात्रा में पानी नही पीना चाहिए, क्योंकि इससे आपको ठीक से रनिंग करने में असुविधा हो सकती है। इसकी बजाय आप रनिंग के बाद फिर पूरे दिन थोड़े थोड़े अंतराल पर पानी पीते रहें । जिससे शरीर में पानी की कमी न हो। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि ऐसा कोई भी पेय पदार्थ न पियें जिसमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा हो।

हैवी डाइट

रनिंग के लिए कार्बोहाइड्रेट बहुत जरूरी होता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप रनिंग करने से पहले खूब सारा खाना खा लें। अगर आप ने कुछ हैवी खा लिया है तो कम से कम उसके एक घंटे बाद ही दौड़ने जायें। अगर आपको थोड़ी सी ही रनिंग करनी है तो इसके लिए कुछ भी खाने की जरूरत नहीं है। दिन भर थोड़ी थोड़ी मात्रा में खाना खाते रहे इससे आपका ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

फ्रेश जरूर होना चाहिए

रनिंग करने से पहले ही टॉयलेट कर लें । नहीं तो दौड़ते समय आपको जल्दबाजी में वाशरूम जाना पड़ सकता है। इसके अलावा कभी भी दौड़ने से पहले कॉफी न पिए। क्योंकि कैफीन के कारण दौड़ते समय आपको टॉयलेट लग सकती है।

जबरदस्ती रनिंग न करें

अगर आपका शरीर थका हुआ है या आज आपका मन नहीं कर रहा है । रनिंग करने का तो ऐसे में खुद के साथ जबरदस्ती न करें। क्योंकि इसका उल्टा असर पड़ता है। कई बार थके होने के बावजूद रनिंग करने से चोट लगने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

स्ट्रेचिंग

रनिंग करने वालों के लिए एक ही जगह पर खड़े होकर स्ट्रेचिंग करना उतना फायदेमंद नहीं होता है। इसकी बजाय आप डायनामिक वार्म अप करें। जिससे मांसपेशियों की सारी जकड़न दूर हो जाये और इससे आपको दौड़ने में भी आसानी रहती है।

कछुआ बदलेगा किस्मत

फेंगशुई के अनुसार कछुआ या कछुए की प्रतिमा रखना बेहद शुभ होता है। ऐसे में कुछ खास धातु के कछुओं को अगर घर में रखा जाए तो कछुए किसी भी व्यक्ति की किस्मत भी बदल सकते हैं। आज-कल कई अलग-अलग धातुओं, आकार और रंग के कछुए आने लगे हैं। ऐसे में इस बात को समझना और उसका पालन करना बहुत जरुरी है कि कौन-सी इच्छा को पूरा करने के लिए किस धातु का बना कछुआ घर, दूकान या ऑफिस में रखना चाहिए। कछुए की अंगूठी भी पहनी जा सकती हैं।

1.संतान प्राप्ति के लिए

जिस घर में संतान ना हो या जो दंपत्ति संतान सुख से वंचित हों, उन्हें खास प्रकार का कछुआ जिसकी पीठ पर बच्चे कछुए भी हों अपने घर में रखना चाहिए।

2.धन प्राप्ति के लिए

धन प्राप्ति के लिए इसके अलावा कछुआ धन प्राप्ति का भी सूचक माना गया है। यदि किसी को धन संबंधी परेशानी हो, तो उसे क्रिस्टल वाला कछुआ लाना चाहिए। इसे वह अपने कार्यस्थल या तिजोरी में भी रख सकते हैं।

3.बीमारियों से बचने के लिए

अगर घर में आए दिन किसी न किसी तरह की बीमारियां होती रहती है तो इससे बचने के लिए घर में मिटटी का बना कछुआ रखना सबसे अच्छा माना जाता है।

4.नया व्यापार शुरू करने पर

यदि आपने नया व्यापार शुरू किया है या करना चाहते हैं तो नई दुकान में चांदी का बना कछुआ रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से व्यापार को किसी की बुरी नजर नहीं लगाती।

5.परीक्षा में सफलता के लिए

बच्चों के साथ-साथ बड़े भी अपनी नौकरी में प्रमोशन पाने के लिए आए दिन परीक्षा की तैयारी करते रहते हैं, ऐसे में पीतल का बना कछुआ आपको सफलता पाने में मदद करेगा।

6.क्लेश खत्म करने के लिए

यदि घर के सदस्यों में आए दिन लढ़ाई-झगडे होते रहते हैं तो घर में 2 कछुओं का जोड़ा रखना चाहिए। ऐसा करने से घर के सदस्यों के बीच चल रही अनबन खत्म हो जाएगी और प्यार बढेगा।

कछुए के शेप की अंगूठी

किसी तरह की परेशानी आपका पीछा न छोड़ रही हो या फिर बीमारियों की वजह से तंग आ गए हों तो कछुआ अंगूठी पहननी चाहिए।

» अंगूठी को गुरूवार को पंचामृत में स्नान कराकर सुबह 8 से 9 के बीच में पहनने से मां लक्ष्मीजी की विशेष कृपा बरसने लगती है।

» कछुए के शेप की अंगूठी को सीधे हाथ की मध्यमा या तर्जनी उंगली में पहनें।

» कछुए की अंगूठी खरीदने के लिए शुक्रवार का दिन शुभ होता है।

» कछुआ अंगूठी पहनते वक्त यह ख्याल रखना चाहिए कि कछुए के सिर वाला हिस्सा पहनने वाले की तरफ होना चाहिए।

रेसिपी

लहसुन दाल शोरबा

सामग्री

मूंग की धुली दाल-आधा कप,
प्याज-एक, हरी मिर्च-एक,
अदरक-एक छोटा टुकड़ा,
लहसुन-5 से 7 कली,
देशी घी-दो छोटे चम्मच,
हल्दी व भुना जीरा-आधा-आधा छोटा चम्मच,
नमक-स्वादानुसार।

विधि

सबसे पहले दाल को धोकर साफ करें और आधे घंटे के लिए भीगने दें। अब प्रेशर कुकर में भीगी दाल, कटा प्याज, हरी मिर्च अदरक व दो कप पानी डालकर दो-तीन सीटी आने तक पकाएं।स्टीम निकलने पर इसे ब्लेंडर से मिक्स कर लें। अब पैन में देशी घी गर्म कर इसमें दरदरी लहसुन डालकर हल्का सेकें। इसके बाद इसमें दाल वाला मिश्रण डालें और इसके साथ ही एक कप पानी और मिलाएं। इसे पांच-सात मिनट के लिए पकने दें। तैयार दाल शोरबे को भुना जीरा व नींबू डालकर सर्व करें।

सोया दही वडा

सामग्री

स्टफिंग के लिए: सोयाबीन बड़ी एक कप, दो उबले हुए आलू, एक प्याज कटा हुआ, हरी मिर्च कटी हुई, एक छोटा चम्मच गरम मसाला, अदरक थोड़ा सा कुटा हुआ, चौथाई कप ब्रेड क्रम्ब्स, नमक

दही के लिए सामग्री: छोटा चम्मच राई, एक छोटा चम्मच उड़द दाल, थोड़ा सा अदरक, करीपत्ता, दो कप बटर मिल्क, लाल मिर्च पाउडर दो छोटे चम्मच, चाट मसाला छोटा चम्मच, तेल या घी

विधि

एक बर्तन में स्टफिंग की सारी चीजें डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। मिश्रण के छोटे-छोटे गोले बनाकर सुनहरा सेक लें। एक पैन में घी गर्म कर राई डालें। इसमें उड़द दाल, करीपत्ता डालें। इसे भी अलग रख दें। इसके बाद दही का मिश्रण का तैयार करें। इसके लिए बटरमिल्क को अच्छी तरह से फेंट लें। इसमें सभी मसाले और नमक मिला दें। इस मिश्रण में गोले डाल दें। इमली की चटनी डालकर 20 मिनट के लिए ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें। लालमिर्च पाउडर और चाट मसाला डालकर सजाएं। रेसिपी तैयार है।सोया दही वडा - फिट रहने और खूबसूरत दिखने के लिए।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**